जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 14 संख्याः 236 प्रभात हिण्डौन सिटी, सोमवार 27 जून, 2022 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

समुद्र की गहराइयों में इतना अंधेरा होता है कि परभक्षी जीव भोजन तक नहीं ढूंढ पाते। कुछ जानवर, जैसे टूथ्ड व्हेल शिकार को ढूंढने के लिए एकोलोकेशन का प्रयोग करते हैं, तो कुछ अपने शिकार को रिझाकर पास बुलाते हैं। लेकिन सील भोजन की तलाश में 5000 फीट की गहराई तक चली जाती हैं और उपरोक्त कोई भी तरीका इस्तेमाल नहीं करतीं। शोधकर्ता काफी समय से सोच रहे थे कि पानी में विभिन्न जानवरों की गतिविधियों का पता लगाने के लिए सील अपने "विस्कर्स" (मूँछों) का इस्तेमाल करती हैं, जैसे चूहे करते हैं। इस बात की पुष्टी के लिए वैज्ञानिकों ने एलिफैंट सील्स पर इन्फ्रारैड कैमरे लगाए और भोजन ढूंढते समय विस्कर्स की गतिविधि रिकॉर्ड की। टीम ने 9 घंटे के विडियो फुटेज लिए। उन्होंने देखा कि गहराई में शिकार करते समय सील अपने विस्कर्स को आगे पीछे घुमाती हैं लेकिन कम गहरे पानी में जब वे शिकार नहीं कर रही होती हैं तब उनके विस्कर्स स्थिर रहते हैं। मुख्य शोधकर्ता और युनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, सैंटाक्रूज़ में मरीन इकॉलजिस्ट ताइकी अडाची ने कहा कि, प्राकृतिक स्थिति में जानवर सूचना पाने के लिए अपनी सभी ज्ञानेन्द्रियों का इस्तेमाल करते हैं, जैसे आंख, कान, विस्कर्स आदि। पर समुद्र की गहराई में, अंधेरे में जानवर सिर्फ खुद के प्रयासों से ही जानकारी जुटा सकते हैं। प्रोसीडिंग्स ऑफ द नैशनल अकैडमी ऑफ साइन्सेज़ में प्रकाशित इस शोध में शोधकर्ताओं का निष्कर्ष है कि, विस्कर्स की लयबद्ध गतिविधि शिकार पकड़ने में अहम भूमिका निभाती है। युनिवर्सिटी ऑफ सेंट एंड्रूज़ की साशा केट हूकर, जो शोध में शामिल नहीं हैं, ने कहा, "यह बात समझ में आती है, गहराई में जाने वाले समुद्री स्तनपायी जीवों में एलिफैंट सील ही है जो स्पर्म व्हेल और बीक्ड व्हेल जितनी गहराई तक जाती है, कई बार तो उससे भी एक किलोमीटर आगे। पूर्व में हुई रिसर्च में देखा गया था कि कैप्टिविटी में जिन सील्स की आंखों पर पट्टी बांध दी गई थी उन्होंने विस्कर्स की मदद से शिकार किया। सील अपने विस्कर्स से 130 फीट दूर की हरकत भी भांप लेती हैं, ऑब्जैक्ट द्वारा हरकत करने के कुछ सैकेण्ड से भी कम समय में सील को हरकत का पता चल जाता है। किसी समुद्री स्तनपायी जीव में लयबद्ध विस्कर्स मूवमैंट पहले कभी भी नहीं देखा गया। शोधकर्ताओं का कहना है कि, इस शोध से, लम्बे समय से चले आ रहे इस रहस्य से पर्दा उठ गया है कि सील समुद्र की गहराई में घने अंधेरे में कैसे शिकार करती हैं।

शिवसेना के बागी एकनाथ शिंदे ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया

सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई होगी, इस याचिका में अजय चौधरी को शिवसेना विधायक दल का नेता चुने जाने को चुनौती दी गई है

मुंबई/नई दिल्ली, 26 जून। महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है तथा उन्होंने घर लौटने के बाद केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला को शिंदे गुट के विधायकों की सुरक्षा के संबंध में पत्र लिखा है। उन्होंने अनुरोध किया है कि, स्थिति से निपटने के लिए केंद्रीय सुरक्षा बलों का पर्याप्त प्रावधान किया जाए और जरूरत पड़ने पर तैयार रखा जाए।

बागी शिवसेना विधायक एकनाथ शिंदे ने डिप्टी स्पीकर द्वारा महाराष्ट्र के बागी विधायकों के खिलाफ जारी अयोग्यता नोटिस के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। शिंदे की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सोमवार
को सुनवाई होगी। इस याचिका में शिंदे की जगह अजय चौधरी को सदन में शिवसेना के विधायक नेता के रूप में नियुक्त करने को भी चुनौती दी गई है।

इस बीच महाराष्ट्र के मंत्री और शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र के मंत्री और शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे ने कहा कि, 20 मई को मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने एकनाथ शिंदे को फोन किया और उनसे मुख्यमंत्री बनने के लिए कहा। उस समय उन्होंने ड्रामा किया और रोने लगे। ठीक एक महीने बाद उन्होंने विद्रोह कर दिया। शिंदे गुट ने जो किया, वह विद्रोह नहीं है, यह अलगाववाद है। उन्होंने यह सब करने के लिए मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की तबीयत का अनुचित फायदा उठाया।

- **एकनाथ शिंदे ने अपनी याचिका में महाराष्ट्र में डिप्टी स्पीकर की नियुक्ति को भी चुनौती दी है।**
- **इस बीच महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी की तबीयत में भी सुधार है तथा उन्होंने केन्द्रीय गृह सचिव को पत्र लिखकर गुवाहाटी में ठहरे शिवसेना के बागी विधायकों को पर्याप्त सुरक्षा मुहैया कराने के लिए कहा है।**

उधर एन.सी.पी. प्रमुख शरद पवार ने कहा कि हमारी पार्टी का पूरा समर्थन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के साथ है। मैं कल राष्ट्रपति चुनाव के लिए यशवंत सिन्हा के नामांकन के लिए दिल्ली आया हूं। उन्होंने कहा कि एकनाथ शिंदे और उनके साथ गुवाहाटी गए अन्य विधायकों ने एक नया गठबंधन बनाने के लिए कहा है, लेकिन एन.सी.पी. और कांग्रेस की नीति हमारे द्वारा बनाई गई गठबंधन सरकार का समर्थन करने के लिए स्पष्ट है। महाराष्ट्र में एम.वी.ए. सरकार है और हम इसका समर्थन जारी रखना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि एकनाथ शिंदे और अन्य विधायक सरकार में राकांपा के साथ थे। पिछले 2.5 वर्षों में उन्हें कोई समस्या नहीं हुई। आज ही क्यों हो रही है? यह सिर्फ एक बहाना है। हम अंतिम समय तक मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे का समर्थन करेंगे।

गुवाहाटी में एकनाथ शिंदे ने शिवसेना के बागी सभी विधायकों को आश्वासन दिया है कि सभी विधायक परिवारों को केंद्रीय सुरक्षा दी जाएगी। सुरक्षित मुंबई कैसे पहुंचे, अगले 2 दिनों में सरकार बनाने का दावा पेश करने और कानूनी पहलुओं पर भी हुई चर्चा। इस बीच महाराष्ट्र के भंडारा विधायक नरेंद्र भोंडेकर का जन्मदिन गुवाहाटी के रैडिसन ब्लू होटल में शिवसेना के बागी नेता एकनाथ शिंदे और अन्य विधायकों की मौजूदगी में मनाया गया।

शिवसेना के वरिष्ठ वकील देवदत्त कामत ने बताया कि शिवसेना द्वारा 16 विधायकों के खिलाफ कार्यवाही शुरू की गई है, संविधान में प्रावधान के तहत जो कहता है कि यदि कोई व्यक्ति किसी पार्टी की सदस्यता छोड़ देता है तो वह अयोग्यता के लिए पात्र है। शिवसेना द्वारा अलग-अलग समय पर कई बैठकें बुलाई गईं, जिनमें से किसी ने भी भाग नहीं लिया। भाजपा शासित राज्यों का दौरा करना, भाजपा नेताओं से मिलना और सरकार गिराने का प्रयास करना विद्रोहियों द्वारा उल्लंघन के समान है।

उन्होंने कहा कि दो तिहाई की अवधारणा केवल विलय होने पर ही लागू होती है। जब तक विधायक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

त्रिपुरा में कांग्रेस कार्यालयों पर हमला

अगरतला, 26 जून (वार्ता)। त्रिपुरा की चार विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के परिणाम रविवार को घोषित किए गए, जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को बंपर जीत मिली। चुनाव परिणाम घोषित होने के कुछ घंटे बाद त्रिपुरा प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर हमला किया गया। कथित तौर पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने कार्यालय में तोड़फोड़ की, जिससे प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बिरजीत सिन्हा गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

पुलिस ने यह जानकारी दी। सिन्हा के पेट में चोट लगी है, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस घटना के बाद राज्य के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने भाजपा समेत सभी राजनीतिक दलों के समर्थकों से राज्य में शांति बनाए रखने का आव्हान किया। उन्होंने पुलिस से कानून को ध्यान में रखते हुए स्थिति से सख्ती से निपटने के भी निर्देश दिए। कांग्रेस ने बाद में आरोप लगाया कि भाजपा समर्थित उपद्रवियों ने खोवाई जिले में भी उनके

- **उपचुनावों के नतीजे आने के बाद हुये हमलों और तोड़फोड़ में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गंभीर रूप से घायल हुये।**

कई कार्यालयों में तोड़फोड़ की है और कईयों को आग के हवाले कर दिया है। इसके अलावा, उनके घरों और दुकानों को भी निशाना बनाया गया है।

उल्लेखनीय है कि राज्य में 23 जून को हुए उपचुनाव में भाजपा ने चार विधानसभा सीटों में से तीन पर जीत हासिल की, जबकि अगरतला निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस को जीत मिली है। इस बीच, पुलिस ने जानकारी दी कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं और भाजपा पार्षद शिल्पी सेन के बीच मतभेद की छोटी सी घटना हुई, जब वह आई.जी.एम. अस्पताल के पास मतगणना हॉल से लौट रही थीं। घटना के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने यहां कांग्रेस भवन पर हमला किया और तोड़फोड़ की।

सत्तारूढ़ भाजपा ने हालांकि, कांग्रेस पर अराजकता शुरू करने का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई और पार्टी कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी की मांग की क्योंकि हिंसा उन्हीं की वजह से हुई।

सपा के किले आज़मगढ़ व रामपुर भरभराकर ढह गये

दोनों लोकसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में भाजपा ने जीत दर्ज की

लखनऊ, 26 जून। उत्तर प्रदेश की दो लोकसभा सीटों पर हुये उपचुनाव के नतीजे रविवार को सामने आ गये लेकिन इन नतीजों ने सपा की टैंशन बढ़ा दी है, सपा के पुराने और मजबूत किले माने जाने वाले आजमगढ़ और रामपुर दोनों ही किले भरभराकर ढह गये हैं और इन दोनों ही सीटों पर भाजपा को कामयाबी हासिल हुई है।

उत्तर प्रदेश की रामपुर संसदीय सीट पर हुए उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार घनश्याम लोधी ने 42,000 से अधिक मतों के अंतर से जीत हासिल की है। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ सपा नेता आजम खान के बेहद करीबी माने जाने वाले सपा उम्मीदवार मोहम्मद आसिम राजा को इस सीट से हार का सामना करना पड़ा है। रामपुर में हार को लेकर जब सपा नेता आजम खान से सवाल किया गया तो वह भड़क गए। आजम ने कहा कि ये चुनाव था ही कहां? इसे ना आप चुनाव कह सकते हैं और ना ही चुनावी नतीजे कह सकते हैं।

- **रामपुर सीट से भाजपा के घनश्याम लोधी ने 42 हजार वोटों से सपा नेता आज़म खान के बेहद करीबी मो. आसिम रजा को हराया।**
- **आज़मगढ़ सीट से सपा नेता धर्मेन्द्र यादव को हराकर दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ ने भी जीत दर्ज की।**

वहीं आजमगढ़ सीट पर सपा के धर्मेंद्र यादव को हराकर भाजपा के दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ ने जीत हासिल की है।

इस मौके पर आजम खान ने कहा कि 900 वोट के पोलिंग स्टेशन पर केवल 6 वोट कैसे? उन्होंने कहा कि 2200 के पोलिंग वाले मुस्लिम मुहल्ले में केवल एक वोट कैसे? जब आजम खान से सपा की इस हार की वजह पूछी गई तो वे मीडिया पर ही उल्टा सवाल करने लगे। आजम ने कहा कि, जब आप ही को (मीडिया) कुछ नहीं दिख रहा तो हम तो पैदाइशी अंधे हैं, और अंधो ने चश्मा भी लगा रखा है। इस दौरान उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं को भी संदेश देते हुए कहा कि घृणा का जवाब घृणा से न दें।

रामपुर लोकसभा उपचुनाव के नतीजों के बाद संवाददाताओं से बातचीत में आजम खान ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ भाजपा ने सरकारी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'लोकसभा में आप एब्सैंट'

चंडीगढ़, 26 जून (वार्ता)। पंजाब के संगरूर लोकसभा सीट पर हुए उपचुनाव में शिरोमणि अकाली दल (अमृतसर) के सिमरजीत सिंह मान ने राज्य में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) को गंभीर झटका देते हुए चुनाव जीत लिया। इस हार से आप पार्टी को बड़ा झटका लगा है अब लोकसभा में आप पार्टी का कोई भी प्रतिनिधि अथवा सांसद अब नहीं रह गया है।

- **पंजाब की संगरूर लोकसभा सीट हारने के बाद आप पार्टी का लोकसभा में कोई सांसद नहीं बचा है।**

रविवार को सामने आये चुनाव परिणाम में मान ने कुल 253154 वोटों से जीत हासिल की। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी आप के गुरमैल सिंह को हराया। आप को कुल मतों का 34.79 फीसदी वोट हासिल हुए।

इस सीट पर 23 जून को उपचुनाव हुआ था। इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस समेत सभी प्रमुख राजनीतिक पार्टियों को हार का सामना करना पड़ा है। शिरोमणि अकाली दल (अमृतसर) के सिमरनजीत सिंह मान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'पायलट और शेखावत मिले हुए थे'

शांति धारीवाल ने कहा कि, हमने खुद ऐसा होते देखा है, मुख्यमंत्री ठीक कह रहे हैं

कोटा, 26 जून (नि.सं.)। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री शांति धारीवाल ने अपनी ही पार्टी के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के मिले हुए होने की बात को स्वीकार करते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के वक्तव्य का समर्थन किया है।

धारीवाल ने कहा कि, मुख्यमंत्री गहलोत ठीक ही कहते हैं, इसमें कुछ भी गलत नहीं है। मैं उनकी बात से सहमत हूं। हमने तो खुद यह देखा है। रविवार को प्रदेश के यू.डी.एच. मंत्री शांति धारीवाल कोटा दौरे पर आए थे। एक सवाल के जवाब में उन्होंने केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और पूर्व मुख्यमंत्री सचिन पायलट पर हमला बोला है।

सी.एम. अशोक गहलोत की बात को दोहराते हुए धारीवाल ने दोनों को मिला हुआ बताया है। उन्होंने कहा है कि मुख्यमंत्री गहलोत ने ठीक कहा है। इसमें

- **शांति धारीवाल ने केन्द्रीय मंत्री शेखावत को फोन टैपिंग के मामले में नोटिस दिये जाने का मुद्दा भी उठाया।**

कुछ भी गलत नहीं है। हमने खुद दोनों को मिला हुआ देखा है। वहीं दौसा सांसद जसकौर मीणा के राजस्थान में भी महाराष्ट्र जैसे हालात बनने के बयान पर धारीवाल ने कहा कि, भाजपा वाले पहले भी मुंह की खा चुके हैं फिर मुंह की खाएंगे। राज्यसभा के चुनाव में उन्होंने देख लिया है कि कांग्रेस को तो पूरे 126 वोट मिले हैं जबकि बीजेपी का ही एक वोट टूटा है। ज्ञात रहे कि, फोन टैपिंग प्रकरण पर गहलोत ने गजेंद्र सिंह शेखावत के लिए कहा था कि, कानून अपना काम कर रही है। वह काफी समय से बचते रहे। आखिर में कोर्ट की ओर से उन्हें नोटिस सर्व हो ही गया। इनको वॉइस सैंपल देने में तकलीफ क्या है? वे स्वीकार कर चुके हैं कि ये इनकी वॉइस है। लोकेश शर्मा के खिलाफ जो केस इन्होंने दर्ज करवाया है वह उलटा चोर कोतवाल को डांटे वाली बात है। आप सरकार गिराने के प्रयास का मुख्य किरदार थे। सबको मालूम है कि आप एक्सपोज हो गए हैं। आपने खुद सरकार गिराने का षडयंत्र किया। अब आप सचिन पायलट का नाम ले रहे हैं। कह रहे हैं कि उन्होंने चूक कर दी। इसके बाद तो और प्रूफ हो गया। आपने खुद ठप्पा लगा दिया कि आप उनके साथ मिले हुए थे।

नाइट क्लब में 17 लोग मृत पाए गए

केप टाउन, 26 जून (वार्ता)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्वी लंदन शहर के एन्योबेनी टैवर्न में रहस्यमय परिस्थितियों में 17 लोग मृत पाए गए। मीडिया ने रविवार को यह रिपोर्ट दी है।

बी.बी.सी. को पुलिस प्रवक्ता ने न्यूज़रूम अफ्रीका टेलीविज़न चैनल के हवाले से बताया, घटना के आसपास की परिस्थितियों की जांच की जा रही है।

ब्रिगेडियर टेम्बिंकोसी किनाना ने

- **दक्षिण अफ्रीका के पूर्वी लंदन शहर के एक क्लब में ऐसा मामला सामने आया है।**

कहा, हम इस तरह की कोई अटकलें नहीं लगाना चाहते हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार पीड़ितों के परिजन को शवों को देखने नहीं दिया जा रहा है।

बी.बी.सी. ने डेली डिस्पैच अखबार के प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से बताया, समारोह स्थल पर शव फर्श पर पड़े हुए हैं। घटनास्थल पर पहुंचे पूर्वी केप पुलिस आयुक्त नोमथेलेली लिलियन मेने ने एस.ए.बी.सी. न्यूज को बताया कि ऐसा लगाता कि बार के अंदर भगदड़ हुई है।

ब्रिगेडियर किनाना के अनुसार अधिकांश शव 18 से 20 वर्ष के युवाओं के हैं।

राहुल गांधी ने धैर्य के मामले में पायलट का उदाहरण दिया, तो क्या मु.मंत्री असहज हो गए?

वैसे भी एक सवाल अनुत्तिरत है कि, गहलोत 4 दिन सक्रिय रहने के बाद राहुल गांधी के भाषण से पहले ही अचानक जयपुर क्यों लौट आए थे

जयपुर, 26 जून (का.प्र.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के बयान के बहाने राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट को निशाने पर लेते हुए 2020 में हुई बगावत का जिम्मेदार ठहराया था और शेखावत के साथ मिलीभगत बताई थी। इस मामले के बाद सचिन पायलट या उनके कैंप की ओर से किसी तरह का जवाब नहीं आया था, लेकिन अगले ही दिन नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल ने आग में घी डालने का काम करते हुए अशोक गहलोत के बयान का समर्थन करते हुए कह दिया "हां, मुख्यमंत्री सही कह रहे हैं और इनकी मिलीभगत को हमने देखा है।"

इन दोनों बयानों के बाद अब तय हो गया कि आने वाले दिनों में राजस्थान कांग्रेस में भूचाल आना तय है और देखना यह भी है कि अब जिस शीतयुद्ध की शुरुआत मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की तरफ से हुई है उसका अंत किस तरह और किसकी ओर से होता है। वैसे राजनीतिक जानकारों का कहना है कि, राहुल गांधी की ओर से धैर्य के मामले में सचिन पायलट का नाम लिए जाने के बाद मुख्यमंत्री कहीं ना कहीं असहज जरूर हुए हैं। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि आने वाले दिनों में पार्टी के अंदर

- **शांति धारीवाल ने आग में घी डाला और बोले "हां, मुख्यमंत्री सही कह रहे हैं और इनकी (शेखावत और पायलट) मिलीभगत को हमने देखा है।"**
- **मुख्यमंत्री ने एक दिन पहले ही शेखावत के बयान के बहाने पायलट को निशाने पर लिया था।**
- **हालांकि, सचिन पायलट और उनका खेमा शांत बैठा है।**

सचिन पायलट को लेकर बड़ा फैसला होने वाला है, इसलिए भी हो सकता है कि मुख्यमंत्री ने इस तरह का बयान देकर सचिन पायलट के धैर्य की परीक्षा लेने के साथ ही आलाकमान को भी एक बार फिर चुनौती दी है।

राजनीतिक जानकारों के अनुसार राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के बीच राजनीतिक रूप से ठन चुकी है और भले ही कांग्रेस आलाकमान कितने भी प्रयास करें, यह मामला शांत होने का नाम नहीं ले रहा। हालांकि सचिन पायलट की ओर से कभी भी इस तरह का कोई बयान जारी नहीं किया गया है जिससे कि टकराव बढ़े, लेकिन गाहे-बगाहे मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से लगातार 2020 की बगावत के मामले को लेकर बयानबाजी लगातार चलती रही है। हालांकि इससे पहले मुख्यमंत्री ने रगड़ाई और विधायकों की खरीद-फरोख्त में करोड़ों की लेन-देन की बातें तो की थी। इस बार तो उन्होंने सीधे ही सचिन पायलट का नाम लेकर उनकी गजेंद्र सिंह शेखावत के साथ मिलीभगत का आरोप जड़ दिया।

इस आरोप के बाद सचिन पायलट खेमे की ओर से कोई जवाब आता, इससे पहले ही रविवार को कोटा में नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल ने आग में घी डालने का काम किया और कहा कि "हां, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सही कह रहे हैं, इसमें कुछ भी गलत नहीं है। हमने खुद दोनों को मिला हुआ देखा है। दोनों नेताओं के बयान के बाद अब पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट 27 जून को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओर से अग्निपथ योजना के खिलाफ किए जा रहे विधानसभा वार धरने-प्रदर्शनों के सिलसिले में टोंक आ रहे हैं, तो देखना

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

दोष निकालना सुगम है, उसे अच्छा करना कठिन। –प्लूटार्क

अपने डेटा को लेकर अधिक जागरुक और सतर्क होने की ज़रूरत

बहुचर्चित किताब **सेपियन्स** के लेखक, विश्व इतिहास के विशेषज्ञ और हिब्रू विश्वविद्यालय, यरूशलम के प्राध्यापक युवालनोआहरारी ने अपनी किताब **21वीं सदी के लिए 21 सबक** में एक बहुत महत्वपूर्ण बात लिखी है:– "वर्तमान में लोग नि:शुल्क ई मेल सेवाओं और हास्यास्पद कैट वीडियो के बदले अपनी सबसे मूल्यवान परिसंपत्ति –अपने निजी डेटा– सौंपा कर खुश होते हैं। यह कुछ–कुछ अफ्रीका और अमरीका के मूल निवासी कबीलों के जैसी स्थिति है, जिन्होंने अनजाने में रंगीन मनकों और सस्ते आभूषणों के बदले में अपने पूरे–के–पूरे मुल्कों को यूरोप के साम्राज्य वादियों के हाथों बेच दिया था।"

यह उद्धरण पढ़कर भी अगर आप न चौंके हों तो कृपया एक प्रयोग करके देखें। प्रयोग यह कि इण्टरनेट पर आप किसी चीज़ की खोज कीजिए। मान लीजिए, आप एक दीवार घड़ी की खोज करते हैं। या आप शिमला के बारे में कुछ जानकारी लेने का प्रयास करते हैं। आप पाएंगे कि आपकी इस खोज के तुरंत बाद आप पर चारों तरफ से दीवार घड़ी या शिमला के होटलों, रेस्तराओं आदि के बारे में विज्ञापनों की बौछार होने लग जाती है। अगर आपने अब तक इस बात पर ध्यान नहीं दिया हो तो मेहरबानी करके मेरा अनुरोध मानें और ऐसा करके देखें। इसके बाद सोचें कि जो हो रहा है वह आकस्मिक है या सुनियोजित! और सोचते हुए युवालनोआहरारी के उपर्युक्त उद्धरण को भी ध्यान में रखें।

इसके बाद मेरा एक और अनुरोध स्वीकार करें। ज़रा यह सोचें कि जहां हर चीज़ की कीमत बढ़ती जा रही है, कितना कुछ है जो आपको नि:शुल्क मिल रहा है! आप तमाम सोशल मीडिया का आनंद मुफ़्त में लेते हैं। फ़ेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम और ऐसी न जाने कितनी सेवाएं आपको बिना एक भी पैसा खर्च किए सुलभ हैं! और यही क्यों, आप जो ई मेल भेजते–पाते हैं, वह भी तो नि:शुल्क है! आप इन सेवाओं का उपयोग करने के लिए इण्टरनेट सेवाओं पर जो खर्चा करते हैं, उसे इन सेवाओं पर किया जाने वाला खर्च न मानें। वह अलग खर्चा है।

क्या हम कलयुग से निकल कर सतयुग में पहुंच गए हैं कि महादानी अपनी सारी सेवाएं हमें नि:शुल्क उपलब्ध करा कर धन्य हो रहे हैं? या बात कुछ और है! यहीं ज़रा ठहर कर अंग्रेज़ी के उस बहु उद्धृत कथन को भी याद कर लीजिए जिसका काम चलाऊ हिंदी अनुवाद यह होगा कि दुनिया में मुफ्त लंच जैसी कोई चीज़ नहीं होती है। बात बहुत साफ़ है। जिन चीज़ों को हम मुफ़्त की समझ कर खुश होते हैं, असल में वे हमें मुफ़्त में नहीं दी जा रही हैं। उनके बदले में हमसे कुछ, बल्कि काफी कुछ वसूल किया जा रहा है, और इस बात से हममें से ज़्यादातर लोग अनजान हैं।

हक़ीक़त यह है कि इन तथाकथित मुफ़्त सेवाओं के बदले गूगल और फ़ेसबुक जैसी बड़ी कंपनियां, और उन जैसी अन्य अनेक कंपनियां हमारे पल–प्रतिपल के व्यवहार को ट्रैक करती हैं, हमारा डेटा संग्रहित करती हैं, उस डेटा को विभिन्न संस्थानों को बहुत बड़ी राशि लेकर बेचती हैं और वे संस्थान उस डेटा का न जाने कैसा–कैसा उपयोग करके हमें अपनी उंगलियों के इशारों पर नचाते हैं। उनके उपयोग का एक रूप तो यही टारगेटेड विज्ञापन हैं जिनका ज़िक्र मैंने अभी थोड़ी देर पहले दीवार घड़ी और शिमला के उदाहरण से किया था। हमारे व्यवहार को ट्रैक करके हमें वे विज्ञापन दिखाए गए जो हमारी ज़रूरतों से मेल खाते थे। यह तो बस, इस संग्रहित डेटा का एक छोटा–सा उपयोग है। हाल में किए गए एक अध्ययन से यह बात सामने आई है कि यूरोप में लोग इण्टरनेट पर क्या देखते हैं, इससे जुड़ा डेटा दिन भर में 376 बार और अमरीकी लोग क्या देखते हैं उससे जुड़ा डेटा दिन में 747 बार साझा किया जाता है। इस लेख के प्रारम्भ में मैंने युवालनोआहरारी का जो उद्धरण दिया है वह इसी बात की तरफ इशारा करता है।

"जैसे-जैसे डेटा आपके शरीर और मस्तिष्क के बायोमैट्रिक सेंसर के रास्ते प्रवाहित होकर बुद्धिमान मशीनों तक पहुंचते जाएंगे, वैसे-वैसे व्यापारिक प्रतिष्ठानों और सरकारी एजेंसियों के लिए आपको जानना, आपको मनमाने ढंग से परिचालित करना और आपकी ओर से फैसले लेना आसान होता जाएगा।"

ज़रा यह भी जान लें कि आपका डेटा किस तरह आपसे पूछ कर प्राप्त किया जाता है। जब भी आप किसी नए एप को या किसी नई वेबसाइट को इस्तेमाल करना शुरू करते हैं, आपसे कुछ अनुमतियां ली जाती हैं और आप बेधड़क मैं सहमत हूं कहकर वे अनुमतियां दे देते हैं। मैं नहीं जानता कि हममें से कितने लोग हैं जो यह समझने के बाद कि हमसे किस बात की अनुमति ली जाती है, वह अनुमति देते हैं। बीबीसी की शोध टीम ने कुछ बहुत लोकप्रिय एप्स और वेबसाइट्स का अध्ययन करके बताया है कि आम तौर पर ये अनुमतियां तीन तरह की होती हैं:– पहली लोकेशन ट्रैकिंग, दूसरी सहयोगी कंपनियों को डेटा देना और तीसरी आपने डेटा को थर्ड पार्टीज़ के साथ साझा करना। यहीं यह भी जान लेना उपयोगी होगा कि अगर आपके मोबाइल में कोई एप, जैसे फ़ेसबुक, है और आपने उसमें लॉग इन नहीं कर रखा है, या यहां तक कि उसमें अपना अकाउण्ट ही नहीं बना रखा है तो भी फ़ेसबुक आपका फ़ोन ट्रैक कर सकता है। यह जानकारी स्वयं फ़ेसबुक ने अपनी डेटा पॉलिसी में दी है।

अब यहां दो बड़े मुद्दे सामने आते हैं। एक तो यह कि यह तकनीक हमारी निजता में, अलबत्ता हमारी अनुमति से, घुसपैठ करती है। दूसरा यह कि इस तरह घुसपैठ करके प्राप्त किए गए डेटा से बहुत लोगों की रोजी–रोटी चलती है। और तीसरा जो सबसे बड़ा मुद्दा है वह यह कि इस तरह प्राप्त किए गए डेटा से हमें नियंत्रित करने की सम्भावनाओं से मना नहीं किया जा सकता। इसी बात को लक्ष्य करके युवालनोआहरारी ने अपनी उक्त किताब में लिखा है कि "जैसे जैसे डेटा आपके शरीर और मस्तिष्क के बायोमैट्रिक सेंसर के रास्ते प्रवाहित होकर बुद्धिमान मशीनों तक पहुंचते जाएंगे, वैसे–वैसे व्यापारिक प्रतिष्ठानों और सरकारी एजेंसियों के लिए आपको जानना, आपको मनमाने ढंग से परिचालित करना और आपकी ओर से फैसले लेना आसान होता जाएगा।"

इन सारी बातों से एक आधारभूत सवाल उपजता है। बकौल हरारी, "मूल प्रश्न यह है: डेटा का स्वामित्व किसके हाथ में है? क्या मेरे डीएनए, मेरे मस्तिष्क और मेरे जीवन से संबंधित डेटा पर मालिकाना हक़ मेरा है, सरकार का है, किसी व्यापारिक निगम का है, या मानव–समूह का है?"

और शायद इसी प्रश्न का उत्तर देने का प्रयास किया है कनाडा की एक ट्रैक कंपनी सर्फ़ ने। इस कम्पनी ने हाल में सर्फ़ नाम से ही एक ब्राउज़र एक्स्टेंशन लॉंच किया है। यह ब्राउज़र एक्स्टेंशन एक तरह से गूगल को चकमा देकर, उसे बाइ पास करके अपना काम करता है। सर्फ़ का वादा है कि आप अपने डेटा के ख़ुद मालिक हैं और आपको हक़ है कि आप उसे जिसे चाहे बेचें, या न बेचें। सर्फ हालांकि अभी अपने अस्तित्व के शुरुआती दौर में है और अभी यह अमरीका और कनाडा में बहुत सीमित रूप में ही उपलब्ध है, फिर भी इसका दावा है कि यह अपने उपयोग कर्ताओं को कुल मिलाकर 1.2 मिलियन डॉलर कमाने का मौका देगा। कंपनी का कहना है कि विभिन्न ब्राण्ड्स उसके उपयोग कर्ताओं का डेटा इस्तेमाल कर सकेंगे और इसके बदले में वे ब्राण्ड्स उन उपयोग कर्ताओं को धनराशि अदा करेंगे। यहां जो बात ग़ौर तलब है वह यह कि सर्फ़ अपने उपयोग कर्ताओं को यह विकल्प देता है कि वे अपना डेटा साझा करें या न करें, जबकि अभी अन्यत्र हमें यह सुविधा सुलभ नहीं है। सर्फ़ की यह पहल उस निरंतर बड़े होते जा रहे अभियान का हिस्सा है जिसे ज़िम्मेदार तकनीक के नाम से जाना जाता है। इस तकनीक का मकसद लोगों को उनके डेटा पर और ज़्यादा नियंत्रण प्रदान करना है। कनाडा की एक और स्टार्टअप कंपनी जिसका नाम बेवरली है वह भी ऐसा ही कर रही है। यह कंपनी लोगों को गूगल न्यूज़ और एपल न्यूज़ से हटकर अपना न्यूज़फ़ीड हासिल करने की सुविधा देती है। इसी तरह एक अमरीकी कंपनी अबाइन अपने दो एप्सब्लर और डिलीट के माध्यम से आपको आश्वस्ति देती है कि आपके पासवर्ड और भुगतान ब्यौरों को ट्रैक नहीं किया जाएगा तथा आप सर्च इंजन से अपने निजी डेटा को मिटा सकेंगे। इस कंपनी अबाइन के मालिक रॉबशैवेल का सोच यह है कि इण्टरनेट पर कुछ भी सर्फ करने में स्वत: प्राइवेसी सुनिश्चित होनी चाहिए।

हमारे डेटा की निजता और सुरक्षा के बारे में जैसे–जैसे जागरूकता बढ़ती जा रही है, इनसे मोटा लाभ कमाने वाली कंपनियां भी इस दिशा में अधिक ज़िम्मेदार होने का एहसास दिलाने लगी हैं। हाल में गूगल के एक प्रवक्ता का बयान सामने आया है जिसमें वे कहते हैं कि "इस साल के अंत में, हम माईएडसेण्टर लॉंच करेंगे, जो हमारे प्राइवेसी कंट्रोल को बढ़ाएगा ताकि लोगों को जो विज्ञापन दिखाए जाते हैं, उन्हें वे लोग और ज़्यादा नियंत्रित कर सकें।"

जब तक सब कुछ आदर्श नहीं हो जाता, हमें अपने डेटा को लेकर और अधिक जागरूक और सतर्क होना होगा।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

(26 जून - शाहूजी महाराज जयंती विशेष)

सामाजिक लोकतंत्र के आधार स्तंभ थे छत्रपति शाहूजी महाराज

छत्रपती शाहूजी महाराज एक ऐसे मातृहृदयी राजा थे जिन्होंने मनुवादी व्यवस्था से पीड़ित पिछड़े समाज को अपनी संतान के रूप में स्वीकार किया था। उन्होंने पिछड़े समाज के दु:ख–दर्द तथा जरूरतों को समझते हुए निवारण करने का बीड़ा उठाया था। इसलिए डा. बाबा साहब अम्बेडकर ने उन्हें सामाजिक लोकतंत्र का आधार स्तम्भ कहा था। बाबा साहब कहते थे कि शाहूजी महाराज का जन्मदिवस त्यौहार के रूप में मनाना चाहिए।

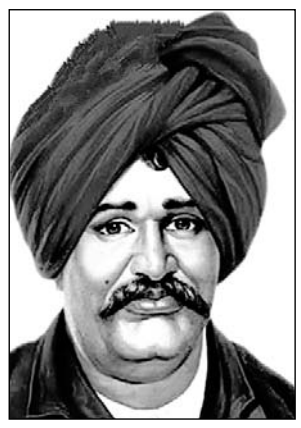

छत्रपति शाहूजी महाराज

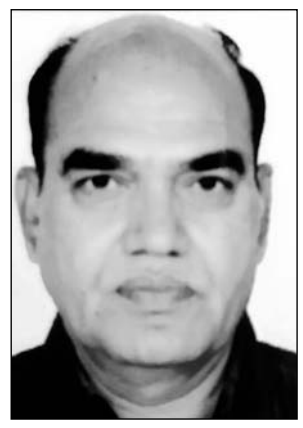

पन्नालाल मेघवाल

बाबा साहब अम्बेडकर से उनके भावनात्मक सम्बन्ध थे। वे बाबा साहब के सबसे बड़े हितैषी और सहयोगी थे। उन्होंने बाबा साहब अम्बेडकर को पिछड़ों के लिए उनका अपना हितैषी नेता घोषित किया था।

छत्रपति शाहूजी महाराष्ट्र राज्य की कोल्हापुर रियासत के राजा थे। ये शूद्र कुर्मी जाति से थे। उन्होंने मूल निवासियों–शूद्रों एवं अतिशूद्रों के लिए शिक्षा के दरवाजे खोले थे, जिससे उन्हें मुक्ति की राह दिखाने में उनका बहुत बड़ा योगदान था।

छत्रपति शाहूजी महाराज का जन्म 26 जून 1874 को कोल्हापुर में हुआ था। उनके पिताजी का नाम श्रीमंत जयसिंह राव आबा साहब घाटगे तथा माताजी का नाम राधाबाई साहिबा था। छत्रपति शाहूजी के जन्म का नाम यशवंतराव था। आबा साहब यशवंतराव के दादा थे। चौथे शिवाजी का अंत होने के बाद शिवाजी महाराज की पत्नी महारानी आनंदीबाई साहिबा ने 1884 में यशवंत राव को गोद लिया था। इसके बाद यशवंतराव का नाम शाहू छत्रपति रखा गया। उन्हें कोल्हापुर रियासत का वारिस बनाया गया था।

छत्रपति शाहू महाराज की शिक्षा राजकोट स्थित राजकुमार महाविद्यालय में हुई। राजकोट की शिक्षा समाप्त करके शाहूजी को आगे की शिक्षा पाने के लिए 1890 से 1894 तक धारावाड़ में रखा गया। छत्रपति शाहू महाराज ने अंग्रेजी, इतिहास और राज्य कारोबार चलाने की शिक्षा ग्रहण की। अप्रैल, 1897 में राजा शाहू का विवाह खानविलकर की कन्या श्रीमंत लक्ष्मीबाई से संपन्न हुआ। विवाह के समय लक्ष्मीबाई की उम्र महज 11 वर्ष की थी।

जब छत्रपति शाहूजी महाराज की आयु 20 वर्ष थी तब उन्होंने कोल्हापुर रियासत के अधिकार ग्रहण करके सत्ता की बागड़ोर अपने हाथ मेली तथा शासन करने लगे। कहा जाता है कि जब 1894 में इनका राज्यभिषेक समारोह हुआ तो उनके शूद्र होने की वजह से हिन्दू धर्म के अनुसार ब्राह्मणों ने पैर के अँगूठे से उनका राजतिलक किया, इससे उन्हें अत्यधिक दु:ख एवं पीड़ा हुई।

आमतौर पर सभी राजाओं की छवि जनता की आमदनी को कर के माध्यम से हड़पने एवं जबरन वसूली की थी, लेकिन छत्रपति शाहूजी ने ऐसा नहीं किया। उन्होंने सबसे बड़ा काम राज व्यवस्था में परिवर्तन करके किया। उनका मानना था कि संस्थान की वृद्धि में उन्नति के लिए प्रशासन में हर जाति के लोगों की सहभागिता जरूरी है। उस समय उनके प्रशासन में ज्यादातर ब्राह्मण जाति के अधिकारी थे, बहुजन समाज के मात्र 11 अधिकारी थे। ब्राह्मणों ने एक चाल के तहत बहुजन समाज को शिक्षा से दूर रखा था, ताकि पढ़–लिखकर ये सरकार में शामिल न हो सकें। छत्रपति शाहूजी इस बात से चिंतित रहते थे। उन्होंने प्रशासन में ब्राह्मणों के इस एकाधिकार को समाप्त करने के लिए बहुजन समाज की भागीदारी के लिए आरक्षण कानून बनाया।

छत्रपति शाहूजी महाराज ने राजा बनते ही 28 साल की उम्र में 1902 में वंचितों के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था लागू की। यह सामाजिक न्याय की दिशा में पहला बहुत बड़ा क़दम था कानून के अंतर्गत बहुजन समाज के लिए आरक्षण व्यवस्था लागू करना क्रांतिकारी पहल थी। जो देश में आरक्षण की यह पहली व्यवस्था थी। तब तक बहुजन समाज के लिए शिक्षा के दरवाजे बंद थे, उन्हें तिरस्कार की जिंदगी जीने के लिए मजबूर किया जाता था।

गंगाधर काम्बले जो कि अछूत जाति के थे, उनकी चाय की दुकान खुलवा कर स्वयं महाराज चाय पीने जाते थे ताकि जाति प्रथा और ऊंच–नीच को जड़ से मिटाया जा सके। इसलिए उन्हें सबसे बड़ा समाज सुधारक भी माना जाता है। उनका कहना था कि कल न मैं होंऊगा, न आप होंगे, न राजा होंगे, न रजवाड़े होंगे। मगर यह राष्ट्र हमेशा रहेगा और हमें इसको आगे बढ़ाने का काम करते रहना है। समाज में सबको सम्मान मिले, सभी शिक्षित होकर राष्ट्र के उत्थान में भागीदार बनें, तभी हमारा जीवन सफल माना जायेगा।

–पन्नालाल मेघवाल,
वरिष्ठ लेखक एवं स्वतंत्र पत्रकार।

भयमुक्त, यौनातुर, बेशर्म विस्मृति–क्लूवर बूसी सिन्ड्रॉम

अत्यंत विचित्र और विलक्षण विस्मृति की स्थिति होती है क्लूवर–बूसी सिन्ड्रोम (Kluver-Bucy Syndrome) में।

एक व्यक्ति को मस्तिष्क का वायरल इनफेक्शन हुआ। हर्पीज वायरस से, जो नाक में ओल्फैक्टरी नर्व से मस्तिष्क में पहुँचा था। व्यक्ति इलाज से ठीक तो हो गया लेकिन उसके स्वभाव में अजीब परिवर्तन आ गया। स्वभाव से बड़ा सीधा हो गया। आचरण में अजीब परिवर्तन। हर चीज को मुँह में लेना, चखना और ऐसा बार–बार करना, उसी चीज को लेकर करना। अजीब खब्त। इससे भी बदतर भावशून्य अश्लील यौन आतुरता। शील–अश्लील का भाव खत्म। जाँच से उजागर हुआ कि ऐसा मस्तिष्क के टेम्पोरल लोब में संक्रमण जनित क्षति के कारण हुआ। मस्तिष्क के इस भाग की विशेष क्षति का कारण, नाक से आने वाली नर्व जिससे वायरस आये थे, यहीं पहुँचती है। मस्तिष्क की टी बी या अन्य कारणों से जिस रोगी में दोनों साइड के टेम्पोरल लोब में क्षति हुई, उनमें कमोबेश ऐसे ही स्वभाव व यौन आचरण सम्बन्धी लक्षण मिलते हैं। इसे क्लूवर बूसी सिंड्रोम के नाम से जाना जाता है।

सन् 1930 में क्लूवर और बूसी नाम के दो डॉक्टरों ने बन्दरों में मस्तिष्क के टेम्पोरल लोब को शल्य क्रिया कर हटा दिया। इसके बाद बन्दरों के स्वभाव और व्यवहार में विलक्षण बदलाव देखा गया। मस्तिष्क के इस भाग में ऐमिग्डेलॉइड केन्द्रक (न्यूक्लियस), लिम्बिक सिस्टम का एक प्रमुख भाग, स्थित होता है। प्रयोग के तौर पर जब बन्दर में इसे क्षतिग्रस्त किया गया तो बन्दर भयमुक्त हो गया (साँप से डरा नहीं), क्रोध विहीन हो गया (कितना भी छेड़ने पर उद्वेलित नहीं हुआ) उसकी तात्कालिक स्मृति लुप्त हो गई (दी गई वस्तु को हाथ से उठाया,

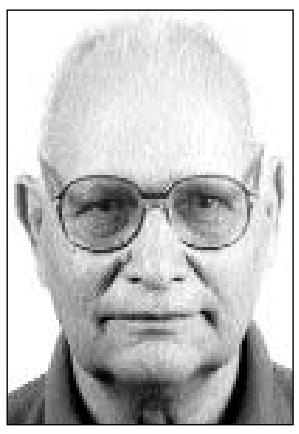

डॉ. श्रीगोपाल काबरा

देखा, मुँह मे रख चखा और बेस्वाद पाकर फेंक दी। लेकिन तुरन्त ही उसे फिर उठाया, देखा, चखा और फेंका और ऐसा बार–बार करता रहा।) नई अनुभूति की याद ही नहीं रहती, स्मृति नहीं बनती। (Antegrade amnesia) और वह कामान्ध होकर आक्रामक और असंयमित लेकिन सर्वथा भावशून्य यौन क्रिया के लिए प्रवृत्त हो गया।

मस्तिष्क के इस भाग के क्षति लक्षण थे –

1. विस्मृति – न नये अनुभवों की स्मृति बनी, न पुरानी स्मृति को बचाए रखने की क्षमता रही।
2. भय मुक्त, आक्रामकता खत्म, किसी बात से क्रोध नहीं आता (Docility)
3. हर चीज को मुँह में रखना, चख कर देखना (Hyperorality)
4. अत्यधिक कामोत्तेजना, कामातुरता, असंयमित व अस्वाभाविक काम प्रवृति, – नर, मादा, पशु या वस्तु के साथ – कामांधता (Hypersexuality) देखकर किसी चीज को पहचानने की क्षमता खत्म (Visual agnosia)

मनुष्य में भी जब ऐमिग्डेलॉइड केन्द्रक और उसके निकटस्थ भागों को नष्ट किया गया (आवश्यक शल्य क्रिया द्वारा) या वे स्वत: रोग से क्षतिग्रस्त हो नष्ट हुए तो वह भयमुक्त, क्रोधविहीन और आक्रामक यौनक्रिया प्रवृत और भावशून्य हो गया। उसकी तत्कालीन स्मृति लोप हो गयी। भय, क्रोध और यौन क्रिया नियन्त्रक केन्द्रक के नष्ट होने से क्लूवर–बूसी सिंड्रोम के विलक्षण लक्षण व्यक्त हुए।

एक समय था जब भयंकर रूप से उग्र और आक्रामक पागलों में मस्तिष्क के अग्र भाग का फ्रंटल लोबेक्टोमी आपरेशन किया जाता था। पागल, जिसे काबू करना असंभव होता था, आपरेशन के बाद गाय सा सीधा मोम की मूरत बन जाता था।

–डॉ. श्रीगोपाल काबरा,
वरिष्ठ चिकित्सक, जयपुर

फर्जी दस्तावेज से गरीब दलित महिलाओं की लाखों की भूमि हड़पी

मामला दर्ज होने के बाद नामान्तरण के निर्णय को रोकने के निर्देश

मांडलगढ़, (निसं)। उपखंड क्षेत्र मालका खेडा में तीन वृद्ध दलित महिलाओं के साथ खेती की जमीन से धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया हैं। इन बेबस महिलाओं को अपनी आजीविका की जमीन हड़पने की खबर मिली तो पैरों तले जमीन खिसक गई और रोने बिलखने लगी। इस मामले में तीनों महिलाओं ने आरोपी गिरोह के खिलाफ काछोला थाने में मामला दर्ज कराया हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही हैं। मांडलगढ़ के मालका खेड़ा पंचायत के भट खेड़ी गांव की रहने वाली एक ही परिवार की तीन पीडित महिलाएं हैं।

जिसमे 80 साल की विधवा बरजी देवी पत्नी भूराभील, राजी देवी पत्नी कल्याण भील 75 साल और पानी देवी पत्नी देबीलाल भील 36 साल की हैं। इन तीनों महिलाओं के खेती की जमीन में बरजी देवी की आराजी नम्बर 3–4–5–6/2 रकबा 2.6385 हेक्टेयर, राजिदेवी की आराजी नम्बर 236/164 रकबा 0.8094 हेक्टेयर, व पानी देवी की आराजी नम्बर 235/164 0.8094 हेक्टेयर की लाखों की कीमत भूमि को भूमाफिया गिरोह ने तथाकथित महिलाओं की आड में फर्जी दस्तावेज तैयार कर तहसील कार्यालय काछोला से फर्जी रजिस्ट्री करा अपने नाम करा ली ओर पटवारी ने तत्काल नामांतरण भी राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज कर लिया।

मांडलगढ़ के मालका खेड़ा पटवार मण्डल में तीन बुजुर्ग दलित महिलाओं की खेती की जमीन को फर्जी तरीके से भूमाफिया ने हड़प लिया।

इस पूरे खेल में भूमाफिया गिरोह के साथ मालका खेड़ा के पटवारी बाबूलाल मीणा, एक वकील परमेश्वर धाकड़ की संदिग्ध भूमिका सामने आई हैं। मामले में पीड़ित महिलाओं ने भूमि खरीददार जसवीर पिता किशोर मीणा निवासी श्रीनगर तहसील बूंदी, हरनाथ पिता सुरजा मीणा निवासी लक्ष्मीपुरा तहसील मांडलगढ़ तथा भूमि विक्रय करने वाली कथित महिलाओं में बरजी देवी भील, राजी देवी भील, पानी देवी भील व रजिस्ट्री में गवाह बने आधा दर्जन भूमाफिया गिरोह के सदस्यों के खिलाफ थाने में मामला दर्ज किया गया हैं।

गौरतलब है कि पानीदेवी की रजिस्ट्री में तो इसकी माता बरजी देवी की उम्र 40 साल, वहीं बेटी पानी देवी की उम्र 53 साल अंकित मिली हैं। यानी माता की उम्र से बेटी 13 साल अधिक हैं। इन पीड़ित महिलाओं की खेती की जमीन छिन जाने पर तीनों महिलाएं पुलिस थाने में फरियाद लेकर न्याय की गुहार लगा रही हैं।

- **इस पूरे खेल में भूमाफिया गिरोह के साथ मालका खेड़ा के पटवारी, एक वकील की संदिग्ध भूमिका सामने आई है**

मांडलगढ पुलिस उप अधीक्षक ज्ञानेन्द्र सिंह ने बताया कि तीनों महिलाओं के साथ जमीन की हुई धोखाधडी का मामला काछोला थाने में दर्ज कर अनुसन्धान शुरू किया गया हैं। जांच में दोषी पाए जाने पर प्रकरण में लिप्त आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी होगी। मांडलगढ़ तहसीलदार नारायण प्रसाद शर्मा ने बताया कि मालका खेडा पटवार मंडल में तीन महिलाओं की खेती की भूमि को कूटरचित दस्तावेज से अन्य महिलाओं ने फर्जी रजिस्ट्री से बेचने की शिकायत मिली हैं। भूमि को फर्जी तरीके से बेचने के बाद नामान्तरण के निर्णय को रोकने के निर्देश पटवारी को दिए गए हैं और मामले की जांच की जा रही हैं।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 27 जून, 2022

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, चतुरदशी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2079, रोहिणी नक्षत्र सांय 4:02 तक, शूल योग प्रात: 6:46 तक, विष्टि करण सांय 4:39 तक, चन्द्रमा मंगलवार प्रात: 5:33 से मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–मिथुन, चन्द्रमा–वृष, मंगल–मीन, बुध–वृष, गुरू–मीन, शुक्र–वृष, शनि–कुम्भ, राहु–मेष, केतु–तुला राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से सम्पूर्ण दिन–रात रहेगा। अमृत सिद्धि योग सांय 4:02 से सूर्योदय तक है। आज भद्रा सांय 4:30 तक है। मंगल अश्विनी मेष में प्रात: 5:40 पर प्रवेश करेगा। आज मास शिवरात्रि, रोहिणी व्रत (जैन) है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 7:22 तक, शुभ 9:04 से 10:47 तक, चर 2:12 से 3:55 तक। लाभ–अमृत 3:55 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 5:39, सूर्यास्त 7:20

मेष

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन

आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। अनावश्यक धन खर्च होगा। अनगल कार्यों में समय खराब हो सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

कर्क

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों पर नियंत्रण बढ़ेगा। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी।

सिंह

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी।

कन्या

आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी।

तुला

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। व्यावसायिक अड़चने अभी यथावत बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

वृश्चिक

परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

धनु

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

मकर

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकता है। व्यावसायिक मामलों में उचित परामर्श मिलेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ

परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में ऊचित सफलता मिलेगी।

मीन

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से मनोबल बढ़ेगा और आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक चालक की मौत

करौली (निसं.)। करौली मंडरायल सडक मार्ग स्थित नींदर मोड पर शनिवार की रात एक ट्रैक्टर और मोटर साईकिल की भिडंत हो गई जिसमे मोटर साईकिल चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे करौली अस्पताल के चिकित्सको ने मृत घोषित कर रविवार को पोस्टमार्टम कर परिवार जनो के सुपुर्द कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मंडरायल करौली सड़क मार्ग पर स्थित मंडरायल के निकट नींदर मोड़ पर ट्रैक्टर से मोटरसाइकिल की भिड़ंत हो गई। मोटरसाइकिल चालक घनश्याम पुत्र सोनपाल माली गंभीर रूप से घायल हो गया जिसको उपचार के लिए मंडरायल अस्पताल पहुंचाया गया। जहां गंभीर स्थिति होने पर करौली सामान्य चिकित्सालय के लिए रैफर किया जहां पहुंचने से पूर्व ही घायल की मृत्यु हो गई। अस्पताल पहुंचने पर ड्यूटी चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल पुलिस चौकी प्रभारी महेश चंद शर्मा ने बताया कि मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए शनिवार रात्रि को मुर्दाघर में रखा गया जिसका रविवार को प्रात: पोस्टमार्टम कर शव परिवार जन को सुपुर्द कर दिया।

'ईआरसीपी पर किसी भी प्रकार की राजनीति बर्दाश्त नहीं की जाएगी'

■ पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना किसान संघर्ष समिति की ओर से हुई किसान महापंचायत

हिण्डौन सिटी/वामनवास, (निसं)। उत्तरी-पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों के किसानों ने अब एलान कर दिया है कि ईआरसीपी पर किसी भी प्रकार की राजनीति बर्दाश्त नहीं की जाएगी। केन्द्र और राज्य सरकार को बिना कोई राजनीति किए ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा देने का कार्य करना चाहिए, ताकि चंबल के पानी से सिंचाई और पेयजल की समस्या का स्थायी समाधान हो सके। किसानों ने सरकार को यह भी चेतावनी दी है कि अब चंबल के पानी में कोई देर स्वीकार नहीं होगी। किसानों ने पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना किसान संघर्ष समिति के प्रदेशाध्यक्ष रामनिवास मीना के आव्हान पर ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित कराने का संकल्प लिया है।

सवाईमाधोपुर जनपद के वामनवास उपखंड स्थित मौरा सागर बांध पर रविवार को पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना किसान संघर्ष समिति की ओर से छठवीं किसान महापंचायत आयोजित की गई। इस महापंचायत में हजारों की संख्या में उपस्थित किसानों और उत्तरी-पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों के किसान प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए संघर्ष समिति के प्रदेशाध्यक्ष भामाशाह रामनिवास मीना ने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकारों के मंत्री राजनीतिक वयानबाजी से ईआरसीपी को एक-दूसरे के पाले में फैंकने की राजनीति नहीं करें, बल्कि 13 जिले के निवासी किसानों के दर्द को समझते हुए गंभीरत से इसे राष्ट्रीय परियोजना घोषित कर शीघ्र से शीघ्र इस योजना का कार्य शुरू कराएं। उन्होंने कहा कि पेयजल और सिंचाई के अभाव में प्रदेश के 13 जिले विकास में पिछडते जा रहे हैं। पूर्वी राजस्थान में नए औद्योगिक संस्थान स्थापित नहीं हो पा रहे हैं, बल्कि पेयजल के अभाव में उद्योगों पर ताले लटकने लगे हैं। इसी तरह पूर्वी राजस्थान के निवासी किसानों की आमदनी दुगनी की बात दूर, पशु पालन एवं कृषि आधारित जीवन जीना मुश्किल होता जा रहा है। ऐसे में केन्द्र और राज्य सरकार को ईआरसीपी के मुद्दे पर गंभीरता बरतनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पश्चिमी राजस्थान में हिमालय और नर्वदा का पानी लाकर क्षेत्र को सरसब्ज किया जा सकता है तो पूर्वी राजस्थान के 13 जिले सूखाग्रस्त क्यों है। प्रदेश की 41 प्रतिशत जनता इसी उत्तरी- पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों में निवास करती है। इन जिलों के आमजन सरकार से चंबल से व्यर्थ बहकर जाने वाले पानी को नहरों के माध्यम से लाने की मांग कर रहा है। इसे सरकार को गंभीरता से लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार 13 जिलों के साथ दोगला व्यवहार नहीं करें। आगामी चुनाव आने वाले हैं। इसे देखते हुए सरकार को आमजन की गुस्सा को अभी से परख लेना चाहिए।

प्रदेशाध्यक्ष रामनिवास मीना ने कहा कि नहरों के माध्यम से चंबल का पानी ही 13 जिलों के निवासी लोगों को नया जीवन प्रदान कर सकता है। उन्होंने इसके लिए किसानों के जागरूक एवं एकजुट होने का आव्हान किया। मीना ने कहा कि राजनीति कर रहे सरकार के प्रतिनिधियों को किसानों को अपनी ताकत दिखानी चाहिए। क्षेत्र में जब भी किसी भी दल का मंत्री, विधायक अथवा कोई नेता आए तो उससे हाथ जोडकर ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने का आग्रह करते हुए उनकी कार्यप्रणाली पर सवाल पूछे जाने चाहिए। प्रदेशाध्यक्ष रामनिवास मीना के आव्हान पर किसानों ने हाथ खडे कर ईआरसीपी के प्रति एकजुटता का संकल्प लिया और विश्वास दिलाया कि चंबल का पानी आने तक अब वे चैन से नहीं बैठेंगे।

किसान महापंचायत में कहा गया कि ईआरसीपी को अगर राष्ट्रीय परियोजना नहीं बनाया जाता है तो पूर्वी राजस्थान को अलग से राज्य बना देना चाहिए। महापंचायत में किसान संघर्ष समिति के प्रदेश संयोजक अमर सिंह नीमरोठ ने कहा कि सरकार चाहे किसी भी दल की हो, पूर्वी राजस्थान के साथ सदैव अन्याय होता आया है। अब इस अन्याय को ज्यादा दिन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार अगर ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा नहीं देती है, तो पूर्वी राजस्थान को अलग से राज्य बना दिया जाए। उन्होंने भाजपा और कांग्रेस के नेताओं पर ईआरसीपी के मुद्दे पर किसानों को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए कहा कि ऐसे नेता जनसभा बुला रहे हैं, जिन्हें जनसभा की नहीं, बल्कि ईआरसीपी की पत्रावली पर हस्ताक्षर करने की जरूरत है। महापंचायत में रिटायर्ड आईएएस पीडी मीना और रिटायर्ड आईएएस प्रेमचंद मीना ने किसानों को संबोधित किया।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत

■ दहेज हत्या का पीहर पक्ष ने मुकदमा कराया दर्ज

बामनवास, (निसं)। थाना क्षेत्र के भावरा ग्राम में रविवार को विषाक्त पीने के बाद संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत के बाद विवाहिता के परिजनों पीहर पक्ष द्वारा ससुराल पक्ष पर दहेज हत्या का मामला दर्ज कराया है।

मामले को लेकर थाना अधिकारी बृजेश कुमार मीणा ने बताया कि विवाहिता की मौत की सूचना के बाद थाना पुलिस मौके पर पहुंची एवं शव को कब्जे में लिया इसके बाद पुलिस द्वारा शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बामनवास मोर्चरी लाकर रखवाया गया। इसके बाद मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया। पूरे मामले को लेकर ग्राम सैमाडा थाना क्षेत्र पीलोदा जिला सवाई माधोपुर निवासी मृतका विवाहिता के भाई ने आरोप लगाते हुए कहा कि विवाहिता का पति पूरी तरह शराबी था। शादी को करीब तीन साल हो गए हैं। उसकी बहन का पति विवाह के बाद से ही आदतन शराबी होने के कारण उसकी बहिन को प्रताड़ित करता रहता था। जहां उसकी बहन द्वारा तंग आकर विषाक्त पीकर खुद की जीवन लीला को समाप्त कर लिया। थानाधिकारी बृजेश मीणा ने पूरे मामले को लेकर बताया कि विवाहिता की मौत को लेकर मृतक विवाहिता के भाई द्वारा मृतक विवाहिता के ससुराल पक्ष के चार पांच लोगों के खिलाफ दहेज हत्या का मामला दर्ज कराया है। थाना अधिकारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया जांच करने पर पाया गया कि मृतक विवाहिता मेहंदी बनाने संबंधी कार्य किया करती थी एवं मेहंदी को रचाने के लिए मेहंदी में मिलाए जाने वाला केमिकल विवाहिता द्वारा पीये जाना सामने आ रहा है। वहीं पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। मृतका विवाहिता के शव का पोस्टमार्टम करने वाले चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि मृतक विवाहिता द्वारा ऐसा पदार्थ किया गया था जिससे उसका मुंह अंदर से जला हुआ दिखाई दे रहा है। मृतक विवाहिता द्वारा किस तरह का पदार्थ किया गया है यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल पाएगा।

हथियार सहित युवक गिरफ्तार

करौली (निसं.)। करौली कोतवाली थाना पुलिस ने कार्यवाही करते हुए किसी वारदात करने की फिराक में घूम रहे एक युवक को धारदार चाकू के साथ गिरफ्तार किया है।

कोतवाली थाना अधिकारी दिनेश चंद मीणा ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह इंदौलिया के निर्देशन में चलाए जा रहे विशेष धरपकड़ अभियान के तहत पुलिस ने कार्यवाही करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि कोतवाली थाना टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर हाथीघटा पर बड़ी वारदात करने की फिराक में घूम रहे युवक अशोक पुत्र कमर पाल माली 25 निवासी करसाई बामनपुरा को घेर कर हाथीघटा से गिरफ्तार किया गया और उसके कब्जे से एक तेज धार वाला चाकू जप्त किया गया जिससे वह किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में घूम रहा था। इसके अलावा थाने के सब उप निरीक्षक रामसिंह ने पुलिस जाब्ते की मदद से रवि कुमार पुत्र धन सिंह माली 20 निवासी गदका की चौकी करौली को अवैध शराब सहित गिरफ्तार किया।

वन भूमि में होकर जबरन सड़क निकालने पर मामला दर्ज

■ वन क्षेत्र में अवाछित गतिविधियों के बढ़ रहे मामले

बामनवास, (निसं)। उपखंड स्थित वन क्षेत्र में अवांछित गतिविधियों एवं अवैध खनन सहित वन कर्मियों द्वारा रोकने के प्रयास के बाद उन पर होने वाले हमले एवं मुंहजोरी के मामले बढ़ते नजर आ रहे हैं। अब अगर वन विभाग अवैध खनन या फिर होने क्षेत्र में हो रही अवैध गतिविधियों को रोकने का प्रयास करता है तो उन पर सामूहिक जानलेवा हमला सहित सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने से भी ग्रामीण परहेज नहीं कर रहे हैं। ग्राम पंचायत डूंगरवाडा के गांव गोठ सीकरोड़ी में वन विभाग की भूमि में होकर जबरन सड़क निकालने पर जिला परिषद सदस्य के पति सहित करीब 5 जनों के खिलाफ वन विभाग द्वारा पुलिस में मामला दर्ज कराया गया है। वन विभाग के रेंजर दीपक शर्मा ने बताया कि शुक्रवार को ग्राम गोठ सीकरोड़ी में पहाड़ काटकर वन विभाग की भूमि में होकर जिला परिषद सदस्य पति प्यारेलाल मीणा व उनके समर्थकों द्वारा जबरन सड़क निकाली जा रही थी। इस कार्य के लिए उनके द्वारा एक एलएनटी मशीन का उपयोग किया जा रहा था। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। टीम द्वारा मौके पर एलएनटी एवं दस चक्का ट्रेलर को जब्त कर लिया गया। लेकिन मौके पर उनके समर्थकों द्वारा वन विभाग के कर्मचारियों से अभद्रता एवं छीना झपटी कर एलएनटी एवं ट्रेलर को छुड़ा लिया गया। जिस पर राजस्थान वन अधिनियम की धारा के तहत वन विभाग द्वारा मुकदमा दर्ज किया गया है। वहीं शनिवार को इस संबंध में बामनवास पुलिस थाने में जिला परिषद सदस्य पति प्यारेलाल मीणा सहित करीब चार-पांच जनों के खिलाफ राजकार्य में बाधा पहुंचाने चोरी एवं सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का मामला दर्ज कराया गया है।

पीडब्ल्यूडी सहायक अभियंता के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज

■ दलित महिला ने मारपीट व बेअदब करने का लगाया आरोप

वैर, (निसं)। पुलिस महानिरीक्षक के निर्देश पर पुलिस थाना वैर में पीडब्ल्यूडी सहायक अभियंता के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है जिसमें एक महिला ने सहायक अभियंता पर गरीब महिला को जान से मारने की धमकी देने, जाति सूचक शब्दों से अपमानित करने का आरोप लगाया है।

पुलिस थाना वैर इलाके के एक गांव की दलित महिला ने पी डब्लू डी सहायक अभियन्ता वैर गोविंद पुत्र गणेश निवासी जगजीवनपुर द्वारा दलित गरीब महिला की जान से धमकी देने, नाजायज रूप से परेशान किए जाने पर पुलिस महानिरीक्षक से एफआईआर दर्ज कराने की मांग की। जिस पर पुलिस थाना वैर में मामला दर्ज कराया गया है। रिपोर्ट में पीड़िता ने बताया है कि सहायक अभियंता गोविंद पुत्र गणेश निवासी जगजीवनपुर पीडब्ल्यूडी द्वारा नाजायज रूप से परेशान किया जा रहा है उसे सहायक अभियंता द्वारा कहा जाता है कि इस आबादी में स्थित उसके मकान में हो करके रास्ता निकलेगा जबकि उक्त मकान करीब 20 वर्ष पूर्व से निर्मित है जिसमें इंदिरा आवास के द्वारा पीड़िता के पिताजी को आर्थिक सहायता मिली थी। विभाग द्वारा पूर्ण जांच कराने के उपरांत उक्त आर्थिक सहायता मिली थी जिसके द्वारा पिताजी ने उस मकान को निर्मित करवाया था मकान में प्रार्थी अपने परिवार सहित निवास कर रही है।

7 जून 2022 को समय दोपहर ढाई बजे सहायक अभियंता आया और मकान पर आकर के फीता लगाने लगा। मना करने तो गाली गलौज पर उतर आया और पीड़िता के साथ मारपीट कर दी। बालों को पकड़कर खींच लिया और उसे बे अदब कर दिया। चिल्लाने की आवाज सुनकर बचाने आए अन्य लोगों के साथ भी मारपीट की और धमकी दी। पीड़िता का रिपोर्ट में कहना है की उसका पति जयपुर में मजदूरी का कार्य करता है। और वह अपने बच्चे सहित अपने गांव में निवास कर जीवन यापन कर रही है। पीड़िता पुलिस थाना वैर में मामला दर्ज कराने आई तो पीड़िता की कोई सुनवाई नहीं की और कहा कि उच्च अधिकारियों से आदेश लाकर देने की बात कही की हम इसमें कुछ नहीं कर सकते मामला गंभीर है। तब पीड़िता ने पुलिस महानिरीक्षक से जानमाल की रक्षा करने के साथ आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्यवाही करने तथा पीड़िता का मेडिकल करवाने की मांग की। जिस पर पुलिस महानिरीक्षक के निर्देश पर पुलिस थाना वैर में मामला दर्ज किया है। इस मामले को लेकर मोबाइल फोन से सहायक अभियंता पीडब्ल्यूडी गोविंद मीणा से संपर्क करने का प्रयास किया गया जो नहीं हुआ।

श्यामपुर मूंडरी में आयोजित कन्हैया दंगल पर झूमे श्रोता

■ कन्हैया दंगल में धार्मिक रचनाओं पर महाभारत, रामायण, श्रीकृष्ण की लीला शिवपुराण आदि शास्त्रों में वर्णित कथाओं को अपनी भाषा में गीतों के माध्यम से ढोल और चक की थाप पर लोगों को सुनाते हैं

हिण्डौन सिटी (का.सं.)। पूर्वी राजस्थान के ग्रामीणों इलाकों में पुरानी परंपरा को जीवंत रखने के लिए गांव-गांव में धार्मिक पद, दंगल और कीर्तन के कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। रविवार को गांव श्यामपुर मूंडरी में आयोजित कन्हैया दंगल में श्रोता उमड़ पड़े और झूम उठे। श्यामपुर मुंडरी के ग्रामीण अमर सिंह पटेल, रतन मेडीया, श्यामसुंदर मीणा ने बताया कि ग्रामीणों की ओर से रविवार को उपखंड क्षेत्र के समीप गांव श्यामपुर मूंडरी में कन्हैया दंगल का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न धार्मिक रचनाओं के गीतों पर श्रोता झूम उठे और जमकर आनंद लिया।

कथाओं का गीतों में वर्णन धार्मिक कन्हैया दंगल में शास्त्रों के आधार पर वर्णित कथाओं का वर्णन लोगों को गीतों के माध्यम से किया जाता है। इन माध्यमों से ग्रामीणों अपनी परंपरा को कायम किए हुए हैं। कन्हैया दंगल मे धार्मिक रचनाओं पर महाभारत, रामायण, श्रीकृष्ण की लीला शिवपुराण आदि शास्त्रों में वर्णित कथाओं को अपनी भाषा में गीतों के माध्यम से ढोल और चक की थाप पर लोगों को सुनाते हैं। जिससे लोग आनंद विभोर होकर अपनी परंपरा को कायम किए हुए हैं। गांव के लोगों ने किया सम्मानित रविवार को कन्हैया दंगल में ब्रह्मबाद, गनीपुर, आमबाडा, की पार्टियों ने विभिन्न धार्मिक रचना पर कन्हैया गीतों की प्रस्तुति दी। कन्हैया दंगल में आसपास के दर्जनों गांवों के ग्रामीणों ने कन्हैया गीतों का आनंद लिया। कन्हैया दंगल कार्यक्रम में अलग-अलग गांवों की टीमों द्वारा पद दंगल गायन का आयोजन किया जाता है। जिसमें पद दंगल गायन के माध्यम से प्रतियोगिता आयोजित होती हैं। जिसमें सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर कार्यक्रम ग्राम वासियों की तरफ से सम्मानित भी किया जाता है। लोगों ने किया स्वागत सत्कार इस दौरान ग्रामीण हरज्ञान, शरवन लाल, सोमोस्या पटेल, शिवराम पटेल, जगदीश अमर सिंह, रतन मीडिया, जोहरी लाल, श्याम सुंदर सहित युवा मंडल ने कन्हैया दंगल में मौजूद लोगों को स्वागत सत्कार किया।

कांग्रेसी हिण्डौन में आज करेंगे सत्याग्रह

हिण्डौन, (निसं)। सोमवार को सुबह 10 बजे से 1 तक हिण्डौन सिटी विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेसजनोँ द्वारा बस स्टैंड के पास स्थित नेहरू पार्क में सत्याग्रह का आयोजन किया जाएगा।

पूर्व उपसभापति नफीस अहमद ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार केंद्र की मोदी सरकार द्वारा तानाशाही करते हुए संवैधानिक संस्थाओं जैसे ई.डी. व सीबीआई का दुरुपयोग तथा भारतीय सेना को कमजोर करने वाली व भारतीय सेना में जाने के इच्छुक युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाली अग्निपथ योजना के विरोध में कल सोमवार को हिंडौन विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस जनों की ओर से शांतिपूर्ण सत्याग्रह का आयोजन किया जा रहा है। नगा परिषद के पूर्व उपसभापति व कंग्रेसी नेता नफीस अहमद ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में विधायक भरोसीलाल जाटव, नगरपरिषद सभापति बृजेश जाटव, हिण्डौन पंचायत समिति प्रधान विनोद कुमार,श्री महावीर जी पंचायत समिति प्रधान राजेश कुमारी, निवर्तमान जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश मामू,इस कार्यक्रम के लिए पीसीसी की ओर से नियुक्त को कॉर्डिनेटर कमल नगर परिषद के उपसभापति, पंचायत समिति के उपप्रधान,पार्टी के के सभी पूर्व सभापति,उपसभापति प्रधान,उप प्रधान ,पी सी सी व डी सी सी के पदाधिकारीगण, निवर्तमान ब्लॉक अध्यक्ष, सेवादल,युवा कांग्रेस, एन एस यू आई व महिला कांग्रेस अग्रिम संगठनों के पदाधिकारी गण,जिला परिषद सदस्य,पंचायत समिति सदस्य, कांग्रेस प्रत्याशी, नगरपरिषद पार्षद, पूर्व पार्षद, पार्टी प्रत्याशी, ब्लॉक कांग्रेस के पदाधिकारी गण, कांग्रेस विचारधारा समर्थित समस्त सरपंच गण, समस्त वार्ड वार्ड पंच तथा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को सत्याग्रह कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है।

जन्मदिन पर भोजन कराया

रूपवास (नि.सं.)। कस्बे में गांधी पार्क पर प्रधान प्रतिनिधि नवलकिशोर गुर्जर उर्फ राजू रसीलपुर का जन्मदिन मनाया गया। इस दौरान सैकड़ों गरीब लोगों को इंदिरा रसोई पर भोजन कराया गया।

वृद्ध दम्पति के साथ मारपीट का विरोध

टोडाभीम (निसं)। भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष रवीना प्रेमराज ने कमालपुरा में वृद्ध दंपत्ति के साथ पुलिस द्वारा की गई मारपीट को लेकर विरोध जताया है शहर मंडल अध्यक्ष के द्वारा दोषी पुलिसकर्मियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने की मांग की गई। इसके साथ ही पुलिस एवं प्रशासन से पीड़ित परिवार को उनकी मांग पर न्याय दिलाने की मांग की गई है।

भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष रवीना प्रेम राज ने बताया कि टोडाभीम के गांव कमालपुरा में जिस तरह से मानवीय संवेदना को तार-तार करने की घटना सामने आई है पुलिस द्वारा निर्दोष वृद्ध दंपत्ति को बेवजह मारपीट कर चोटिल करना हाथ पैरों में फैक्चर आना यह सब पुलिस की तानाशाही है।

उन्होंने कहा कि चाहे अपराधी कितना ही बड़ा क्यों ना हो लेकिन उसे गिरफ्तार करने के लिए उसके पास अरेस्ट वारंट या फिर घर में घुसने के लिए सर्च वारंट की जरूरत होती है। लेकिन बालघाट पुलिस के द्वारा राठौड़ी करते हुए नियम कायदों को ताक में रखकर वृद्ध दंपत्ति के साथ जो अमानवीय घटना की गई हैं।

मंडल अध्यक्ष के द्वारा उपखंड प्रशासन सहित जिला प्रशासन और सरकार के नुमाइंदे तत्परता दिखाते हुए पीडित व्यक्तियों की मांग पर उचित कार्रवाई करें अन्यथा सरकार और प्रशासन के विरोध में भाजपा कार्यकर्ताओं के द्वारा उपखंड मुख्यालय और जिला स्तर पर बड़ी संख्या में लोगों के साथ धरना प्रदर्शन किया जाएगा। ऐसे में अगर कानून व्यवस्था खराब होती है तो उसकी समस्त जिम्मेदारी पुलिस एवं प्रशासन की होगी।

मौसम बदलने से बच्चों में बढ़ी बीमारियां

■ एक बेड पर 5 से ज्यादा बच्चे भर्ती

हिण्डौन सिटी (का.सं.)। पिछले दिनों आई बरसात के बाद मौसम अचानक से बदल गया। जिससे बच्चों में मौसमी बीमारी लगातार बढ़ रही है। बच्चे बुखार, खांसी, जुकाम, पेट में दर्द, उल्टी, दस्त, डायरिया, वायरल सहित डेंगू जैसी बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। शिशु रोग विशेषज्ञों ने भी इस पर चिंता जताई है। डॉक्टरों ने बच्चों की उचित देखभाल करने के लिए अभिभावकों को दी है।

जिला अस्पताल हिंडौन में लगभग 35 बेड का शिशु वार्ड है। जिसमें पिछले 3 महीनों से लगातार एक बेड पर 5 से 6 बच्चों का इलाज किया जा रहा है। बच्चों की बढ़ती बीमारियों से चिकित्सा विभाग और बच्चों के पेरेंट्स की चिंताएं लगातार बढ़ रही हैं। जिला चिकित्सा प्रशासन के डॉक्टरों द्वारा बच्चों की उचित देखभाल के लिए पेरेंट्स को परामर्श दिया जा रहा है। जिससे बच्चों की जान बचाई जा सके। पिछले 3 महीनों का रिकॉर्ड जिला अस्पताल शिशु वार्ड का पिछले 3 महिनों में जिला अस्पताल हिंडोन में मार्च महीने में 0 से 14 साल के 11 हजार 528 बच्चों का इलाज किया गया। जिनमें से 2198 बच्चों को भर्ती किया गया। वहीं 120 बच्चों को रैफर कर दिया गया।इसी तरह अप्रैल महीने में 14 हजार 843 बच्चों का इलाज किया गया। जिनमें से 3024 बच्चों को भर्ती किया गया। वहीं 95 बच्चों को रेफर कर दिया गया। वहीं मई माह में 15 हजार 396 बच्चों को इलाज दिया गया। और 3208 बच्चों को भर्ती कर 138 बच्चों को रैफर कर दिया गया। जून में भी प्रतिदिन 100 से अधिक बच्चों की ओपीडी बढ़ रही है। विभाग के पास मौजूद सेवाओं से डॉक्टर व चिकित्सा कर्मी बच्चों का इलाज कर रहे हैं। जिला अस्पताल हिंडौन में लगभग 35 बेड का शिशु वार्ड स्थापित है। मौसम परिवर्तन के कारण बच्चे अधिक बीमार हो रहे हैं। इस कारण डॉक्टर और चिकित्सा कर्मियों को एक बेड पर 5 से अधिक बच्चों को इलाज दिया जा रहा है। जिला अस्पताल हिंडौन के पीएमओ डॉ नमोनारायण मीणा ने बताया कि बदलते मौसम के कारण बच्चों में बीमारियां बढ़ रही है। जिससे अस्पताल की ओपीडी बढ़ रही है। शिशु वार्ड में बेडों की संख्या बढ़ाने के लिए उच्चाधिकारियों को प्रस्ताव भेजा जा चुका है। जल्द ही इस समस्या का हल किया जाएगा।

सार-समाचार

ट्रेन के आगे कूदकर महिला ने जान दी

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर के सेवर थाना इलाके में मुरबारा फाटक के पास एक महिला ने ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली, बताया जा रहा है कि महिला मानसिक रूप से बीमार थी। वह पहले भी कई बार आत्महत्या की कोशिश कर चुकी है, लेकिन आज वह घर से दोपहर में निकल आई और जनशताब्दी एक्सप्रेस के आगे कूद गई जिससे महिला की मौके पर ही मौत हो गई। महिला के शव को स्थानीय लोगों ने पटरियों के पास पड़ा देखा तो उन्होंने सेवर थाना पुलिस को घटना की सूचना दी। कुछ देर बाद महिला के परिजन भी उसे ढूंढते हुए रेलवे लाइन के पास पहुंचे, महिला ये शव की तुरंत शिनाख्त हो गई। महिला के परिजनों ने बताया महिला शशि उम्र 35 साल दिमागी रूप से बीमार थी। वह जिसका इलाज चल रहा था। वह पहले भी कई बार आत्महत्या के लिए रेलवे की पटरियों पर भाग चुकी है लेकिन परिजन उसे पकड़ लाए आज फिर से वह दोपहर में घर से निकल आई जब तक उसके परिजन उसे बचाते तब तक उसने ट्रेन के आगे कूद कर जान दे दी। घटना के बाद सेवर थाना पुलिस ने शव को आरबीएम अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया और शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है।

परीक्षाओं की तैयारियां पूर्ण

भरतपुर, (निसं) । राजस्थान राज्य कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा आगामी 28 जून से शुरू होने वाली प्रयोगशाला सहायक संयुक्त सीधी भर्ती परीक्षा की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और सभी परीक्षा प्रबंधकों को आवश्यक निर्देश भी जारी कर दिये हैं। अतिरिक्त कलक्टर प्रशासन बीना महावर ने बताया कि प्रयोगशाला (विज्ञान) सीधी भर्ती परीक्षा 28 व 29 जून को दो चरणों में होगी । प्रथम चरण में पेपर प्रथम प्रात: 10 बजे से और द्वितीय प्रश्न पत्र दोपहर 2.30 बजे से होगा जबकि द्वितीय चरण का प्रथम प्रश्न पत्र 29 जून को प्रात: 10 बजे से और द्वितीय प्रश्न पत्र दोपहर 2.30 बजे से होगा। इसी प्रकार प्रयोगशाला भूगोल संयुक्त सीधी भर्ती परीक्षा 30 जून को प्रात: 9.30 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक होगी जबकि प्रयोगशाला सहायक (गृह विज्ञान) संयुक्त सीधी भर्ती परीक्षा 30 जून को दोपहर 3 बजे से सांय 6 बजे तक होगी। उन्होंने बताया कि परीक्षा के प्रवेश पत्र बोर्ड की बेबसाईट से डाउनलोड किये जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि परीक्षार्थियों को निर्धारित ड्रेस कोड में आना अनिवार्य है तथा सभी परीक्षार्थियों को मास्क लगाकर आना होगा। ड्रेस कोड की जानकारी बोर्ड की बेबसाईट पर दी गई है।

सीएलजी की बैठक में बताई समस्याएं

वैर, (निसं)। पुलिस थाना परिसर में सीएलजी की बैठक का आयोजन हुआ जिसकी अध्यक्षता तहसीलदार भोलाराम वैरवा ने की तथा थानाधिकारी सुमेर सिंह मौजूद रहे। सभी सीएलजी सदस्य आए सभी ने अपने अपने क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराया। सदस्यों ने भुसावर रोड स्थित पेट्रोल पंप को लेकर शिकायत करते हुए बताया कि पेट्रोल पंप पर तोल में कम मात्रा में पेट्रोल दिया जा रहा है तथा पेट्रोल में भी मिलावट की जा रही है। सदस्यों द्वारा बताई गई समस्याओं का शीघ्र ही निस्तारण करने का आश्वासन दिया गया। सीएलजी सदस्यों से कहा गया कि वे अपने अपने क्षेत्र के लोगो को सोशल मीडिया से अधिक से अधिक जोड़े और राजस्थान पुलिस फेसबुक पेज और ट्विटर हैंडल से जोड़े जिससे लोगो में जागरूकता आए और क्षेत्रों में शांति व्यवस्था कायम रख सकें।

अश्लील हरकतें करने का आरोप लगाया

बयाना, (निसं)। बयाना पुलिस कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी विवाहिता महिला ने अपने ही देवर पर आपत्तिजनक व अश्लील हरकतें करने और धमकाने के आरोप लगाते हुए पुलिस को लिखित शिकायत देकर सुरक्षा की गुहार लगाई है। पीड़ित महिला ने पुलिस को बताया है कि उसका पति गांव से बाहर दूर शहर में मजदूरी करता है। उसे घर पर अकेला देख उसका देवर रोहताष उसके साथ अश्लील व आपत्तिजनक हरकतें करता है पिछले 3 दिनों से तो उसे ज्यादा ही परेशान कर रहा है रोकने टोकने पर जबरन दुष्कर्म करने वाह जान से मारने की धमकियां देता है। पुलिस ने पीड़िता की गुहार पर आरोपी के विरुद्ध जांच कार्रवाई शुरू करते हुए उसकी तलाश शुरू की है।

मृतका के आश्रित को सहायता स्वीकृत

करौली, (निसं)। जिला कलेक्टर अंकित कुमार सिंह ने बताया कि श्रीमति क्षिप्रा शर्मा पत्नी मनीष शर्मा निवासी तांबे की टोरी तहसील करौली के 9 दिसम्बर 2021 को सडक दुर्घटना में मृत्यु हो जाने पर एवं तहसीलदार करौली की रिपोर्ट के आधार पर परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण मुख्यमंत्री सहायता कोष से एक लाख रूपये की आर्थिक सहायता मृतका की पुत्री मिशिका को स्वीकृत किये है। वही रामा देवी पत्नी चरण सिंह निवासी जगनपुरा हजरिया की कोठी वार्ड नम्बर 44 तहसील हिण्डौन के 13 अप्रेल को सडक दुर्घटना में मृत्यु हो जाने पर मुख्यमंत्री सहायता कोष से एक लाख रूपये की आर्थिक सहायता मृतका के पति चरण सिंह को स्वीकृत किये है।

गौरव चौधरी प्रदेश महामंत्री नियुक्त

हिण्डौन सिटी (का.सं.)। शहर निवासी गौरव चौधरी को महाराजा सूरजमल सेना युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया है। महाराजा सूरजमल सेना के युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष करतार सिंह चौधरी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया है कि शहर के मोहन नगर निवासी गौरव चौधरी को संगठन के युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई है। साथियों ने संगठन की विचारधाराओं के अनुसार पूरी सक्रियता से संगठन हित में कार्य करने के निर्देश दिए हैं । इधर चौधरी की नियुक्ति पर समाज का यह जो युवाओं ने हर जताते हो बधाई दी है।

खाईवाली करते एक जने को पकड़ा

बयाना, (निसं)। बयाना कोतवाली पुलिस की ओर से बीती रात्रि को मुखबिर की सूचना पर बयाना के भीमनगर के पास में कार्यवाही कर एक जने को सट्टे की खाई वाली करते रंगे हाथ गिरफ्तार कर उसके कब्जे से सट्टे के290 रुपए नगद व सट्टा उपकरण आदि बरामद किए हैं। पुलिस एएसआई साहब सिंह ने बताया कार्रवाई के दौरान कस्बे के भीमनगर पहरिया निवासी राजीव जाटव पुत्र मोहनलाल को सट्टे की खाई वाली करते रंगे हाथ गिरफ्तार कर उसके कब्जे से सट्टे के 290 रुपए नगद व सट्टा उपकरण आदि बरामद कर विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

कांग्रेस का धरना प्रदर्शन आज

करौली, (निसं)। अग्निपथ योजना के विरोध मे आज सोमवार को कलेक्ट्रेट के सामने स्थानीय विधायक के नेतृत्व मे धरना प्रदर्शन किया जायेगा। fरौली विधायक लाखन सिह मीणा के निजी सचिव ने बताया की आज सोमवार को प्रात: 10 से दोपहर 2.बजे तक करौली विधायक लाखन सिंह कटकड़ के नेर्तत्व में युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ से न्याय दिलाने के लिए अग्निपथ योजना के विरोध मे करौली कलेक्ट्री के गेट पर शांतिपूर्ण सत्यगाह किया जायेगा। इस अवसर पर उन्होने अधिक से अधिक संख्या में लोगो से कार्यक्रम मे आने की अपील की है।

दिनेश सैनी ने दिया इस्तीफा

हिण्डौन सिटी (का.सं.)। सैनी समाज करौली जिला उपाध्यक्ष दिनेश चंद सैनी ने अपने पद से स्तीफा दे दिया है। उन्होंने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि करौली सैनी समाज जिला अध्यक्ष से वे हजस काम के लिए कहते है तो उस बात को सिरे से खरिज कर दिया जाता है। उनका कहना है कि ऐसी कार्यकारिणी में रहने से क्या फायदा जब समाज का कोई काम नहीं हो सके। इसलिए में इन बातों से आहत होकर वे अपने पद से स्तीफा दे रहें है।

विवाहिता से सास ने की मारपीट

बयाना, (निसं)। बयाना कोतवाली क्षेत्र के गांव नगला छीपी निवासी एक विवाहिता महिला ने अपनी ही सासु के विरुद्ध उसके साथ मारपीट का आरोप लगाते हुए पुलिस से शिकायत की है। पीड़िता विमलेश कुमारी पत्नी मुखन सिंह ने पुलिस को दी लिखित शिकायत में बताया है कि जब उसने अपनी सास से अपने जेवर मांगे तो उसने उससे डंडे से मारपीट की वह ससुर ने भी उसका साथ दिया। पुलिस को लिखित रिपोर्ट देने के बाद अब महिला अस्पताल में अपना इलाज करवा रही है। वही पुलिस के अनुसार पीड़िता का परिवाद दर्ज कर जांच की जा रही है।

सिंचाई एवं पेयजल के लिये अनुपयोगी साबित हो रहा राजधानी का दूसरा सबसे बड़ा बांध

सिंचाई के लिए बनी नहरों में पानी न छोड़े जाने से नहरों के आसपास गांवों में सिंचाई लुप्त होने के कगार पर है

बस्सी, (निसं)। राजधानी जयपुर के निकट रामगढ़ बांध के बाद दूसरे सबसे बड़े कानोता बांध को जिस उद्देश्य के लिए बनाया गया था आज वह उद्देश्य पूरी तरह मर चुका है।

वर्ष 2000 में 17 फीट गहराई, 2.59 किलोमीटर लंबाई, 402 वर्गमीटर कैचमेंट एरिया में 14.15 एमसीएम भराव क्षमता वाले कानोता बांध का निर्माण आसपास के क्षेत्र में पीने के पानी एवं सिंचाई की आपूर्ति के लिए करवाया गया था लेकिन आज कानोता बांध में भराव क्षमता के मुताबिक पानी तो भरा है लेकिन वह बांध और उसमें भरा पानी जनता के किसी काम नहीं आ रहा सिवाय मछलीपालन एवं मूर्ति विसर्जन के।

कानोता बांध को जिस उद्देश्य के लिए बनाया गया था आज वह उद्देश्य पूरी तरह मर चुका है।

- कानोता बांध के पानी को ढूंढ नदी में छोड़ दिया जाए तो मिल सकता है नया जीवनः बस्सी विधायक लक्ष्मण मीना
- 17 फीट गहराई, 2.59 किमी. लंबाई, 402 वर्गमीटर कैचमेंट एरिया में 14.15 एमसीएम भराव क्षमता वाले इस बांध का निर्माण वर्ष 2000 में हुआ था
- जयपुर शहर के साथ ही जलमहल से आने वाले गंदे एवं कैमिकल युक्त पानी से हर साल हजारों मछलियों के साथ पशु-पक्षियों की भी मौत हो जाती है

इस बांध में पानी की आवक से आसपास का जलस्तर ऊंचा जरूर हुआ है, लेकिन सिंचाई के लिए बनी नहरों में पानी न छोड़े जाने से नहरों के आसपास गांवों में सिंचाई लुप्त होने के कगार पर है। बांध निर्माण के शुरुवाती दिनों में तो इसका उपयोग सिंचाई एवं पीने के पानी के रूप में किया गया लेकिन वर्तमान में यह बांध सिंचाई एवं पीने के पानी के लिए अनुपयोगी साबित हो रहा है। इतना ही नहीं अब तो इस बांध में भरने वाला पानी पशु-पक्षियों एवं मछलियों के लिए मौत का कारण भी बन रहा है। इसका कारण इस बांध में जयपुर शहर के साथ ही जलमहल से आने वाला गंदा एवं कैमिकल युक्त पानी है। इस गंदे एवं कैमिकल युक्त पानी से हर साल हजारों की संख्या में मछलियों के साथ पशु-पक्षियों की भी मौत हो जाती है। जिस उद्देश्य के लिए कानोता बांध का निर्माण करवाया गया था, यदि उस उद्देश्य की पूर्ति के लिए इस बांध का एवं इसमें भरने वाले पानी का उपयोग किया जाए तो इस बांध को भी नया जीवन मिल सकता है।

बस्सी विधायक लक्ष्मण मीना ने भी लोगों की मांग एवं उनके हित में इस संदर्भ में मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर इसी तरह की मांग की थी। इस पत्र में कहा गया था कि कानोता बांध का पानी नहर के माध्यम से सिंचाई के लिए उपलब्ध करवाया जाए। इसके साथ ही विधायक ने पत्र के माध्यम से आगाह किया कि इस बांध में गंदा पानी न छोड़ा जाए और इसकी मरम्मत भी की जाए। विधायक लक्ष्मण मीना ने बताया कि कानोता बांध की टेरिटरी में दर्जनभर से भी अधिक गांव बसे हुए हैं, जिनमें एक लाख से भी अधिक जनसंख्या निवास करती है। इसमें अधिकांश लोग किसान हैं और खेती पर आश्रित हैं। इनमें सुमेल, विजयपुरा, बगराना, कानोता, रामरतनपुरा, नायला, ड्योडा चौड, कूंथाडा खुर्द, हीरावाला, गीलावाला, दयारामपुरा, रामसर पालावाला, जीतावाला, खोखावाला, रूपा की नांगल जैसे कई गांव शामिल हैं। साथ ही बताया कि यदि कानोता बांध का पानी ढूंढ नदी में छोड़ दिया जाए तो इससे इस नदी को जीवन तो मिलेगा ही, साथ ही यह पानी कानोता-बस्सी क्षेत्र के सांभरिया, बराला, अचलपुरा, सिंडोली, सांख से लेकर कोटखावदा तक की खेती के लिए सिंचाई का जरिया बन सकती है। इसके अलावा यह आसपास के सैकडों कुओं व ट्यूबवैल को भी रीचार्ज कर सकती है।

बीकानेर में पातेय वेतन पर कई चिकित्सकों को बनाया प्रोफेसर

सरकार के आदेशों की स्पष्ट रूप से हो रही अवहेलना

बीकानेर, (कासं)। पातेय वेतन पर पदोन्नति का खेल खेला जा रहा है। पातेय वेतन पर नीचे पद के कर्मचारियों को उच्च पदों पर पदस्थापन किया गया है, जो सरकार के आदेशों की स्पष्ट रूप से अवहेलना है। यह फायदा एक-दो नहीं, बल्कि कॉलेज के करीब 65 कर्मचारियों को मिल रहा है। इन्हें कार्य व्यवस्था (पातेय वेतन) के नाम पर उच्च पदों पर बैठाया हुआ है।

- एसपी मेडिकल कॉलेज में यह फायदा एक-दो नहीं, बल्कि करीब 65 कर्मचारियों को मिल रहा है

एसपी मेडिकल कॉलेज के एक वरिष्ठ चिकित्सक ने बताया कि नेशनल मेडिकल काउंसिल के निरीक्षण के दौरान मेडिकल छात्रों की संख्या के आधार पर चिकित्सा शिक्षा के पदों को भरना होता है। रिक्त पद होने पर मेडिकल की बढ़ने वाली सीटों के फिर से रद्द होने का खतरा रहता है। ऐसे में एकबारगी कुछ समय के लिए असिस्टेंट को एसोसिसट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर को प्रोफेसर बना देते हैं। यह कार्य व्यवस्था के तहत लगाए जाते हैं। इस तरह पदोन्नत किए कर्मचारी अपने नीचे के पद का वेतन लेकर उच्च पद पर काम करते रहते हैं। यह कार्यव्यवस्था कुछ समय के लिए अस्थायी होती है। परन्तु साल-डेढ़ साल तक ऐसे ही चलता रहता है तो यह नियमानुसार गलत है।

एसपी मेडिकल कॉलेज में मेडिसिन विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर से पातेय वेतन पर डॉ. बाबूलाल मीणा, डॉ.परवेज समेजा, डॉ. विजय तुंदवाल, रेडियोलॉजी विभाग में डॉ. रिद्धिमा गुप्ता, कैंसर से डॉ. शंकरलाल जाखड़, न्यूरोलॉजी से डॉ. इन्द्रपुरी, डॉ.जगदीश कूकणा, गेस्ट्रोलॉजी से डॉ. सुशील फलोदिया, डॉ. आशीष जोशी, डॉ. विनिता चौधरी, नेफ्रोलॉजी डॉ. जितेन्द्र फलोदिया, हार्ट में डॉ. दिनेश चौधरी, हार्ट हॉस्पिटल मेडिसिन डॉ. देवेन्द्र अग्रवाल, फोरेंसिक मेडिसिन से डॉ. पीके सैनी, डॉ. सुरेंद्र बेनीवाल, डॉ. कमलेश कुमार हर्ष, डॉ. संजीव बुरी, डॉ. अरुण भारती, डॉ. रोहितास कुलहरिया, डॉ. गौरव गुप्ता समेत कई चिकित्सक पातेय वेतन पर पदोन्नत होकर पदस्थापित हैं। फॉरेंसिक मेडिसिन से डॉ. पीके सैनी को पीबीएम अस्पताल के अधीक्षक की कमान सौंपी गई है।

राज्य सरकार के कार्मिक (क-2) विभाग के तत्कालीन प्रमुख शासन सचिव हेमन्त कुमार गेरा ने 26 नवंबर-2021 को पातेय वेतन, कार्य व्यवस्था के आधार पर नियमित वेतन श्रृंखला में पदोन्नति-पदस्थापन नहीं करने के संदर्भ में आदेश जारी किया था। आदेश में स्पष्ट किया था कि कार्यव्यवस्था आधार (पातेय वेतन) पर उच्च पद पर किसी भी कर्मचारी को पदस्थापित नहीं किया जाए। इसके तहत कर्मचारी स्वयं के निचले पद का वेतन प्राप्त करते हुए अन्य उच्च पद पर पदस्थापित किया जाता है। न्यायालय की ओर से समय-समय पर ऐसी नियुक्तियों पर नाराजगी व्यक्त की गई है। इसे सार्वजनिक नियोजन के लिए अनुचित माना गया है। कार्मिक विभाग ने इसकी कठोरता से पालना के लिए पाबंद किया है।

डॉ. मोहम्मद सलीम, प्राचार्य एसपी मेडिकल कॉलेज का कहना है कि पदोन्नति सरकार ही करती है। इसमें स्थानीय कॉलेज प्रशासन की कोई भूमिका नहीं होती है। एसपी मेडिकल कॉलेज के अधीनस्थ करीब 65 कार्मिक पातेय वेतन पर पदोन्नत हैं और कार्य व्यवस्था के तहत पद पर काम कर रहे हैं।

दो बाइकों की भिड़ंत में तीन जनों की मौत

डिग्गी, (निसं)। डिग्गी थाना क्षेत्र के प्रतापपुरा के पास बीती रात दो बाइकों की आपसी भिड़ंत में तीन बाइक सवारों की मौत हो गई। इनमें से दो की मौके पर ही मौत हो गई जबकि तीसरे ने जयपुर में उपचार के दौरान दम तौड़ दिया। दो मृतक रिश्ते में फुफेरे भाई हैं।

घटना की सूचना मिलते ही एसएसपी मालपुरा राकेश कुमार बैरवा ने घटनास्थल व डिग्गी अस्पताल पहुंचकर घटनाक्रम की जानकारी ली। वहीं डिग्गी थानाधिकारी सत्यनारायण चौधरी ने रविवार सुबह डिग्गी अस्पताल पहुंचकर डिग्गी अस्पताल में रखे दोनों शवों का पोस्टमाटम कराकर शव परिजनों के सुपुर्द कर आगे की कार्यवाही शुरू की। डिग्गी थानाधिकारी ने बताया कि शनिवार रात को 9 बजे सूचना मिली कि प्रतापपुरा के पास भीलवाड़ा जयपुर स्टेट हाइवे पर दो बाइकों की आपसी भिड़त हो गई। उसके बाद तुरंत प्रभाव से डिग्गी थाना पुलिस मौके पर पहुंची, जहां लहूलुहान हालत में रोड पर पड़े तीनों बाइक सवारों को अस्पताल लेकर आई। डिग्गी अस्पताल में डिग्गी थाना क्षेत्र के डेचवास निवासी प्रधान जाट व टोंडारायसिंह थाना निवासी मोर कुकड कमल माली को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं भंवर लाल जाट को चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रैफर कर दिया। अस्पताल पहुंचते ही चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

भिड़ंत के बाद बिखरे पड़े मोटरसाइकिलों के अवशेष।

जानकारी के अनुसार मृतक कमल माली जयपुर से अपनी बाइक पर अकेला गांव आ रहा था। इसी दौरान सामने से अपने गांव डेचवास जा रहे प्रधान व रिश्ते में फुफेरे भाई लगने वाले भंवर लाल जाट की बाइक से भिड़ंत हो गई। इसमें प्रधान और कमल माली की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं भंवर लाल जाट की जयपुर पहुंचने के बाद मौत हो गई। मृतक कमल माली जयपुर में रहकर मोटर वाइंडिंग का काम करता था। कमल माली परिवार से मिलने अपने गांव मोर जा रहा था। वही मृतक प्रधान जाट अपने गांव में खेती-बाड़ी का काम करता था। वहीं भंवर लाल जाट भी अपने ही गांव मे खेती बाडी का काम करता था।

पति ने दिया तीन तलाक तो पत्नी ने किया सुसाइड

अलवर, (निसं)। पति ने पत्नी को तीन बार तलाक कहा और घर से निकाल दिया। परेशान होकर महिला ने जहर खाकर सुसाइड कर लिया। मामला शनिवार शाम का अलवर जिले के भिवाड़ी का है। भोंकर गांव निवासी मनीषा (20) की शादी 14 मार्च 2021 को नूंह के सिकरावा गांव निवासी इम्तियाज (23) के साथ हुई थी। चाचा जाहूल खां ने बताया कि मनीषा 6 महीने की थी जब उसके पिता का निधन हो गया, 3 साल की हुई तो मां गुजर गई। तब से मनीषा को पाला। शादी में बुलेट बाइक दी, 1 लाख 61 हजार रुपए कैश दिए थे। फिर भी पति, सास, ससुर मनीषा को दहेज के लिए परेशान करने लगे। मनीषा पर उसका ससुर आसिफ बुरी नजर भी रखता था। वह कई बार उसका हाथ पकड़ चुका था, मनीषा ने इसे लेकर भी शिकायत की थी। पति से कहा तो वह गुस्सा हो गया। पिता के कहने पर ही इम्तियाज ने अपनी पत्नी मनीषा को तीन बार तलाक कहा और घर से निकाल दिया।

मनीषा ने 11 मई 2022 को भिवाड़ी थाने में पति,सास व ससुर के खिलाफ दहेज प्रताडना व तलाक का मामला दर्ज कराया था। दो महीने से मनीषा अपने चाचा के घर रह रही थी। मनीषा की दादी उसके ससुराल नूंह गई थी। ससुराल वालों को समझाने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने कहा कि तीन तलाक हो गया, अब वे उसे नहीं रखेंगे। शादी में दिया गया सामान वापस ले जाओ। जाहूल ने कहा कि शिकायत करने के बाद भी पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की, इससे मनीषा डिप्रेशन में थी। शनिवार शाम को उसने जहर खा लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। इम्तियाज नूंह में मेडिकल शॉप पर काम करता है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी। तीन तलाक पर 2019 में कानून बन चुका है। तीन बार बोलकर पत्नी को तलाक नहीं किया जा सका।

- मृतका के चाचा ने दहेज के लिए परेशान करने का भी आरोप लगाया
- मृतका ने पूर्व में पति, सास व ससुर के खिलाफ मामला दर्ज कराया था

जैसलमेर में पर्यटन सीजन का जुलाई से होगा आगाज

जैसलमेर, (निसं)। जैसलमेर में अगले माह जुलाई से पर्यटन सीजन का आगाज होने जा रहा है। टूरिस्ट सीजन के लिए पर्यटन नगरी को सजाने संवारने की कवायद शुरू हो चुकी है।

इस बार पर्यटन सीजन में सैलानियों की अच्छी संख्या की उम्मीद में होटल और रिसोर्ट मालिकों ने अभी से तैयारियां शुरू कर दी हैं। होटल, रिसोर्ट और रेस्तरां सभी में रेनोवेशन का काम शुरू हो गया है लगातार 2 साल से कोरोना की मार झेल चुके पर्यटन से जुड़े लोगों में इस बार अच्छे टूरिस्ट सीजन की उम्मीद है। इसी उम्मीद के चलते वे अपनी-अपनी लोकेशन को और ज्यादा बेहतर बनाने और सैलानियों का ध्यान अपनी तरफ खींचने की पूरी तैयारियों में जुट गए हैं। इस बार कोरोना नहीं होने से सैलानियों की अच्छी एडवांस बुकिंग भी होटल्स में हो रही है।

जैसलमेर में होटल मालिक मानते हैं कि कोरोना काल की दुखद यादें भूल कर हम सब इस साल अच्छे सीजन की आस में हैं और उम्मीद है कि इस बार सीजन अच्छा जाएगा। वे बताते हैं कि कोरोना काल में 2 साल विदेशी सैलानी जैसलमेर नहीं आए जिससे हमें बहुत ज्यादा नुकसान हुआ लेकिन इस बार लगता है विदेशी सैलानी अच्छी खासी तादाद में जैसलमेर आएंगे।

पूर्व मंत्री के बेटे के खिलाफ लूट व मारपीट का मामला दर्ज

अलवर, (निसं)। भाजपा सरकार में मंत्री रहे हेम सिंह भडाना के बेटे सुरेंद्र भडाना के खिलाफ घर में घुसकर लूट व मारपीट का मामला दर्ज हुआ है। पूर्व मंत्री के बेटे का घर की दीवार कूदने का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। हालांकि मंत्री के बेटे ने भी क्रॉस मुकदमा दर्ज करा दिया है, मामला अलवर का है।

परिवादी बुध विहार ए-49 निवासी निहाल सिंह ने मामला दर्ज कराया कि रात करीब साढे 11 बजे सुरेंद्र सिंह 6-7 लोगों के साथ आया। घर की दीवार कूद कर अंदर घुसा। उसके साथ मारपीट की और 1 लाख रुपए-सोने की चेन लूट ले गए। किसी को बताने पर जाने से मारने की धमकी दी। पीड़ित की रिपोर्ट पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया। निहाल सिंह ने पुलिस को मंत्री के बेटे के रात को घर में दीवार कूदकर घर में घुसने का वीडियो भी बतौर सबूत दिया है।

रविवार रात को ही पूर्व मंत्री के बड़े बेटे धीरेंद्र ने शिवाजी पार्क पुलिस थाने में रिपोर्ट दी है कि निहाल सिंह रिश्ते में ताऊ का लड़का है। उसने 24 जून की रात को मेरे भाई सुरेंद्र सिंह को खुद के घर पर बुलाया। कहा गेट पर तेरी भाभी ने ताला लगा दिया है। दीवार कूद कर आ जा। सुरेंद्र अंदर गया तो तीन-चार लोग शराब पी रहे थे। उसके पहुंचते ही सुरेंद्र से मारपीट करने लगे। बड़ी मुश्किल से सुरेंद्र वहां से बचकर भागा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। हालांकि पूर्व मंत्री का कहना है कि यह उनके परिवार का मामला है। शिवाजी पार्क पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों ने रिपोर्ट दी है। सबूतों के आधार पर जांच कर रहे हैं। अभी इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। जल्द जांच कर आवश्यक एक्शन लिया जाएगा।

- मंत्री के बेटे ने भी क्रॉस मुकदमा दर्ज कराया
- मंत्री के बेटे ने घर में घुसकर पीड़ित से की थी मारपीट

अधिकारियों की लापरवाही एवं मिलीभगत के कारण भूमाफियाओं की भेंट चढ़ गई बेशकीमती जमीन

जैसलमेर शहर में जमीन पर लगा भूमाफियाओं का ग्रहण, हुआ फर्जी बेचान

जैसलमेर, (निसं)। जैसलमेर शहर के एसबीआई बैंक के सामने मुख्य सड़क से उत्तर की तरफ ढिब्बा पाड़ा खसरा नंबर 193 स्थित बुर्ज के पास नगर परिषद के कार्यालय से मात्र दो सौ मीटर दूर स्थित नगरपरिषद की बेशकीमती दो हजार वर्गफीट जमीन आखिरकार अधिकारियों की लापरवाही एवं मिलीभगत के कारण भूमाफियाओं की भेंट चढ़ गई तथा भू माफियाओं ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर अपनी बताते हुए इस सरकारी भूमि का बेचान भी कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एयरफोर्स के पंप हाउस के पास लगती भूमि सालों से खाली पड़ी थी। इस पर भूमाफियाओं की नजर पड़ गई और केहर फ़क़ीर की ढाणी देवीकोट निवासी एक परिवार ने पुश्तैनी जमीन बताकर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर 11 मई को अपने ही परिवार की सदस्या के नाम मुखत्यार आम तैयार करवा दिया। 18 मई को महिला ने उक्त जमीन को एक और भूमाफिया को फर्जी दस्तावेजों के आधार पर बेच दिया। ज्ञात जानकारी के अनुसार यह भूखंड जिस अजीज खान पुत्र सोढ़ेखान के नाम से बताया गया उनकी मृत्यु 1998 में हो चुकी है। यदि यह भूखंड उनके नाम था तो फिर 24 साल तक उसके वारिसान द्वारा इस भूखंड का नामांतरकरण क्यों नहीं करवाया गया और तो और नगरपरिषद में इस भूखंड की और इस नाम की कोई पत्रावली ही नहीं है।

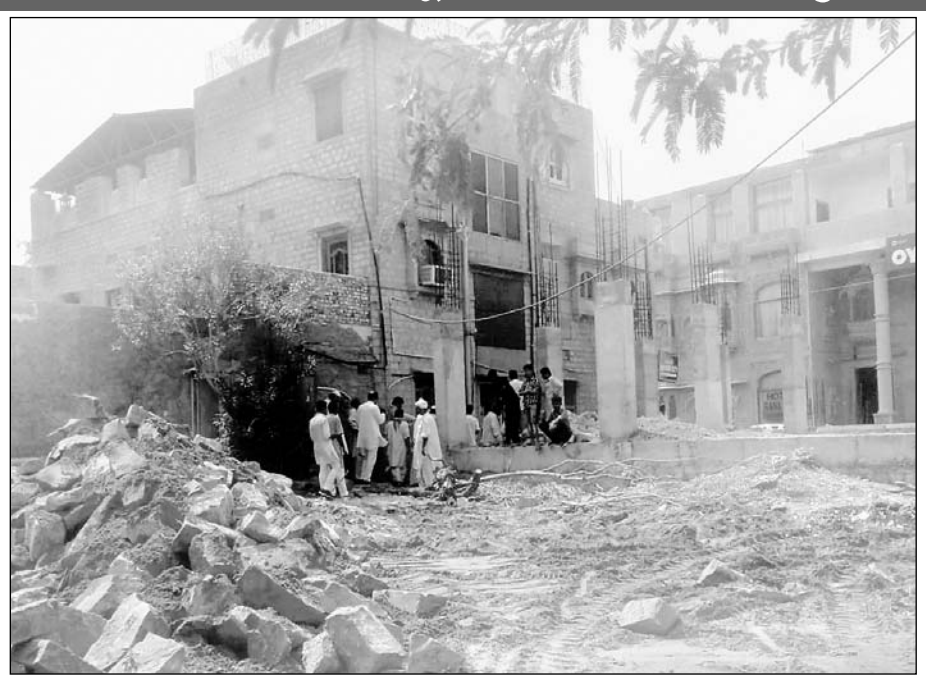

जैसलमेर शहर में बेशकीमती जमीन का फर्जी बेचान करने का मामला सामने आया।

जानकारी में आया है कि उक्त भूखंड के पास स्थित भूखंड के मालिक भगवानाराम ने वर्ष 2013-14 में इस भूखंड को खांचा भूमि के रूप में उसे आवंटित करने का भी आवेदन किया था। इस पर 7 मई 2014 को तत्कालीन नगरपरिषद अधिकारियों ने इस भूखंड को पूर्ण मानकर नोटशीट में इस भूखंड को स्वतंत्र बनाकर नीलामी करने की टिप्पणी की थी। इस खरीददार ने उक्त भूखंड खरीदा है उसी के भाई ने भी यही भूखंड प्राप्त करने के लिए खांचा भूमि का आवेदन किया था। यदि यह भूखंड नीलाम होता तो नगरपरिषद को करोड़ों रुपये की आय हो सकती थी। मगर अधिकारियों की लापरवाही ओर भूमाफियाओं से मिलीभगत ने इस भूखण्ड पर भूमाफियाओं को कब्जा करने और बेचने की मौन स्वीकृति दे दी। उक्त बेचान नामे में जैसलमेर पंजीयन कार्यालय के उप पंजीयक एवं जैसलमेर के कार्यवाहक तहसीलदार की भूमिका भी संदिग्ध नजर आ रही है क्योंकि उनके द्वारा भूखंड के टाइटल संबंधी बिना किसी वैध दस्तावेज के ही बेचान नामा स्वीकृत कर दिया जो कि संदेहास्पद है।

उप पंजीयक महेंद्र खत्री ने बताया कि टाइटल संबंधित कार्य नगरपरिषद का है। हमने रजिस्ट्री में इससे संबंधित नोट डाल दिया है। यदि बेचने वालों ने फर्जी बेचान किया है तो ये उनकी जिम्मेदारी है तथा बेचने और खरीदने वालों पर कानूनी कार्यवाही होनी चाहिए।

- इस बेचान नामे में जैसलमेर पंजीयन कार्यालय के उप पंजीयक एवं जैसलमेर के कार्यवाहक तहसीलदार की भूमिका भी संदिग्ध नजर आ रही है

सब्जी बेचने वाले से सौ-सौ रुपए के आठ नकली नोट बरामद किए

अलवर, (निसं)। एनईबी थाना पुलिस ने अग्रसेन सर्किल सब्जी मंडी परिसर में नकली नोट चलाने की फिराक में घूम रहे 57 वर्षीय सुरेश शर्मा को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 100 -100 रुपए के 8 नकली नोट बरामद किए हैं।

थानाधिकारी राजेश वर्मा ने बताया कि सूचना मिली कि एक व्यक्ति नकली नोट चलाने की फिराक में घूम रहा है। पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी सुरेश पुत्र कुंदन लाल शर्मा निवासी मोती नगर काली मोरी फाटक को हिरासत में ले लिया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 100-100 रुपए के 8 नकली नोट बरामद हुए। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने उक्त नोट एक व्यक्ति से आधी कीमत में खरीदे थे। आरोपी ने बताया कि वह हथठेला पर फेरी लगाकर सब्जी बेचता है।

चार संक्रमित मिले

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले में कोरोना संक्रमण थमने का नाम नहीं ले रहा है। रविवार को एक महिला सहित चार और लोग पॉजिटिव आए हैं। आरटी पीसीआर प्रभारी डॉ. घनश्याम चावला ने बताया की रविवार को सुवाणा की 47 वर्षीय महिला के साथ ही सांगानेरी गेट का 65 वर्षीय बुजुर्ग, कोटड़ी का 26 वर्षीय युवक, हुरड़ा का 32 वर्षीय युवक कोरोना पॉजिटिव आये हैं। खास बात यह कि इन चारों ने वैक्सीन की पहली और दूसरी डोज लगाई हुई है।

अवैध बजरी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़ी

बरोनी पुलिस थाने में जप्त ट्रैक्टर-ट्रॉली।

निवाई, (निसं)। बरोनी थाना पुलिस ने अवैध बजरी से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया है।

बरोनी थानाधिकारी हरिराम ने बताया कि रविवार को मुखबीर से सूचना मिली कि गांव खोडा का खेडा में अवैध बजरी भरकर ट्रैक्टर आ रहे हैं। पुलिस मौके पर पहुंची तो अवैध बजरी भरकर एक ट्रैक्टर आता हुआ दिखाई दिया। पुलिस को देखते ही चालक ट्रैक्टर-ट्रॉली को छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने अवैध बजरी भरी होने पर ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर थाने लाकर खड़ा करवा दिया। पुलिस ने एमएम आरडी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया।

सरकार गिराने या बनाने के लिए मंत्री और विधायक बिकते हैं : डॉ. चंद्रभान

जयपुर। राजस्थान मीडिया एक्शन फोरम की तरफ से रविवार को राजधानी के पिंकसिटी प्रेस क्लब ऑडिटोरियम में मुंशी प्रेमचंद की स्मृति में ''मीडिया का बदलता परिवेश'' पर परिचर्चा और सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं बीसूका के उपाध्यक्ष डॉ. चंद्रभान सिंह रहे, जिन्होंने स्वतंत्र और निष्पक्ष पत्रकारिता पर जोर देते हुए कहा कि समय के साथ-साथ हर क्षेत्र में बदलाव हुआ है और होना भी चाहिए इसलिए मीडिया भी इससे अछूता नहीं है। उन्होंने कहा कि पहले की पत्रकारिता सरकार बनाने और गिराने में अपनी अहम भूमिका निभाती थी जबकि अब ऐसा देखने को नहीं मिलता क्योंकि अब सरकार बनाने और गिराने के लिए जब विधायक और मंत्री तक बिक जाते हैं तो अपना परिवार चलाने के लिए पत्रकारों को भी कई बार अपनी खबरों के साथ समझौता करना पड़ता है।

- **राजस्थान मीडिया एक्शन फोरम की ओर से आयोजित ''मीडिया का बदलता परिवेश'' परिचर्चा में मुख्य अतिथि के रूप में बोले बीसूका उपाध्यक्ष**
- **आजकल अवसरवादी नेता भी उसी महापुरुष को पूछते हैं, जो उन्हें वोट दिला सकते हैं : कृष्ण कल्पित**

डॉ.चंद्रभान ने अपने पुराने अनुभवों को साझा करते हुए राजनीतिक संघर्ष के बारे में भी बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र बोडा ने कहा कि समय के साथ हर चीज में बदलाव आता रहता है इसलिए मीडिया का परिवेश भी पहले से बहुत हद तक अब बदल चुका है। इसका मुख्य कारण आज के दौर की नई तकनीके हैं, जिनका इस्तेमाल करना पत्रकार और पत्रकारिता के लिए बहुत जरूरी है। इनसे पहले कार्यक्रम के स्वागत उद्बोधन में राजस्थान मीडिया एक्शन फोरम के संस्थापक अध्यक्ष अनिल सक्सेना ने अपने मन की बात रखते हुए कहा कि फोरम का मुख्य उद्देश्य युवा पत्रकारों छोटे-छोटे गांव एवं शहरों से जुडे कलम के सिपाहियों को आगे लाना है। साथ ही उन्होंने कहा कि उनके गुरु स्व. वीर सक्सेना से मिली सीख की बदौलत उन्होंने वर्ष 2011 में फोरम की शुरुआत की थी और अभी तक राजस्थान राज्य के कई शहरों में फोरम के कार्यक्रम कराएं जा चुके हैं। उन्होंने इस सोच व उद्देश्य के साथ कार्यक्रम कराएं हैं कि आने वाले समय में पत्रकारिता जगत से जुडा युवा सकारात्मक मानसिकता के साथ जनहित में अपनी कलम की धार को चलाए।

वहीं कार्यक्रम की रूपरेखा का प्रारम्भिक परिचय देते हुए विनोद भारद्वाज ने कहा कि पहले की पत्रकारिता और अब की पत्रकारिता में बहुत से उतार-चढाव आए हैं और आज हर कोई व्यक्ति खुद में एक पत्रकार है। साथ ही स्वतंत्रता की अभिव्यक्ति हर एक नागरिक को मिली हुई है। चाहे वो सोशल मीडिया के जरिए ही क्यों न हो बस निर्भर यह करता है कि आप उसका सदउपयोग कर रहे हैं या दुरुपयोग। उन्होंने कहा कि आज हर गली मौहल्ले या गांव कस्बे की समस्या का निवारण इंसान स्वयं कर सकता है। कार्यक्रम के विशिष्ट अथितियों में उपस्थित सीएम के ओएसडी फारुख अफरीदी ने कहा कि आज के युग में कॉर्पोरेट सेक्टर का पत्रकारिता में सहभागिता होने की वजह से पत्रकारिता से आमजन का विश्वास उठने लगा है। साहित्यकार लोकेश कुमार साहिल ने कहा कि आज जो कुछ भी अच्छा हो रहा है, वह भारत के आजादी से किए हुए अच्छे कार्यों का ही नतीजा है। लेखक कृष्ण कल्पित ने कहा कि आजकल अवसरवादी नेता भी उसी महापुरुष को पूछते हैं, जो उन्हें वोट दिला सकते हैं। आज के अखबारों में और पत्रकारिता में संपादक की भूमिका बिल्कुल समाप्त हो गई है। साथ ही वर्तमान में साहित्य ने भी पत्रकारिता से दूरी बना ली है। सोशल मीडिया के द्वारा आजकल सब कुछ हो रहा है और प्रिंट मीडिया अपनी विश्वसनीयता खोता जा रहा है।

पिंकसिटी प्रेस क्लब के अध्यक्ष मुकेश मीणा ने कहा कि समय-समय पर पत्रकारिता में परिवर्तन होता आया है। कोरोना काल में भी देखा गया कि डिजिटल मीडिया के माध्यम से ही पत्रकारिता ज्यादा हावी रही। इस कार्यक्रम के जरिए उन्होंने पत्रकारों के साथ ही साहित्यकारों के लिए भी सरकारी सुविधाओं की मांग की। कार्यक्रम में राजस्थान मीडिया एक्शन फोरम से जुडे उल्लेखनीय कार्य करने के मनोज सोनी, चंदन मिश्रा, अमित चेचानी, संदीप माली, गिरीश पालीवाल, हेमंत साहू, मोरध्वज सिंह, अशोक लोढा, आशा पांडे, नेट थिएट नेक्स्ट एरा थिएटर टीम सहित अन्य प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के अंत में वरिष्ठ पत्रकार राधारमण शर्मा ने आभार व्यक्त किया। पिंक सिटी प्रेस क्लब की ओर से अध्यक्ष मुकेश मीणा औऱ कार्यकारिणी सदस्यो ने फोरम के अध्यक्ष का सम्मान भी किया।

बड़ों को प्रणाम करने से बढ़ता है आयु और बल : डॉ. कल्ला

आजादी के अमृत महोत्सव में झालाना स्थित संस्कृत अकादमी संकुल में आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को शिक्षा मंत्री बी.डी.कल्ला ने प्रमाण पत्र वितरित किये।

जयपुर। संस्कृत अकादमी में विद्यार्थियों के लिए तीन दिवसीय संस्कार-संस्कृति शिविर के तीसरे और अन्तिम दिन स्वतन्त्रता आन्दोलन और युवा तथा मीडिया, सोशल मीडिया और युवा विषय पर जाने माने पत्रकार और लेखक यशवन्त व्यास, जन सम्पर्क विभाग के अतिरिक्त निदेशक गोविन्द पारीक ने अपने विचार रखे। समापन समारोह के मुख्य अतिथि कला एवं संस्कृति मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला थे। ये आयोजन झालाना स्थित अकादमी संकुल में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत कला एवं संस्कृति विभाग, राजस्थान संस्कृत अकादमी, राजस्थान ललित कला अकादमी, राजस्थान सिंधी अकादमी एवं करुणा संस्थान के संयुक्त तत्त्वावधान में किया जा रहा है। तीन दिवसीय समारोह में चित्रकला प्रतियोगिता, रामायण आधारित प्रश्नमाला और महाभारत आधारित प्रश्नमाला प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। समापन पर तीनों प्रतियोगिताओं के विजेताओं को डॉ. बी.डी. कल्ला ने प्रमाण पत्र वितरित किए।

डॉ. बी.डी. कल्ला ने अपने उद्बोधन में बडों को प्रणाम किए जाने की महत्ता पर रोशनी डालते हुए कहा कि जो अपने से बडों को प्रणाम करता है उससे उसकी आयु और बल स्वत: ही बढ जाते हैं। अगर हम अपने जीवन में आचार्य देव भव, पित्र देवो भव और मात्र देवो भव का भाव जगा लें तो हमारे जीवन की अनेक कठिनाईयां स्वत: ही समाप्त हो सकती है।

उन्होंने कहा इनसान के जीवन में सत्य ही सबसे बड़ा धर्म है। मोबाइल के अनावश्यक बढ़ते दुरूप्योग के के प्रति उन्होंने वहां मौजूद बच्चों को जागरूक करते हुए कहा कि मोबाइल के अनावश्यक इस्तेमाल से बच्चे कई तरह की विकारों और बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। उन्होंने अभिभावकों को बच्चों को 12वीं कक्षा तक मोबाइल नहीं देने की सलाह दी। कल्ला ने कहा कि इसके बाद बच्चा स्वत: ही परिपक्व हो जाएगा और मोबाइल का सही इस्तेमाल करने का अभ्यस्त हो जाएगा।

चित्रकला प्रतियोगिता के विजेता सारिका राणा, विनायक घोचक, सीमा मण्डल, रोसी जयकुमार और राज पारीक रहे। वहीं रामायण आधारित प्रश्नमाला प्रतियोगिता में आयुष ढोकवाल, पिंकी कुमारी बैरवा, कार्तिकेय शर्मा, ईशान झाला, रोशनी बलाई और महाभारत आधारित प्रश्नमाला प्रतियोगिता में संयुक्ता पापड़ीवाल, नेहा महावर, अनूप जाटव, सम्यक जैन और भार्गवी विजेता रहे।

संस्कार व्यक्तिगत और सामाजिक चेतना जाग्रत करते है : सासंद बोहरा

जयपुर। आजादी के अमृत महोत्सव और मोदी सरकार के 8 वर्ष सेवा सुशासन को लेकर जयपुर संसदीय क्षेत्र में मनाये जा रहे सेवा सप्ताह के तीसरे दिन सांसद रामचरण बोहरा ने आदर्श विद्या मंदिर अम्बावाडी जयपुर में पहुंचे। उन्होंने सेवा भारती द्वारा जयपुर शहर में संचालित 30 बाल संस्कार केन्द्रों के बच्चों के लिये नि:शुल्क शिक्षा सामग्री वितरित करते हुए कहा कि यह केन्द्र संस्कार, व्यक्तिगत और सामाजिक चेतना को जाग्रत करने के साथ विशेष शिक्षण से की व्यवस्था से उनको समाज के योग्य बनाता है।

आजादी के अमृत महोत्सव और मोदी सरकार के 8 वर्ष सेवा सुशासन को लेकर मनाये जा रहे सेवा सप्ताह के तीसरे दिन सांसद रामचरण बोहरा ने आदर्श विद्या मंदिर अम्बावाड़ी जयपुर में संबोधित किया।

जयपुर सासंद रामचरण बोहरा ने अग्रसेन सर्किल पर महाराजा अग्रसेन जी एवं पूर्व केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री जनसंघ के समय से वरिष्ठ नेता स्व. सतीशअग्रवाल की प्रतिमा पर कार्यकताओं के साथ माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित की इसके बाद अजमेर रोड स्थित ईएसआई हॉस्पिटल में वृक्षारोपरण कर स्वच्छता एवं सुरक्षा कर्मियों का शाल ओढ़ाकर सम्मान किया, कार्यक्रम के दौरान मरीजों के हाल जानते हुए उनको फल वितरण किये कर कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुना।

कार्यक्रम उपरान्त खातीपुरा स्थित हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना कर क्षेत्रवासियों के साथ राष्ट्र के उन्नित की प्रार्थना की। कार्यक्रम के दौरान कार्यक्रम की अध्यर्क्षेता नवल बगाड़िया के द्वारा की गई एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महिला चिकित्सालय, सांगानेरी गेट में बनेगा 500 बैड का आईपीडी टावर

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जयपुर स्थित महिला चिकित्सालय, सांगानेरी गेट में सुविधाएं बढ़ाने के लिए कुल 117 करोड़ रुपये व्यय के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है।

मुख्यमंत्री की स्वीकृति से महिला चिकित्सालय में लगभग 85.57 करोड़ रुपये लागत से 500 बैड का आईपीडी टावर और 21.43 करोड़ रूपये लागत से 100 कमरों का नवीन स्नातकोत्तर छात्रावास का निर्माण होगा। यहां करीब 10 करोड रूपये के चिकित्सकीय उपकरण खरीदे जाएंगे। प्रस्ताव के अनुसार, आईपीडी टावर में 50 बैड का आईसीयू, 6 मॉडयूलर ओटी तथा भूमिगत पार्किंग का निर्माण भी कराया जाएगा।

गहलोत ने अतिरिक्त बजट प्रावधान के संबंध में चिकित्सा शिक्षा विभाग को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की इमरजेंसी कोविड रेस्पांस पैकेज (ईसीआरपी)-2 में स्वीकृत राशि का उपयोग किए जाने की भी स्वीकृति दी है। उल्लेखनीय है कि श्री गहलोत द्वारा बजट 2022-23 में महिला चिकित्सालय, सांगानेरी गेट में विभिन्न विकास कार्य कराए जाने की घोषणा की थी।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने गांवों में जाकर समस्याओं का किया निराकरण

जयपुर। विधायक जनसंवाद कार्यक्रम के तहत भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने आज अपने आमेर विधानसभा क्षेत्र में गांवों ढाणियों में पहुंचकर जनसुनवाई की, जिसमें आमजन की समस्याओं को सुनकर त्वरित निदान किया। जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान ही सतीश पूनियां ने आमेर के कूकस में मुकेश शर्मा की चाय की दुकान पर आमजन व कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुना। आज 26 जून से लेकर 28 जून तक निरंतर तीन दिवसीय विधायक जनसंवाद कार्यक्रम के तहत डॉ. पूनियां लगभग 36 घंटे आमेर में जनसुनवाई कर जनसमस्याओं का निराकरण करेंगे।

- **पूनिया तीन दिवसीय विधायक जनसंवाद कार्यक्रम के तहत आमेर में लगभग 36 घंटे गावों-ढाणियों में आमजन से करेंगे संवाद**
- **कूकस में चाय की दुकान पर आमजन व कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुना**

बता दें कि जयपुर में जनसंवाद कार्यक्रम, प्रदेशभर के संगठनात्मक प्रवास कार्यक्रमों के साथ ही प्रत्येक महीने अपने आमेर विधानसभा में डॉ. पूनियां के नियमित जनसंवाद के कार्यक्रम रहते हैं। उल्लेखनीय है कि डॉ. पूनियां जयपुर स्थित अपने जनसंवाद केन्द्र पर जयपुर रहने के दौरान प्रतिदिन सुबह 08 से दोपहर 11 बजे तक जनसुनवाई कर प्रदेशभर के आमजन व कार्यकर्ताओं से मुलाकात करते हैं। डॉ. पूनियां ने आज जनसंवाद कार्यक्रम के तहत आमेर के नांगल सुसावतान, कूकस, छापराडी, खोरामीणा, ढंड, एवं लबाना इत्यादि गावों में पहुंचकर जनसमस्याओं का निराकरण किया, साथ ही विकास कार्यों का निरीक्षण किया, अन्य जरूरी विकास कार्यों के बारे में विभिन्न गांवों में ठामावासियों से चर्चा कर जल्द पूरा कराने को कहा। डॉ. पूनियां ने संबोधित करते हुये कहा कि, आमेर का विकास आमेर परिवार के सब लोगों के परिश्रम और आशीर्वाद से संभव हो रहा है। आमेर परिवार के आशीर्वाद और अपनापन से ही आपके साथ कदम से कदम मिलाकर आमेर की विकास यात्रा में नये कीर्तिमान गढ़ रहे हैं। शिक्षा, चिकित्सा, सडक, बिजली इत्यादि तमाम क्षेत्रों के विकास में आमेर की नई पहचान बनी है, और इसी संकल्प के साथ आमेर के विकास को आगे बढाते हुये पूरे राजस्थान में आमेर की नई पहचान बन रही है, जिसको हम और आगे बढ़ायेंगे। डॉ. पूनियां के साथ इस दौरान जयपुर देहात उत्तर जिला अध्यक्ष जितेन्द्र शर्मा, प्रधान बद्रीनारायण बागड़ा, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष भगवान शर्मा सहित स्थानीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

27 जून को डॉ. पूनियां आमेर के अचरोल, जैतपुर खींची में सुबह 8 से 11 बजे तक, सुबह 11.30 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक चिताणु, जुगलपुरा, दोपहर 1 से 2.30 बजे तक कांट, सांगावाला, स्यारी, बान्यावाला, सायं 3 से 4 बजे तक सालडवा, चंदवाजी, पीलवा, सायं 4.30 बजे 5.30 बजे तक अरणिया, कंवरपुरा, हरचंदपुरा, सायं 6 से 7 बजे तक श्यामपुरा, चांदावास, कुशलपुरा इत्यादि गावों में जनसंवाद करेंगे।

पायलट जब जहर उगलेंगे तो सरकार के तबाह होने की संभावना प्रबल हो जाएगी : राठौड़

जयपुर। उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने ट्वीट कर कहा कि अब कांग्रेस का अंतर्द्वंद और अपमान की राजनीति चरम पर है। मुख्यमंत्री ने 5 साल से ज्यादा समय तक कांग्रेस का नेतृत्व करने वाले पीसीसी के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट को कभी नकारा, निकम्मा व गद्दार कहा तो कभी बिना रगड़ाई के पद पाने पर तंज कसा।

राठौड़ ने कहा कि अब हदें पार हो गई जब मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय मंत्री के सहारे से अपने धुर विरोधी सचिन पायलट को निशाने पर लेकर सरकार गिराने के षड्यंत्र का मुख्य सूत्रधार ही बता दिया। अगर मुख्यमंत्री के पास प्रमाण हो तो सचिन पायलट के विरुद्ध एसीबी में दायर 3 मुकदमों पर कार्रवाई क्यों नहीं करवाते? राठौड़ ने कहा कि कुछ दिन पूर्व कांग्रेस के युवराज राहुल गांधी ने सचिन पायलट के धैर्य की तारीफ क्या कर दी, इससे गुस्साए मुख्यमंत्री पायलट के सरकार गिराने की साजिश में शामिल होने का आरोप लगाकर सीधे-सीधे कांग्रेस नेतृत्व को ही चुनौती दे डाली। नीलकंठ बने हुए पायलट जब जहर उगल जायेंगे तो सरकार के तबाह होने की संभावना प्रबल हो जायेगी।

माही परियोजना के कार्यों के लिए 545 करोड़ रुपए की मंजूरी

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बांसवाड़ा जिले में माही परियोजना के नहरी तंत्र/वितरिकाओं के सुदृढ़ीकरण एवं जीर्णोद्धार के विभिन्न कार्य करवाने के लिए 545 करोड़ रुपए की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की हैं।

इस कार्य से लगभग 80 हजार हैक्टेयर भूमि के सिंचाई जल की दक्षता में वृद्धि होगी। बांसवाड़ा जिले की तहसील बांसवाड़ा, घाटोल, गढ़ी, आनंदपुरी, बागीदौरा, तलवाड़ा, अरथुना में स्थित परियोजना के कमांड क्षेत्र में स्थित किसानों को लाभ मिलेगा।

चांदना ने तैयारियों का जायजा लिया

जयपुर, (का.सं.)। खेल एवं युवा मामले राज्य मंत्री अशोक चांदना ने रविवार को जनपथ स्थित युवा आवास परिसर का दौरा कर 27 जून को होने वाले शिलान्यास कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया और अधिकारियों को बेहतर व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए।

खेल राज्य मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सोमवार को राजीव गांधी यूथ एक्सीलेंस सेंटर का शिलान्यास करेंगे। यूथ हॉस्टल का विस्तार होने से युवाओं को उत्कृष्ट सुविधाएं मुहैया हो सकेगी, जिससे राज्य के प्रतिभाशाली युवा, एनसीसी, एनएसएस, भारत स्काउट व गाईड, खिलाड़ी एवं साहसिक खिलाड़ियों आदि का सर्वांगीण विकास किया जा सकेगा।

कीर्तन अरदास का आयोजन किया

जयपुर। सुखमनी सेवा सोसायटी, बनीपार्क की ओर से प्रसिद्ध समाजसेवी टिम्मी कुमार के आवास पर सुखमनी साहिब पाठ, कीर्तन व अरदास का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में राजस्थान की पूर्व पर्यटन मंत्री, बीना काक एवं शहर के कई अन्य व्यक्ति शामिल हुए। इस अवसर पर काक ने कहा कि यह अपनी अन्तरात्मा की खोज करने वाला बहुत ही प्रभावी कार्यक्रम था।

भूपेश ने राज्य में नए आंगनबाड़ी केन्द्र खोलने का अनुरोध किया

महिला एवं बाल विकास मंत्री ममता भूपेश ने रविवार को जयपुर के एक होटल में महिला एवं बाल विकास के तहत 8 वर्षों में अर्जित उपलब्धियों पर आयोजित जोनल मीट का उद्घाटन किया।

जयपुर, (का.सं.)। महिला एवं बाल विकास मंत्री ममता भूपेश ने केंद्र के समक्ष राज्य की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए नए आंगनबाड़ी केंद्रों को खोलने की स्वीकृति देने की मांग की। साथ ही उन्होंने राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही इंदिरा गांधी मातृत्व पोषण योजना तथा उड़ान योजना के लिए भी केन्द्र सरकार से सहयोग की अपेक्षा की।

भूपेश रविवार को जयपुर के एक होटल में महिला एवं बाल विकास के तहत 8 वर्षों में अर्जित उपलब्धियों पर आयोजित जोनल मीट को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री डॉ. मुंजीपारा महेन्द्रभाई की उपस्थिति में केंद्र सरकार से आग्रह किया कि राज्य में 5 हजार नवीन आंगनबाड़ी केंद्र खोलने की अनुमति दी जाए। उन्होंने कहा कि राज्य की विशेष भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए केन्द्र सरकार नए आंगनबाड़ी खोलने की अनुमति दे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आंगनबाड़ी कर्मचारियों का मानदेय बढ़ाया गया है, लेकिन केंद्र द्वारा उसी अनुपात में अंशदान नही दिया जा रहा है। वर्तमान में राज्य सरकार द्वारा 68 प्रतिशत का अंशदान दिया जा रहा है तथा केंद्र द्वारा मात्र 32 दिया जा रहा है। जबकि केन्द्र द्वारा 60 प्रतिशत का अंशदान देय है। उन्होंने मानदेय कर्मियों हेतु राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध करवायी जा रही अतिरिक्त राशि का 60 प्रतिशत अंशदान केन्द्र सरकार के स्तर से वहन किये जाने का आग्रह किया।

आमजन से एक करोड़ रुपये ठग चुका अफ्रीकन बदमाश दिल्ली से गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। मुहाना थाना पुलिस ने एक करोड़ रुपए से अधिक की साइबर ठगी करने के आरोप में अफ्रीकन नागरिक बाउंडिलाई निवासी बेन अली दियारा को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। इस मामले में पुलिस 2 बदमाशों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से आधा दर्जन स्वैप मशीन, दो दर्जन एटीएम, डेबिट कार्ड व दो दर्जन फर्जी बिल बुक जप्त की है।

डीसीपी साउथ मृदुल कच्छावा ने बताया कि साइबर अपराधियों द्वारा आमजन को विदेशी सामान सस्ते दामों पर बेचने के नाम पर सोशल मीडिया एप्स के माध्यम से झांसे में लेकर ठगी की वारदातें हो रही है।

अपराधियों की धरपकड़ के लिए टीम का गठन किया गया था। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त भरत लाल मीणा के निर्देशन व सहायक पुलिस आयुक्त हरिशंकर के सुपरविजन में थानाधिकारी मुहाना लखन सिंह खटाना की टीम ने यह कार्रवाई की। परिवादी हरदयाल ने 20 मई 2021 को मुहाना पुलिस थाना में रिपोर्ट दी थी कि साइबर ठग ने खुद को एलीका निवासी रोमानिया किमडॉन होना बताकर उसे महंगा विदेश मोबाइल सस्ते दामों में बेचने का झांसा दिया गया। आरोपियों ने फर्जी बिल परिवादी को व्हाट्सएप करके, एयरपोर्ट से डिलीवरी लेने के लिए कस्टम ड्यूटी जमा करवाने के नाम पर 25 हजार 500 रुपए खाते में जमा करवा लिए। बाद में डिलीवर किए जाने वाले पार्सल में विदेशी करेंसी होने का झांसा देकर ऑनलाइन ठगी की वारदात की। पुलिस ने इस मामले में आरोपी बाउंडिलाई निवासी बेन अली दियारा हाल निवासी संत नगर बुरारी दिल्ली, दिल्ली स्थित कृष्णापुरी तिलक नगर निवासी सौरभ चौहान व कमल लोहट को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रहीं है।

सार-समाचार

चिकित्सा व परामर्श शिविर आयोजित

जयपुर, (कासं)। प्राकृतिक चिकित्सा एवम सुजोक थैरेपी अपनाने हेतु लोगों को जागरूक करने के लिए हेल्थ एजुकेशन एवं लव फॉर पीपल सोसायटी व संग अर्श सामाजिक सेवा समिति द्वारा समाज नि:शुल्क चिकित्सा एवं परामर्श कैम्प लगाया गया। डॉ.दीपाली वार्ष्णेय अग्रवाल ने बताया कि कोरोना महामारी के वक़्त प्राकृतिक चिकित्सा बहुत ही कारगर रही। बढते प्रदूषण के कारण बार बार ऐसी स्तिथि ना आये इसके लिए प्राकृतिक चिकित्सा को अपनाएं, प्रकर्ति के करीब आएं। डॉ. दीपाली ने साथ ही लोगों को सुजोक थेरेपी भी दी, काफी ज्यादा संख्या में लोगों ने कैम्प में आकर लाभ प्राप्त किया। हेल्प्स के अध्यक्ष प्रशांत चतुर्वेदी व संग अर्श के अध्यक्ष दीपक सिंघल ने बताया कि उन्होंने एक जागरूकता अभियान शुरू किया है। इसके तहत वो पूरे जयपुर मे हर वार्ड में ऐसी कैम्प लगाएंगे और लोगों को प्राकतिक चिकित्सा अपनाने के लिए जागरूक करेंगे। इस मिशन में इनकी पूरी टीम प्रशांत गुप्ता, नेहा, निशिकांत गुप्ता, रेणु श्रीवास्तव, आयुष शर्मा, आशीष सोनी, दिव्यम अग्रवाल, तनिष्क अग्रवाल, डॉ कुलदीप और पंकज सैनी सहयोग कर रहे हैं। कैम्प्स की इस कडी में ये पांचवां कैम्प है जो सी 19 आईसीआईसी के पीछे खादी कॉलोनी बजाजनगर में विक्रम खेतान और कुलदीप शर्मा के सहयोग से रखा गया। कैम्प में करीब 125 लोगो का इलाज किया गया। इनमें सर्वाइकल, घुटने के दर्द, फैटी लिवर, डायबटीज़, थायराइड, डिप्रेशन, मोटापा, गैस के पेशेंट्स का इलाज किया गया,साथ ही उनको खान पान का तरीका और हल्दी, अजवाइन, मैथी, जीरा आदि के औषधिय गुण और लेने का तरीका बताया गया।साथ ही प्रकर्ति के करीब कैसे रहें व दिनचर्या कैसी होनी चाहिए इसके बारे में जानकारी दी।

बच्ची से बाइक सवार ने की छेड़छाड़

जयपुर (कासं)। शहर के प्रताप नगर इलाके में 12 साल की बच्ची से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। गार्डन के पास खेलते समय बाइक सवार ने उससे छेड़छाड़ की। इस पर बच्ची ने घर से बाहर जाना बंद किया। आखिरकार मां के पूछने पर बच्ची ने आपबीती सुनाई। इस पर परिजनों ने प्रताप नगर थाने में छेड़छाड़ और पॉक्सो एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस अज्ञात बाइक सवार की तलाश कर रही है। पुलिस ने बताया कि प्रताप नगर के सेक्टर-8 निवासी एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। शिकायत में बताया कि उसकी 12 साल की बच्ची से एक बाइक सवार युवक ने छेड़छाड़ की है। घटना के मुताबिक, 13 जून को उसकी बेटी घर के पास स्थित गार्डन में खेलने गई थी। दोपहर करीब 3 बजे गार्डन में खेलकर घर आने के लिए निकली। गार्डन से बाहर निकलते ही एक बाइक सवार युवक उसके पास आकर रूका। बाइक सवार ने बच्ची के साथ छेडछाड की। शोर मचाने पर बाइक लेकर आरोपी वहां से भाग निकला। घर पर गुमशुम रहने और बाहर नहीं जाने पर मां को शक हुआ। मां ने दबाव बनाकर बच्ची से पूछा तो उसने बाइक सवार की करतूत के बारे में बताया। गुस्साए परिजनों ने शुक्रवार को थाने जाकर मामला दर्ज करवाया। पुलिस वारदातस्थल के आसपास लगे फुटेजों को खंगालने के साथ बाइक सवार दरिंदे की तलाश कर रही है।

ड्रग्स के दुष्परिणामों के बारे में बताया

जयपुर (कासं)। जयपुर में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान ने की ओर से शास्त्री नगर इलाके में स्थित भट्टाबस्ती में रविवार को नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान मानद विश्वविद्यालय जयपुर के अगद तंत्र विभाग द्वारा नशीली दवाओं के सेवन और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दिवस के उपलक्ष्य में यह एक दिवसीय नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन शास्त्री नगर की भट्टा बस्ती में किया गया। शिविर में सौ से अधिक मरीजों ने परामर्श एवं नि:शुल्क दवाइयों का फायदा लिया। इस अवसर पर नि:शुल्क दवाईयां, मनोवैज्ञानिक परामर्श तथा ड्रग्स के दुष्परिणामों के बारे में बताकर ड्रग्स का सेवन न करने के लिए जागरुक भी किया गया। शिविर में संस्थान के डॉ. अनिता, डॉ. अमोल, डॉ. दिनेश कुमावत, डॉ. रिंकेश, डॉ. रहीश, डॉ. नारायण एवं डॉ. किशोर दास ने भाग लिया।

पेयजल लाईन को किया क्षतिग्रस्त

भुसावर, (निसं)। उपखण्ड भुसावर के क्रेशर जोन क्षेत्र से निकलने वाले खनन सामग्री से भरे वाहनों से आमजन पूरी तरह परेशान है। हिण्डौन सडक मार्ग स्थित पीएनबी बैंक के सामने, जहां तेज रफ्तार ट्रक चालक ने वाहन को लापरवाही से चलाते हुए सडक किनारे नाले के पास होकर कॉलोनी में पेयजल सप्लाई के लिए डाली गई पाईपलाईन को क्षतिग्रस्त कर दिया और फरार हो गया जिससे कॉलोनी में पानी की सप्लाई नही होने से कॉलोनी के लोगों को पेयजल के लिए भटकना पडा। जिसका पता चलते ही जलदाय विभाग के कार्मिक मौके पर पहुंचे और घंटों की मशक्कत के बाद पाईपलाईन को दुरूस्त कर राहत प्रदान की। मिली जानकारी के अनुसार देर रात्रि को ट्रक चालक ने वाहन को लापरवाही से चलाते हुए सडक किनारे होकर जा रही पेयजल लाईन को क्षतिग्रस्त कर दिया और फरार हो गया। प्रात: जब कॉलोनी के लिए पानी छोडा गया तो कॉलोनी में पाईपलाईन क्षतिग्रस्त होने के कारण पानी नही पहुंचा जिसकी जानकारी कॉलोनी के लोगों ने प्रशासन को दी जिस पर तुरन्त जलदाय विभाग जेईएन शैलेन्द्र सैनी ने कार्मिकों को भेजकर क्षतिग्रस्त पाईप लाईन को दुरूस्त करवाया।

बीज विक्रेता पर कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में आक्रोश

टोडाभीम (निसं)। उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत मातासूला के गांव जोधपुरा में अच्छी बारिश होने के बाद किसानों ने खेतों में फसल बुवाई का कार्य भी शुरू कर दिया है। इसी को लेकर राज्य सरकार ने अधिकारियों को भी क्षेत्र की खाद बीज की दुकानों का निरीक्षण करने के भी निर्देश दे रखे हैं। लेकिन सख्ती के बाद भी खाद बीज संचालक नकली बीज बेचने से बाज नहीं आ रहे हैं। कृषि के निरीक्षण करने के दावे खोखले साबित हो रहे है। नकली बीज बेचने का मामला क्षेत्र के गांव जोधपुरा में सामने आया हैं।

बाजरे के बीज की बुवाई करने के कई दिन बाद भी अंकुरित नहीं होने से किसानों में रोष व्याप्त है।

- जोधपुरा गांव में खेतों में बीज अंकुरित नहीं हुए
- किसानों ने नकली बीज देने का लगाया आरोप

ग्रामीणों ने जानकारी पर बताया कि 50 रुपये सस्ते के लालच में ग्रामीण मेहंदीपुर बालाजी थाना क्षेत्र के सिकराय से ओम खाद बीज भंडार की दुकान से बाजरे के बीज की सौ थैलियां खरीदकर लाये थे। बारिश के बाद जोधपुरा के सैकड़ों की किसानों ने ओम खाद बीज भंडार से प्रो एग्रो हाइब्रिड बाजरे का बीज खरीदा था। लेकिन बाजरे के बीज की खेतों में बुवाई करने के कई दिन बाद भी वो अंकुरित नहीं होने से किसानों में रोष व्याप्त है। जोधपुरा के ग्रामीणों के द्वारा नकली बीज बेचने की शिकायत एसडीएम दुर्गाप्रसाद मीना से की गई ग्रामीणों की शिकायत पर एसडीएम दुर्गाप्रसाद मीना ने कहा कि मामला दौसा जिले का इसमें हम कार्यवाही के लिये कृषि अधिकारियों को लिखेंगे। ग्रामीणों ने जानकारी और बताया कि ऊक्त मामले की प्राथमिकी दर्ज करवाने के लिए ग्रामीण टोडाभीम थाने में गये तो थानाधिकारी ने मामला दौसा जिले क्षेत्र का बताकर ग्रामीणों को चादुसा गाव के थाना क्षेत्र में मामला दर्ज करवाने की बात कही गई। जिला कृषि अधिकारी ने जानकारी पर बताया कि सिकराय के चांदूसा गांव में संचालित ओम खाद बीज भंडार की दुकान से बाजरे के बीज के सैम्पल ले लिए गए हैं। उन्होंने बताया कि दुकान से लिये गए सैम्पलों को जांच के लिए भिजवा दिया गया हैं जांच के बाद ही कोई कार्यवाही की जावेगी। इस दौरान किसानों ने कृषि पर्यवेक्षक राजेन्द्र कुमार मीना को इसकी जानकारी दी तो उन्होंने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया तो उन्हे खेतों में 5 से 10 फीसदी बीज ही अंकुरित पाया गया। वहीं ग्रामीण की। मांग पर ऊक्त दुकानदार के सैम्पल लेने की कार्यवाही जिले के अधिकारियों के माध्यम से दौसा के कृषि अधिकारियों के द्वारा करवाई गई हैं। कृषि पर्यवेक्षक राजेन्द्र कुमार मीना ने बताया कि विभाग द्वारा किसानों की सूची बना ली गई हैं यदि जांच में बीज खराब पाया गया तो पीड़ित किसानों को मुआवजा मिल जाएगा।

सार-समाचार

रास्तों से हटाया अतिक्रमण

मासलपुर, (निसं.)। मासलपुर पंचायत समिति की ग्राम पंचायत खेड़िया प्रशासन ने रविवार को मलूकपुरा गांव में कार्यवाही करते हुए खेत और श्मशान घाट को जाने वाले रास्तों से अतिक्रमण हटाया। खेत और श्मशान घाट के जाने वाले रास्तों में हो रहे अतिक्रमण से किसानों व ग्रामीणों की समस्या को देखते हुए ग्राम पंचायत सरपंच रायसिंह द्वारा अतिकमियों से अतिक्रमण हटाने की पहल शुरू की गई। जिसके चलते रविवार को सकारात्मक रुझान सामने आए सरपंच की पहल पर ग्रामीण अतिक्रमण हटाने को तैयार हुए। जिस पर सरपंच ने जेसीबी बुलाकर गांव के खेत और श्मशान घाट को जाने वाले रास्तो पर जेसीबी चलाकर रास्तों से अतिक्रमण हटाया।

फूड लाइसेंस शिविर आयोजित

करौली (निसं.)। खाद्य पदार्थ बेचने एवं बनाने वालों को सरकार द्वारा लाइसेंस की अनिवार्यता के अंतर्गत फूड लाइसेंस बनाने संबंधी शिविर का आयोजन मीना धर्मशाला सपोटरा में किया गया जहां 68 रजिस्ट्रेशन जारी किये गये। मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ दिनेश चंद मीणा ने बताया कि सरकार के निर्देशानुसार सभी खाद्य पदार्थ बेचने वाले एवं बनाने वालों को फूड लाइसेंस की अनिवार्यता पर मीना धर्मशाला सपोटरा में शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें प्राप्त सभी 68 आवेदनों का रजिस्ट्रेशन मौके पर ही जारी किये गये।

जैविक खेती करने की जानकारी दी

गंगापुर सिटी, (निसं)। भारतीय किसान संघ दो दिवसीय अभ्यास वर्ग गुलकन्दी देवी आदर्श विद्या मंदिर में प्रांत मंत्री लटूर सिंह गुर्जर के सानिध्य में आयोजित किया गया। अभ्यास वर्ग शिविर में किसान संघ के सभी तहसील व जिला पदाधिकारियों ने भाग लिया। इस दौरान सभी को किसान संघ की रीति नीतियो, जैविक खेती, जल संरक्षण, गौ रक्षा आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

जाट महा सम्मेलन का शुभारंभ

भरतपुर (निसं)। जाट हवेली, सर छोटूराम पशुधन सहायक प्रशिक्षण संस्थान के सभागार में राजस्थान जाट महासभा के प्रदेश अध्यक्ष राजाराम मील के मुख्य अतिथ्य में व अखिल भारतवर्षीय जाट महासभा के पूर्व राष्ट्रीय महामन्त्री इतिहासकार रामवीर सिंह वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित जाट महा सम्मेलन का शुभारम्भ अखिल भारतवर्षीय जाट आरक्षण संयुक्त संघर्ष समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष एच.पी. सिंह परिहार, मथुरा जिला महा पंचायत के अध्यक्ष चौधरी किशन सिंह एवं प्रमुख उद्योगपति दीपराज सिंह, रज्जन सिंह ताखा ने महाराजा सूरजमल के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन एवं माल्यार्पण कर किया। जाट महा सम्मेलन के मुख्य अतिथि राजाराम मील ने समारोह को सम्बोधित करते हुये कहा कि सरकार ओ.बी.सी. के आरक्षण को जातियों में बांट कर जातीय संघर्ष के हालात पैदा करना चाहती है, जिसे जाट किसी भी हालात में नही होने देंगे। उन्होंने जाट महापुरूषों की उपेक्षा पर रोष व्यक्त किया। जाट आरक्षण संघर्ष समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष एच.पी.सिंह परिहार ने समाज की एकता पर बल दिया। जाट सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुये जाट महासभा के पूर्व राष्ट्रीय महामन्त्री इतिहासकार रामवीर सिंह वर्मा ने प्रस्ताव रखा कि भरतपुर जाट महासभा का जिलाध्यक्ष डा प्रेम सिंह कुन्तल को पुन: सर्व सम्मति से निर्वाचित किया जाता है। जाट सरदारी ने हाथ उठाकर प्रस्ताव का समर्थन करते हुए डॉ. प्रेम सिंह कुन्तल को जिला अध्यक्ष चुना। समारोह में मैडीकल कॉलेज का नाम महारानी किषोरी के नाम से रखने, भरतपुर फोर्ट डिवलपमेन्ट आथोर्टी का गठन करने, राजस्थान के जाटों के लिये वीर तेजाजी विकास बोर्ड का गठन करने, डीग के जल महलों को वर्ल्ड हेरीटेज मोनूमेन्ट घोषित करने, यू.आई.टी. ऑडिटोरियम का नाम भरतपुर के अन्तिम शासक महाराजा वृजेन्द्र सिंह के नाम रखने सहित ग्यारह प्रस्ताव सर्व सम्मति से पारित किये गये। स्वागत भाषण कैप्टेन लक्ष्मी नारायण ने दिया। समारोह में सभी अतिथियों का माल्यार्पण साफा, शाल व प्रतीक चिन्ह् देकर सम्मान किया गया।

चार दिन बाद समाप्त हुआ अनशन

भुसावर, (निसं)। उपखंड भुसावर के गांव पथेना में पिछले 4 दिनों से चल रहा अनशन प्रशासन के आश्वासन के बाद समाप्त हुआ। जहां तहसीलदार ने पहुंच कर अनशनकारी युवक को ज्यूस पिलाकर अनशन समाप्त करवाया। मिली जानकारी के अनुसार गांव पथैना के बिहारी जी मन्दिर पर भाजयुमो ग्रामीण मण्डल अध्यक्ष राकेश उर्फ रॉकी पथैना द्वारा ग्रामीणों के साथ गॉव की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर अनशन किया जा रहा था। जिसे लेकर चार दिन गुजर जाने के बाद तहसीलदार सुरेंद्र कुमार एवं थानाधिकारी मदन लाल मीणा मौके पर पहुंचे और अनशन कर रहे युवक से समझाइश करते हुए सभी मांगों को मानने एवं गांव की समस्याओं का जल्द निस्तारण करने की बात कहते हुए आश्वासन दिया। जिस पर सभी ग्रामीण एवं अनशनकारी युवक मान गया तो तहसीलदार ने अनशन कारी युवक को ज्यूस पिलाकर अनशन समाप्त करवाया।

संप्रेषण एवं किशोर गृह से दो बाल अपचारी फरार

करौली, (निसं)। करौली बाल सम्प्रेक्षण एवं किशोर गृह मे अधिकारियो की लापरवाही और लचर सुरक्षा व्यवस्था के चलते दो बाल अपचारी फरार हो गये जिसका कोतवाली थाने पर मामला दर्ज कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला मुख्यालय पर स्थित संप्रेषण एवं किशोर गृह में सुरक्षा व्यवस्था के अभाव के चलते 6 माह के अंतराल मे एक बार फिर दो बाल अपचारी फरार हुए। इससे पूर्व 26 जनवरी 2022 को इसी संप्रेषण गृह से दो बाल अपचारी फरार हो चुके है। यही नहीं वर्ष 2021 में भी बाल अपचारी फरार हुए। देखने लायक यह है कि सुरक्षा प्रबंधन के अभाव के चलते बाल अपचारीयों का फरार होने का सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। ना ही संप्रेषण एवं किशोर गृह प्रशासन गंभीरता से सुरक्षा के कड़े प्रबंध कर पा रहा है।

जानकारी के अनुसार शनिवार रविवार की मध्य रात्रि को दो बाल अपचारी संप्रेषण गृह भवन के ऊपर से कूद कर फरार हो गए। जिन की सूचना संप्रेषण गृह में रह रहे बाल अपचारीयों ने ड्यूटी पर तैनात गार्ड, कर्मचारियों को सूचना दी। सूचना पाकर गार्ड, कर्मचारियों ने संप्रेषण गृह के अधीक्षण केके सांखला को सूचना दी। सूचना पाकर अधिकारी मौके पर पहुंचे और बाल अपचारीयों के भागने की पूरी जानकारी ली जानकारी के बाद अधीक्षक ने कोतवाली पर बाल अपचारीयो के भागने का मुकदमा दर्ज कराया। मुकदमा में बताया कि संप्रेषण गृह में रह रहे महावीर जी थाना क्षेत्र और हिण्डौन सदर थाना क्षेत्र के दो बाल अपचारी फरार हो गये है। जिनके खिलाफ मामला दर्ज कर तलाश कर पुन: प्रेषित कराने की मांग की है। उधर कोतवाली प्रभारी दिनेश चंद मीणा ने बाल अपचारीयों के फरार होने का मामला दर्ज कर टीम गठित कर तलाश शुरू की।

रामरसिया दंगल में पौराणिक प्रस्तुतियों ने श्रोताओं का मन मोहा

गंगापुर सिटी, (निसं)। तहसील तलावडा के समीपवर्ती गांव टटवाडा में गांववासियों एवं आमजन के सहयोग से विशाल राम रसिया दंगल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान मंजू गुर्जर ने की। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर का गांव के पंच पटेलों ने संयुक्त रूप से माला व साफा पहनाकर भव्य स्वागत किया। प्रधान मंजू गुर्जर ने शमशान घाट की चारदीवारी एवं सौंदर्यकरण के लिए 10 लाख रुपए की घोषणा की। राम रसिया दंगल कार्यक्रम में 4 राम रसिया गायन पार्टियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में किशन की झोपडी, टोटोलाई, बुचौलाई, ठिकरिया एवं भिनौरा की पार्टियों ने धार्मिक कथाओं की प्रस्तुति दी। टोटोलाई पार्टी ने भगवान देव के बखान की कथा, बुचौलाई ने 24 बगडावतो की कथा, ठिकरिया ने माता साडू की तपस्या की कथा एवं भिनौरा ने भगवान देवनारायण जन्मोत्सव की कथा सुनाई। राम रसिया दंगल कार्यक्रम सुनने के लिए हजारों की संख्या में भीड का जनसैलाब उमड पडा।

मुख्य अतिथि पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर ने सम्बोधित करते हुए कहा कि राम रसिया दंगल जैसे कार्यक्रम हमारे समाज के पारम्परिक इतिहास के गवाह हैं, हमारे संस्कृति के प्रतीक हैं, इन आयोजनों से आपसी भाईचारा और सद्भावना का विकास होता है। पारस्परिक सद्भाव एवं समरसता को बढावा देने के लिए समय-समय पर इस प्रकार के आयोजन होते रहना बेहद जरूरी हैं। उन्होने मंच से सम्बोधित करते हुए कहा कि आप सब का प्रेम उन्हें यहाँ तक खींच लाया हैं। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने 2 घण्टे मंच पर बैठकर लोकगीतों का भरपूर आनंद उठाया। कार्यक्रम के अंत में गांव के पंच पटेलो की ओर से सभी मंडलियों के मेडियाओ को साफा बांधकर अभिनंदन किया। इस अवसर पर गांव में विशाल भंडारा भी किया गया। जिसमें हजारों लोगों ने प्रसादी ग्रहण की। मंच संचालन मुकेश देहात ने किया। इस दौरान प्रधान प्रतिनिधि रघुनाथ गुर्जर, सरपंच प्रहलाद टटवाडा, सरपंच लाला अमरगढ, सरपंच अखेराम भोपा, सरपंच हंसराज टोटोलाई, सरपंच धर्मसिंह चूली, रामखिलाडी ठेकेदार, गुल्या सरपंच, कल्याण पटेल, विलास पटेल, हरिमोहन पटेल, जगनाथ पटेल, वरिष्ठ नेता घासीलाल बैंसला, के आर बैंसला करौली सहित सैकडो की संख्या में ग्रामीण महिला पुरूष मौजूद थे।

महिला की जान बचाई

भरतपुर (निसं)। भरतपुर के के रेलवे स्टेशन पर पिछले दिनों प्रात: एक चलती ट्रैन से नीचे उतर रही बुजुर्ग महिला उस समय बाल बाल बची जब उतरते समय उसका पैर फिसल गया लेकिन उसी समय वहां ड्यूटी पर तैनात आरपीएफ के जवानों की निगाह उस महिला पर पड़ी और भागकर उसकी जान बचाई। रेलवे पुलिस फॉर्स द्वारा प्राप्त जानकारी के मुताबिक जोधपुर हावड़ा एक्सप्रेस विगत दिन सुबह भरतपुर रेलवे स्टेशन पर रुकी थी और दो मिनट बाद रवाना हुई। गाड़ी के रवाना होते ही चलती गाड़ी से बुजुर्ग महिला प्रीतम कुंवर उतरते लगी जो गाड़ी से गिर गई और प्लेटफार्म व गाड़ी के बीच जाने लगी।

लेकिन उस घटना को देख आरपीएफ के दो जवान सुमेर सिंह मीणा व सुरेश चंद्र मीणा भागकर वहां आये और महिला को पकड़कर उसकी जान बचाई। महिला स्टेशन पर उतरी थी ट्रेन से महिला यात्री का नाम प्रीतम कुंवर उम्र 59 वर्ष जो उक्त गाड़ी में पीएनआर नंबर 2237932956 पर कोच नंबर एस/5 की बर्थ नंबर -34 पर जोधपुर से भरतपुर की यात्रा कर रही थी।

पिता का सिर से साया उठने के बाद मदद के लिये लोग आगे आये

मासलपुर (निसं.)। पांच नाबालिग बच्चों के सिर से पिता का साया उठने के बाद दर-दर की ठोकरें खा रहे बच्चों की मदद के लिए लोगों के हाथ आगे बढने लगे हैं। अपने पिता के साथ बुरा वक्त गुजारने नानी के घर आए मासूमों का समय ने यहां भी पीछा नहीं छोड़ा व मासूमों के सिर से पिता का साया उठ गया। मासूम दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं उन्हें अपने जीवन कटने की चिंता सताने लगी है। मासूमों को रोने के सिवा कुछ नहीं सूझ रहा है घटना दिल पसीजने की है।

मासलपुर के निकट कसारा गांव में पीड़ित परिवार को दक्ष प्रजापति विकास संस्थान के संरक्षण रामेश्वर ठेकेदार ने आर्थिक सहायता राशि सौंपी।

मासूमों को देख बरबस सबका मदद करने को दिल करता है ऐसे में कसारा गांव के युवाओं ने मासूमों की मदद के लिए सहायता का मिशन शुरू किया है और लोगों ने मदद के लिए हाथ बढ़ाने शुरू कर दिए हैं। घटना मासलपुर क्षेत्र के कसारा गांव की है। जहां गंगाजी की कोठी जिला सवाई माधोपुर निवासी रामराज प्रजापत अपने पांच मासूम बच्चों,पत्नी बुजुर्ग मां के साथ रोजी-रोटी की तलाश में 10 जून को ससुराल कसारा गांव आया हुआ था। मगर 18 जून को उसका एक्सीडेंट हो गया जयपुर अस्पताल में उपचार के दौरान 23 जून को उसकी मृत्यु हो गई। वही बड़े भाई सुरेश प्रजापति की 1 वर्ष पूर्व किसी के द्वारा हत्या कर शव कुएं में फेंक दिया गया। अब परिवार का सबसे बड़ा बेटा 10 वर्ष का है जो कमा नहीं सकता 4 नवालिंग बेटियां हैं ऐसे में परिवार चलाने की मुश्किलें खड़ी हो गई है। परिवार की आय का कोई साधन नहीं है हालात गंभीर है कसारा गांव की युवा टीम द्वारा सहायता की पहल शुरू की गई है। इसी कढी मे मृतक के परिवार जनो को ढांढस बंधाने पहुँचे दक्ष प्रजापति विकास संस्थान करौली के संरक्षण रामेश्वर ठेकेदार ने परिवार के पालन पोषण के लिये 11 हजार रुपये की आर्थिक सहायता भेंट की। इस दौरान उनके साथ लखन गुबरेडा, अमर सिंह समलेटी, गंगाराम प्रजापत, रमेश चन्द प्रजापत, राजाराम ठेकेदार, राजू, उदय सिंह, रतीराम प्रजापत, रामजीलाल, शेरसिंह सहित कई समाज के अन्य लोग साथ थे।

अपना घर समिति ने श्रमदान किया

गंगापुर सिटी, (निसं)। मां माधुरी बृज वारिस सेवा संस्था बझेरा,भरतपुर से सम्बद्ध अपना घर सेवा समिति गंगापुर सिटी द्वारा सेवा कार्यों के सरोकार के तहत रविवार को प्रात: 6.30 बजे दशहरा मैदान के पास स्थित हीरालाल मोक्षधाम श्रमदान कार्यकम का आयोजन किया गया। अपना घर सेवा समिति के संयुक्त सचिव विश्वबंधु आर्य ने बताया कि कार्यक्रम के प्रभारी राकेश कुमार (लाला) एवं देवेंद्र मित्तल के निर्देशन में साफ सफाई का कार्य किया गया जिसमें पूरे मोक्षधाम परिसर में कचरे की सफाई कर, झाड़ू लगाकर कचरे व पॉलिथीन को नष्ट कर मोक्षधाम को पोलीथीन एवं कचरा मुक्त किया गया जिससे मोक्षधाम के सौंदरीयकरण में निखार आया। समिति के इस कार्यक्रम में नगर परिषद सभापति एवं समिति सदस्य शिवरतन अग्रवाल भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर मोतीलाल रावत, डॉ.एन.आर. मीना, अशोक बंसल, कमलेश भारद्वाज, घनश्याम रावत, चौखेलाल वर्मा, गिर्राज गोयल, डॉ. सीताराम अग्रवाल, हरिचरण गुप्ता आदि सदस्यों ने हिस्सा लिया।

चौपाटी निर्माण कार्य पर असंतोष व्यक्त किया

भरतपुर (निसं)। भरतपुर में आयुर्वेद राज्यमंत्री डॉ. सुभाष गर्ग ने शहर में चल रहे निर्माण कार्यों का अवलोकन किया। नगर निगम की ओर से बनाये जा रहे चौपाटी पर व नहर के पास फर्श निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवालिया निशान लगाए और घटिया स्तर का निर्माण कार्य के दौरान होने पर नाराजगी जताई। किला में बिहारीजी मंदिर परिसर में चल रहे निर्माण कार्य एवं अन्य कार्यों पर नाराजगी जताई और नगर निगम के संबंधित इंजीनियर एवं ठेकेदारों के खिलाफ कार्यवाही करने के निर्देष भी दिए। इस दौरान मंत्री सुभाष गर्ग के साथ जिला कलेक्टर आलोक रंजन, नगर निगम आयुक्त कमलराम मीणा, एसडीएम देवेन्द्र परमार सहित इंजीनियर एवं संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

सुजान गंगा किनारे चौपाटी एवं नहर के पास बन रहे फर्श निर्माण में घटिया सामग्री का प्रयोग किया जा रहा है। मापदंड और नियमानुसार कार्य नहीं किया जा रहा था। उन्होंने लापरवाह अधिकारियों व ठेकेदार के खिलाफ कार्यवाही के निर्देश दिये। रविवार को तकनीकी शिक्षा एवं आयुर्वेद राज्य मंत्री डॉ. सुभाष गर्ग ने सुजान गंगा नहर के किनारे मंशा देवी के निकट नगर निगम द्वारा बनाये जा रहे चौपाटी निर्माण की गुणवत्ता को देखकर असंतोष व्यक्त करते हुये नगर निगम आयुक्त को निर्देश दिये कि संवेदक को नोटिस देकर उसके विरूद्ध आवश्यक कार्यवाही करें। अवलोकन के दौरान पाया गया कि संवेदक ने निर्माण कार्यों में समय और गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया जिसकी वजह से निर्माण का कार्य समय पर पूरा नहीं हो सका।

उन्होंने निर्देश दिये कि निगम के सहायक अभियंता नियमित रूप से कार्य की गुणवत्ता एवं गति की मॉनिटरिंग करें और किसी भी प्रकार की लापरवाही मिले तो संवेदक को नोटिस देकर ब्लैक लिस्ट करने की कार्यवाही करें। उन्होंने सुजान गंगा के किनारे किये जा रहे स्टोन फ्लोरिंग के कार्य को देखकर नाराजगी व्यक्त करते हुये कहा कि कार्य गुणवत्ता पूर्ण नहीं होने की वजह से पुराने निर्माण कार्य को हटाकर नये सिरे से करायें। उन्होंने जिला कलक्टर को निर्देश दिये कि कार्य में लापरवाही बरतने वाले अभियंता को नोटिस जारी कर विभागीय कार्यवाही अमल में लायें।

आरबीएम चिकित्सालय में निर्मित हो रहे सुपर स्पेसियलिटी ब्लॉक का किया अवलोकन

भरतपुर, (निसं)। तकनीकी शिक्षा एवं आयुर्वेद राज्य मंत्री डॉ. सुभाष गर्ग ने रविवार को आरबीएम चिकित्सालय परिसर में करीब 88 करोड़ रूपये की लागत से बन रहे सुपर स्पेसियलिटी ब्लॉक का अवलोकन किया जहां उन्होंने निर्माण एजेन्सी के अभियंताओं को निर्देश दिये कि गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जायेगा और गुणवत्ता की जांच के लिये प्रतिदिन आरएसआरडीसी के इंजीनियर मॉनिटरिंग करेंगे।

तकनीकी शिक्षा एवं आयुर्वेद राज्य मंत्री डॉ. सुभाष गर्ग ने आरबीएम चिकित्सालय परिसर में सुपर स्पेसियलिटी ब्लॉक का अवलोकन किया जहां उन्होंने निर्माण एजेन्सी के अभियंताओं को निर्देश दिये।

- करीब 88 करोड़ रूपये की लागत से 6 मंजिला ब्लॉक का 18 माह में होगा निर्माण
- निर्माण में गुणवत्ता पर रखें विशेष ध्यान, नियमित करें मॉनिटरिंग : डॉ. गर्ग

अवलोकन के दौरान डॉ. गर्ग ने निर्देश दिये कि प्रतिमाह एक मंजिल का निर्माण होना चाहिये ताकि सम्पूर्ण भवन का निर्माण निर्धारित समय में हो सके। उन्होंने जिला कलेक्टर को निर्देश दिये कि भवन के कन्सलटेंट को पाबन्द करें कि वह निर्धारित समय पर आकर गुणवत्ता एवं अन्य कार्यों की जांच करे और यदि वह लापरवाही बरते तो उसे नोटिस जारी करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिये कि भवन से गन्दे एवं वर्षा जल की निकासी के लिये ड्रेनेज सिस्टम की कार्ययोजना बनाकर इसका कार्य भी प्रारम्भ करायें। उन्होंने आरएसआरडीसी के अभियंताओं को यह भी निर्देश दिये कि भवन को सैन्ट्रल एयरकन्डीशनर करने के लिये कार्ययोजना तैयार कर स्वीकृति के लिये भिजवायें।

डॉ. गर्ग ने नगर निगम के आयुक्त एवं अधिशाषी अभियंता को निर्देश दिये कि आरबीएम चिकित्सालय से रीको की ओर जाने वाली सडक का दोहरीकरण करने एवं दोनों पुलियाओं को चौडा करने की कार्ययोजना तैयार करें ताकि यह कार्य भी प्रारम्भ किया जा सके। इस सडक पर किये गये अतिक्रमणों को हटवायें की कार्यवाही प्रारम्भ करें। उन्होंने सुपर स्पेसियलिटी के मुख्य भवन के सामने मैन रोड के साथ साथ दोनों ओर सर्विस लेन भी बनायें ताकि अनावश्यक वाहन खडे नहीं हो सकें और पैदल आने-जाने वालों को कोई परेशानी नहीं हो। उन्होंने कहा कि आरबीएम चिकित्सालय परिसर के पास नगर विकास न्यास की स्कीम 10 में से आधे भाग की भूमि पर चिकित्सालय के कार्मिकों के आवासीय भवनों का निर्माण एवं अन्य मेडिकल शैक्षणिक संस्थाओं के निर्माण की कार्ययोजना भी तैयार करें। इस अवसर पर जिला कलेक्टर आलोक रंजन ने विश्वास दिलाया कि वे भवन के कन्सलटेंट के साथ बैठक कर प्रयास करेंगे कि भवन की गुणवत्ता की नियमित जांच हो और निर्माण कार्य को भी अपेक्षित गति मिलती रहे। इस दौरान नगर निगम के आयुक्त कमलराम मीणा, उपखण्ड अधिकारी देवेन्द्र परमार, प्रमुख चिकित्सा अधिकारी जिज्ञासा साहनी के अलावा आरएसआरडीसी, नगर निगम व नगर विकास न्यास के अभियंता उपस्थित थे।

'किसान की खुशहाली के बिना आजादी अधूरी है'

पीपल्दा जलोत्थान राजस्थान के 32 गांव के प्रमुख प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित हुई।

सवाई माधोपुर। पीपल्दा जलोत्थान राजस्थान के 32 गांव के प्रमुख प्रतिनिधियों की बैठक को संबोधित करते हुए किसान महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट ने कहा कि इस परियोजना के नाम के अनुकूल सिंचाई को प्राथमिकता देने के कारण प्रस्तावित 2 लाख हेक्टेयर के स्थान पर 4 लाख हेक्टेयर प्यासी भूमि को पानी दिए जाने से क्षेत्र में खुशहाली आएगी। भूमि को पानी मिलने पर जादुई प्रभाव होता है तब भूमि सोना उगलने लगती है। योजना में उपलब्ध पानी में से 80 प्रतिशत तक पानी को सिंचाई हेतु आरक्षित किया जाना इसके लिए आवश्यक है। उपस्थित सभी प्रतिनिधियों ने गांव-गांव में जागरण करने एवं किसानों का विशाल सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया और इसके लिए पूर्व सरपंच गण्डावर लोकेंद्र मीणा को संयोजक बनाया। इसी के साथ संयोजन समिति बनाई जिसमें मेई कलां के पूर्व सरपंच महावीर प्रसाद जाट, राम किशन जाट, सोनकच्छ के रामप्रसाद गुर्जर, मेई खुर्द से हेमराज बैरवा, बड़वास के प्रहलाद मीणा, कामोखरी से सुग्रीव जाट, मेई कलां से सीताराम जाट, गोठड़ा से बनवारी (सोशल मीडिया प्रमुख), रामबाबू, ज्ञान सिंह, गण्डावर से रोशन मीणा को नामित किया गया।

पंचायत समिति खंडार के सदस्य रामफूल मीणा को भी समिति में रखा गया जिन्होंने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सभी को तन मन धन से इस कार्य में जुट जाने का आव्हान किया।

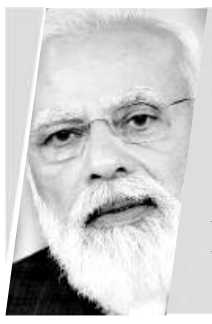

क्रिकेट से उनके संन्यास ने कई खेल प्रेमियों को भावनात्मक रूप से प्रभावित किया। मिताली ना सिर्फ असाधारण खिलाड़ी रही बल्कि कई खिलाड़ियों की प्रेरणा भी रहीं। मैं भविष्य के लिए मिताली को शुभकामनाएं देता हूं। **- नरेन्द्र मोदी**

प्रधानमंत्री, भारतीय क्रिकेटर मिताली राज के बारे में।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

मीराबाई चानू

भारतीय स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू राष्ट्रमंडल खेलों में प्रबल दावेदार के रूप में शुरूआत करेंगी और उनका कहना है कि इनमें उनकी प्रतिस्पर्धा किसी और से नहीं बल्कि खुद से होगी। चानू का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 207 किग्रा (88 किग्रा 119 किग्रा) का है जो नाइजीरिया की स्टेला किंग्सले से बेहतर है जो उनकी निकटतम प्रतिद्वंद्वी है और वह अब तक 168 किग्रा (72 किग्रा 96 किग्रा) का ही वजन उग्र सकी हैं। चानू ने पिछले राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद उन्होंने ओलंपिक में रजत पदक, एशियाई चैम्पियनशिप में कांस्य और एक विश्व रिकॉर्ड भी अपने नाम किया।

क्या आप जानते हैं ?... एक टेस्ट मैच में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड इंग्लैंड के खिलाड़ी ग्राहम गूच के नामहै। गूच ने 1990 में भारत के खिलाफ 33 और 123 रन बनाए।

मध्य प्रदेश ने 71 साल बाद जीती अपनी पहली रणजी ट्रॉफी

बेंगलुरू, 26 जून। अंग्रेज़ शासन काल के दौरान 1934 में शुरु हुई रणजी ट्रॉफी में मध्य प्रदेश का आगमन 1950-51 सत्र में हुआ था, और एमपी ने रविवार को 2021-22 सत्र के फाइनल मुकाबले में मुंबई को छह विकेट से हराकर 71 साल बाद अपना पहला रणजी खिताब जीत लिया।

मध्य प्रदेश ने बेंगलुरू के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में हिमांशू मंत्री (37) और शुभम शर्मा (30) की बदौलत 108 रन के लक्ष्य को हासिल कर इतिहास रचा। आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिये खेलने वाले रजत पाटीदार ने भी "आरसीबी, आरसीबी" के नारों के बीच बहूमूल्य 30 रन जोड़े। पाटीदार ने ही अंतिम रन बनाते हुए मध्य प्रदेश को उसका पहला रणजी खिताब जिताया।

मुंबई ने पांचवें दिन 113/2 से शुरुआत करते हुए तेजी से रन बनाये। अरमान जाफर (40 गेंदों पर 37 रन) के आउट होने के बाद क्रीज पर मौजूद सुवेद पारकर और सरफ़राज़ खान लय में दिख रहे थे, लेकिन कुमार कार्तिकेय ने पारकर को आउट कर मध्य प्रदेश के लिये दरवाजे खोल दिये। पारकर ने 58 गेंदों पर तीन चौके और एक छक्का लगाकर 51 रन बनाये। मुंबई के शम्स मुलानी (17) और तुषार देशपांडे (07) रन आउट भी हुए जिसने मध्य प्रदेश के काम को आसान किया। 232 रन पर छह विकेट गंवाने के बाद मुंबई की आखिरी उम्मीद सरफ़राज़ थे, मगर वह भी सिर्फ दो चौकों और एक छक्के की मदद से 45 रन ही बना सके। मुंबई ने अपने अंतिम सात विकेट 77 रन के अंदर खोये और टीम 269 रन पर सिमट गयी।

पहली पारी में 162 रन की बढ़त हासिल करने वाली एमपी के सामने 108 रन का लक्ष्य था, जिसे उन्होंने चार विकेट के नुकसान पर ही हासिल कर लिया। सलामी बल्लेबाज यश दूबे सिर्फ एक रन बनाकर पवेलियन लौट गये थे और एक समय पर लग रहा था कि मैच रोमांचक हो सकता है, मगर हिमांशू और शुभम ने दबाव में संयम दिखाते हुए 52 रन की साझेदारी की।

हिमांशू के 54 रन पर आउट होने तक एमपी ने आधा रास्ता तय कर लिया था। चौथे नंबर पर आए पार्थ साहनी सिर्फ पांच रन ही बना सके, लेकिन शुभम ने टीम पर दबाव नहीं बढ़ने दिया और पाटीदार के साथ 45 रन की साझेदारी कर अपनी टीम के लिये पहली रणजी ट्रॉफी सुनिश्चित की। पहली पारी में शतक लगाने वाले शुभम ने दूसरी पारी में एक चौके और एक छक्के के साथ 30 रन बनाये। 101 रन के स्कोर पर शुभम बड़ा शॉट लगाने के प्रयास में आउट हुए जिसके बाद पाटीदार ने टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया।

हमेशा लगता था कि 23 साल पहले यहां कुछ छूट गया है : पंडित

बेंगलुरू, 26 जून। मध्य प्रदेश के मुख्य कोच चंद्रकांत पंडित दो दशक से अधिक समय से दर्दनाक हार का बोझ उठाये हुए थे और रविवार को टीम के रणजी ट्राफी खिताब जीतने के बाद उनकी नम आंखों से मुंबई के ड्रेसिंग रूम की ओर सम्मान के तौर पर हाथ जोड़ने की प्रतिक्रिया को बखूबी समझा जा सकता है। रजत पाटीदार के मध्य प्रदेश के इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण एक रन लेने के बाद मुख्य कोच पंडित के लिये एक चक्र पूरा हुआ जो 23 साल पहले बतौर खिलाड़ी राज्य की टीम को पहला रणजी ट्राफी खिताब जीतने की विफलता के बाद हुआ। रणजी ट्राफी जीतने के बाद थके हुए दिख रहे पंडित ने कहा, "हर ट्राफी संतुष्टि देती है लेकिन यह विशेष है। मैं 23 साल पहले मध्य प्रदेश के कप्तान के रूप में इसे नहीं दे सका था। इतने वर्षों तक मुझे हमेशा महसूस हुआ कि यहां मेरा कुछ छूट गया है। इसलिये ही मैं इसके बारे में थोड़ा ज्यादा उत्साहित और भावुक हूं। खिलाड़ी के तौर पर पंडित काफी दिल तोड़ने वाली हार देख चुके हैं जिसमें उनकी सर्वश्रेष्ठ 39 रन की पारी चेपक में आस्ट्रेलिया के खिलाफ टाई हुए टेस्ट में बनना शामिल है।

भारत, लेस्टरशर का अभ्यास मैच ड्रॉ

लेस्टर, 26 जून। भारत और लेस्टरशर के बीच चार दिवसीय अभ्यास मैच रविवार को ड्रॉ में समाप्त हुआ। भारत ने चौथे दिन 364 रन बनाकर लेस्टरशर के सामने 366 रन का लक्ष्य रखा था, जिसके जवाब में लेस्टरशर ने दिन के अंत तक चार विकेट के नुकसान पर 219 रन बनाये। इस मैच से भारत कई सकारात्मक पहलू लेकर जा सकता है। भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने अभ्यास मैच की दो पारियों (33, 67) में कुल 100 रन बनाये।

सलामी बल्लेबाज़ शुभमन गिल भी लय में नज़र आये और उन्होंने लेस्टरशर की ओर से दूसरी पारी में खेलते हुए 62 रन बनाये। उन्होंने 77 गेंदों की अपनी पारी में आठ चौके और दो छक्के लगाये। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज़ में खराब प्रदर्शन करने वाले रिषभ पंत ने लेस्टरशर की ओर से पहली पारी में 14 चौकों और एक छक्के की बदौलत 76 रन बनाये। श्रेयस अय्यर ने भी दूसरी पारी में 62 रन बनाकर इंग्लैंड के खिलाफ एक जुलाई को शुरू होने वाले पांचवें टेस्ट के लिये अपनी दावेदारी पेश की। ऑल राउंडर रविंद्र जडेजा दूसरी पारी में 56 रन बनाकर नाबाद रहे।

इसके अलावा शीर्ष गेंदबाज़ मोहम्मद शमी ने पहली पारी में तीन विकेट लिये, हालांकि उन्हें दूसरी पारी में कोई विकेट हासिल नहीं हुआ। जडेजा ने चार, शार्दुल ठाकुर ने तीन और मोहम्मद सिराज ने दो विकेट लिये।

भारत को एक जुलाई से इंग्लैंड के खिलाफ पुनर्निर्धारित पांचवां टेस्ट खेलना है। यह टेस्ट पिछले साल हुई पांच मैचों की श्रंखला का हिस्सा है, जो कई भारतीय खिलाड़ियों के कोरोना संक्रमित होने के बाद स्थगित हो गया था। भारत इस समय श्रंखला में 2-1 से आगे चल रहा है।

भारत ने 5-नेशन्स टूर्नामेंट में जीता रजत

डबलिन, 26 जून। भारतीय अंडर-23 महिला हॉकी टीम ने रविवार को यूनीफार अंडर-23 5-नेशन्स टूर्नामेंट के फाइनल में नीदरलैंड से 1-4 से हारने के बाद रजत पदक प्राप्त किया। नीदरलैंड ने आयरलैंड के यूसीडी डबलिन में हुए फाइनल मुकाबले के पहले हाफ में 2-1 की बढ़त हासिल कर ली। भारत ने दूसरे हाफ में वापसी का प्रयास किया, मगर डच टीम ने आक्रामक खेल दिखाते हुए मैच को अपने शिकंजे में कस लिया। नीदरलैंड ने दूसरे हाफ में दो और गोल करके मैच 4-1 से जीता और 5-नेशन्स टूर्नामेंट का स्वर्ण अपने नाम किया। पूरे टूर्नामेंट में फाइनल के अलावा एक भी मैच न हारने वाली भारतीय टीम को रजत से नवाज़ा गया। इससे पहले लीग स्टेज में नीदरलैंड के साथ हुए मुकाबले में भारत ने 2-2 से ड्रॉ खेला था, जबकि आयरलैंड, यूक्रेन और अमेरिका के खिलाफ भारत ने जीत दर्ज की थी।

चेन्नई ओपन शतरंज : बोरिस सावचेंको बने चैम्पियन

चेन्नई, 26 जून। रूस के शीर्ष वरीय ग्रैंडमास्टर बोरिस सावचेंको ने रविवार को यहां 13वें चेन्नई ओपन अंतरराष्ट्रीय ग्रैंडमास्टर शतरंज टूर्नामेंट 2022 में टाई-ब्रेक के जरिए भारतीय अंतरराष्ट्रीय मास्टर नितिन सेंथिलवेल को हराकर चैंपियन बने।

सावचेंको और नितिन दोनों के 10 दौर में साढ़े आठ अंक के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर थे। रूस के खिलाड़ी ने हालांकि बेहतर टाई-ब्रेक स्कोर के साथ खिताब अपने नाम किया।

नितिन नौवें दौर के बाद बढ़त बनाए हुए थे लेकिन आखिरी दौर में ग्रैंडमास्टर एलेक्सी फेडरोव (बेलारूस) के साथ मुकाबला ड्रॉ होने के बाद उनका अभियान साढ़े आठ अंक के साथ खत्म हुआ। इससे सावचेंको को तालिका में नितिन की बराबरी करने का मौका मिल गया। उन्हें आखिरी दौर के अपने मैच में अंतरराष्ट्रीय मास्टर आरण्यक घोष से कड़ी चुनौती मिली लेकिन वह भारतीय खिलाड़ी को शिकस्त देने में सफल रहे।

ग्रैंडमास्टर सावचेंको ने चेन्नई ओपन 2022 ट्रॉफी और तीन लाख रुपये का नकद पुरस्कार प्राप्त किया, जबकि उपविजेता नितिन को दो लाख रुपये मिले। बेलारूस के एलेक्सी फेडरोव और भारत के एल आर श्रीहरि ने आठ-आठ अंक हासिल किए, लेकिन फेडरेव बेहतर टाई-ब्रेक स्कोर के कारण तीसरे स्थान पर रहे।

स्विस प्रारूप में खेले गए इस टूर्नामेंट में 275-खिलाड़ियों ने भाग लिया। दस दौर के इस टूर्नामेंट में 11 ग्रैंडमास्टर और 14 अंतरराष्ट्रीय मास्टर सहित 275 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।

मेयर्स के शतक से वेस्टइंडीज ने हासिल की बढ़त

ग्रॉस आइलेट, 26 जून। काइल मेयर्स (126 नाबाद) के शतक और कप्तान क्रेग ब्रेथवेट (51) के अर्द्धशतक ने वेस्ट इंडीज को बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन शनिवार को 106 रन की बढ़त दिलायी। पहली पारी में बांग्लादेश को 234 रन पर समेटने के बाद कैरिबियाई टीम ने पहले दिन के अंत तक बिना किसी नुकसान के 67 रन बना लिये थे। दूसरे दिन मैच को यहीं से आगे बढ़ाते हुए ब्रेथवेट और जॉन कैम्पबेल ने 100 रन की साझेदारी की। शोरिफुल इस्लाम ने 78 गेंदों पर छह चौकों की मदद से 45 रन बनाने वाले कैम्पबेल को आउट कर बांग्लादेश को पहली सफलता दिलायी। कप्तान ब्रेथवेट भी अपना अर्द्धशतक पूरा करते ही 51 रन पर आउट हो गये। उन्होंने 107 गेंदों की अपनी पारी में सात चौके लगाये।

इसके फौरन बाद ही वेस्ट इंडीज ने रेमन रीफर (22) और न्क्रुमाह बोनर (0) का विकेट भी गंवा दिया, मगर काइल मेयर्स और जरमेन ब्लैकवुड ने पारी को संभालते हुए 116 रन की साझेदारी की। आउट होने से पहले ब्लैकवुड ने 121 गेंदें खेलकर छह चौकों की मदद से 40 रन बनाये और टीम के स्कोर को 248 तक पहुंचा दिया।

इसके बाद मेयर्स ने विकेटकीपर जोशुआ डा सिल्वा के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाया और दिन का खेल खत्म होने तक वेस्ट इंडीज ने 340/5 रन बना लिये। इस दौरान मेयर्स ने अपना शतक भी पूरा किया। इस समय मेयर्स 180 गेंदों पर 15 चौकों और दो छक्कों की बदौलत 126 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं, जबकि डा सिल्वा 26 रन बनाकर खेल रहे हैं।

ओडिशा एफसी ने फर्नांडिज को मुंबई सिटी से ऋण पर लिया

भुवनेश्वर, 26 जून। ओडिशा एफसी ने रविवार को भारतीय मिडफील्डर रेनियर फर्नांडिज से करार की घोषणा की जो मुंबई सिटी एफसी के साथ 2020-21 सत्र में इंडियन सुपर लीग और शील्ड विजेता रह चुके हैं। मुंबई के 26 साल के खिलाड़ी को ओडिशा एफसी ने एक सत्र के लिये मुंबई सिटी एफसी से ऋण पर लिया है जिसकी ओर से वह तीन सत्र खेल चुके हैं। इसकी जानकारी क्लब ने एक बयान में दी।

फर्नांडिज ने अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण थाईलैंड में 2019 किंग्स कप में किया था। भारत के मुख्य कोच इगोर स्टिमक ने उन्हें अफगानिस्तान के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर के लिये टीम में शामिल किया था और उन्हें बांग्लादेश के खिलाफ टीम में भी चुना गया था। एयर इंडिया से अपना फुटबॉल करियर शुरू करने वाले फर्नांडिज ने संतोष ट्राफी में महाराष्ट्र का प्रतिनिधित्व किया था।

रोहित हुआ कोरोना संक्रमित

लेस्टर, 26 जून। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा कोरोना संक्रमित हो गए हैं। बीसीसीआई ने रविवार को यह जानकारी दी। बीसीसीआई ने ट्वीट किया, "भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा का शनिवार को रैपिड एंटी-जेन टेस्ट हुआ जिसमें वह कोरोना संक्रमित पाए गए हैं।" रोहित शर्मा एक जुलाई से होने वाले पांचवें पुनर्निर्धारित टेस्ट के लिये भारतीय टीम के साथ इंग्लैंड गये हैं। ट्वीट में कहा गया, "वह इस समय टीम होटल में बीसीसीआई चिकित्सक दल की निगरानी में हैं।" रोहित ने भारत और लेस्टरशर के बीच खेले जा रहे अभ्यास मैच की दूसरी पारी में बल्लेबाजी भी नहीं की। उन्होंने पहली पारी में 25 रन बनाये थे। उल्लेखनीय है कि भारत के उपकप्तान केएल राहुल चोटिल होने के कारण इंग्लैंड दौरे पर नहीं जा सके थे। यदि रोहित एक जुलाई से शुरू होने वाले टेस्ट मैच से पहले स्वस्थ नहीं हो पाते, तो भारतीय टीम को इस एक मैच के लिए नया कप्तान चुनना होगा।

अच्छी टीमों के साथ पिच पर समय बिताना जरूरी : थॉमस डेनर्बी

नयी दिल्ली, 26 जून। भारतीय अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम के हेड कोच थॉमस डेनर्बी ने मेक्सिको के खिलाफ रविवार को होने वाले मुकाबले से पहले कहा कि टीम को अपने खेल में सुधार करने के लिये अच्छी टीमों के खिलाफ पिच पर समय बिताने की जरूरत है। भारत की अंडर-17 लड़कियां वर्तमान में छठे टोरनेओ महिला फुटबॉल टूर्नामेंट में भाग ले रही हैं जहां वे पहले ही इटली और चिली का सामना कर चुकी हैं, और रविवार, 26 जून को इटली के विलेसे में मैक्सिको से भिड़ेंगी।

डेनर्बी ने कहा, "समय हमारे लिए महत्वपूर्ण है। जितना अधिक हम इस स्तर पर खेलते हैं उतना ही हम एक टीम के रूप में बेहतर होते हैं। उम्मीद है कि हम निरंतर सुधार के साथ इन मैचों को संभालना शुरू कर सकते हैं, लेकिन पहले सबसे बढ़कर, हमें मेक्सिको के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत है।"

भारत को इस सप्ताह इटली और चिली जैसे श्रेष्ठ विरोधियों के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है, लेकिन डेनर्बी का मानना है कि एक टीम के रूप में प्रदर्शन करके ऐसी बाधाओं को दूर किया जा सकता है।

उन्होंने कहा, "लड़कियां लड़ रही हैं और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन अगर आप हमारी टीम की तुलना दूसरों से करते हैं, तो वे तकनीक में हमसे थोड़ी बेहतर हैं। वे थोड़े मजबूत हैं, थोड़े तेज हैं, इसलिए हमें एक टीम के रूप में इन मुकाबलों को खेलने की जरूरत है, न कि व्यक्तियों पर भरोसा करने की। उम्मीद है कि हम एक साथ अच्छा खेल कर अच्छे परिणाम प्राप्त कर सकते हैं।"

62 वर्षीय डेनर्बी ने कहा कि वह अपनी टीम को गोल स्कोरिंग क्षेत्र में सुधार करते हुए देखना चाहते हैं। उन्होंने कहा, "जब हम इस स्तर की टीमों के साथ खेलते हैं, तो हमें अपने पास मौजूद गोल करने के अवसरों का उपयोग करने की आवश्यकता होती है। अगर हम ऐसा करते हैं, तो हम अच्छी स्थिति में होंगे। केवल एक चीज जो हम कर सकते हैं वह है कोशिश करना। हमें चिली के मुकाबले बेहतर खेल की जरूरत है।"

200 मीटर में तीसरी सबसे तेज भारतीय महिला बनी धनलक्ष्मी, हासिल किया स्वर्ण पदक

अल्माटी, 26 जून। शीर्ष फर्राटा धाविका सेकर धनलक्ष्मी ने कोसानोव स्मारक एथलेटिक्स मीट में रविवार को यहां 200 मीटर स्पर्धा में अपना सर्वश्रेष्ठ समय निकालते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया , जबकि गोला फेंक खिलाड़ी तजिंदरपाल सिंह तूर और भाला फेंक खिलाड़ी रोहित यादव बिना प्रतिस्पर्धा किए भारत लौट आए।

धनलक्ष्मी ने 22.89 सेकंड का अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ समय निकाला और वह 23 सेकंड से कम समय लेने वाली तीसरी भारतीय खिलाड़ी बन गयी। इससे पहले उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पिछले साल 23.14 सेकेंड का था। उन्होंने इस महीने की शुरुआत में चेन्नई में राष्ट्रीय अंतर-राज्य चैंपियनशिप में 23.27 सेकेंड के समय के साथ 200 मीटर का स्वर्ण जीता था।

अंडर-23 टूर्नामेंट के अंतिम मुकाबले में अमेरिका ने भारत को 4-1 से हराया

हेलसिंगबोर्ग, 26 जून। भारतीय महिला अंडर-23 टीम को तीन देशों के बीच खेले जा रहे 3-नेशन्स टूर्नामेंट के आखिरी मुकाबले में अमेरिका के हाथों 1-4 से हार का सामना करना पड़ा।

स्वीडन के हेलसिंगबोर्ग के लैरोड्स आईपी में शनिवार को हुए मुकाबले में भारत ने शानदार शुरुआत करते हुए आठवें मिनट में ही 1-0 की बढ़त हासिल की, लेकिन इसके बाद टीम के हाथ से मैच निकलता गया। अमेरिका ने पहले हाफ के अंत तक 1-1 से बराबरी कर ली, और दूसरे हाफ में आक्रामक खेल दिखाते हुए तीन और गोल दागकर 4-1 से मैच अपनी झोली में डाल लिया। भारत का एकलौता गोल प्यारी शाशा ने किया। अमेरिका की ओर से पहले मेसियाह ब्राइट ने गोल कर मैच को 1-1 पर ला खड़ा किया, जिसके बाद जेना निस्वोंगर ने फ्री किक को गोल में तब्दील कर अपनी टीम को 2-1 की लीड दिलायी।

क्लीन स्वीप से 113 रन दूर इंग्लैंड

लीड्स, 26 जून। इंग्लैंड ने न्यूज़ीलैंड के खिलाफ लीड्स टेस्ट में 296 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए चौथे दिन के अंत तक रविवार को 183 रन बना लिये। सीरीज़ में 2-0 से आगे चल रही इंग्लैंड को अब न्यूजीलैंड को क्लीन स्वीप के लिये 113 रन की आवश्यकता है। चौथे दिन 168/5 से न्यूज़ीलैंड की पारी को आगे बढ़ाते हुए डैरिल मिशेल और टॉम ब्लंडेल ने 113 रन की साझेदारी की। मिशेल ने 152 गेंद पर नौ चौकों की मदद से 56 रन बनाये। वह तीन मैचों की इस सीरीज़ में 107.60 की औसत से 538 रन बनाकर सर्वश्रेष्ठ कीवी बल्लेबाज रहे हैं।

मिशेल के आउट होने के बाद ब्लंडेल ने न्यूज़ीलैंड की पारी को आगे बढ़ाया और वह 88 रन बनाकर नाबाद रहे, मगर जैक लीच ने दूसरे छोर से पुछल्ले बल्लेबाजों को तेजी से निपटाया और न्यूज़ीलैंड 326 रन पर ऑल-आउट हो गयी। लीच ने दोनों पारियों में पांच-पांच विकेट सहित मैच में कुल 10 विकेट लिये। यह टेस्ट क्रिकेट में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। लीच के अलावा मैथ्यू पॉट्स ने तीन जबकि जेमी ओवरटन और जो रूट ने एक-एक विकेट लिया। इंग्लैंड ने 296 रन का पीछा करते हुए दोनों सलामी बल्लेबाज़ों को जल्दी खो दिया।

रूस, बेलारूस के खिलाड़ियों और रैंकिंग के बिना खेले जाने वाले विंबलडन में सेरेना की वापसी

विंबलडन, 26 जून। शीर्ष रैंकिंग के पुरुष टेनिस खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव सोमवार से शुरू हो रहे विम्बलडन टूर्नामेंट अपने खेल कौशल का प्रदर्शन नहीं कर पायेंगे क्योंकि यूक्रेन के खिलाफ जंग छेड़ने के कारण मेजबान ऑल इंग्लैंड क्लब ने रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों पर प्रतिबंध लगा दिया है। ऑल इंग्लैंड के इस कदम के कारण पेशेवर टेनिस का संचालन करने वाले एटीपी और डब्ल्यूटीए ने घास के कोर्ट पर खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट से रैंकिंग अंकों को खत्म कर दिया है। इन सब के बावजूद टूर्नामेंट से सेरेना विलियम्स को महिला एकल में एक साल के बाद वापसी का मंच मिलेगा। कई बड़े खिलाड़ियों ने रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों को प्रतिबंधित करने के फैसले की आलोचना की है। दिग्गज मार्टिना नवरातिलोवा ने कहा, यह गलत कदम है । इसमें खिलाड़ी क्या कर सकते है, क्या वे अपना देश छोड़ दे?"पुरुषों में तीन बार के गत चैम्पियन और शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने कहा, " इसमें क्या सही है और क्या गलत यह कहना काफी मुश्किल है। 90 के दशक में जब मैं बच्चा था तब मैंने युद्ध को करीब से देखा है। मैं यूक्रेन के लोगों का दर्द समझ सकता हूं।" सर्बिया के 35 साल के इस खिलाड़ी ने कहा, " इन सब के बावजूद मैं रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों के प्रतिबंधित करने के फैसले से सहमत नहीं हो सकता हूं।" कुछ अन्य खिलाड़ियों के लिए हालांकि यह अलग तरह की सतह पर अपने कौशल के प्रदर्शन के साथ बड़ी पुरस्कार राशि जीतने के मौके की तरह है। अमेरिका के 24वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी फ्रांसिस टियाफो ने कहा, इस बात को पचा पाना मुश्किल है कि यहां कोई रैंकिंग अंक नहीं होगा। लेकिन मैं यहां चीजों को हल्के में नहीं लूंगा।" मौजूदा महिला चैंपियन ऐश बार्टी मार्च में 25 साल की उम्र में संन्यास ले चुकी है। आठ बार के पुरुष चैंपियन रोजर फेडरर घुटने के ऑपरेशन के बाद खेल में वापसी नहीं कर सके हैं। उन्होंने पिछले साल के विंबलडन के बाद से किसी भी टूर्नामेंट में भाग नहीं लिया है। रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज अलेक्जेंडर ज्वेरेव फ्रेंच ओपन में अपने दाहिने टखने में चोट के कारण खेल से दूर है। दिग्गज सेरेना विलियम्स को वाइल्ड कार्ड मिलने से हालांकि टूर्नामेंट में थोड़ी रौनक होगी। तेइस बार की गैंडस्लैम विजेता सेरेना ने विंबलडन में सात बार एकल खिताब अपने नाम किया है। रिकॉर्ड 22 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने वाले राफेल नडाल ने अपने पसंदीदा फ्रेंच ओपन खिताब को 14वीं बार हासिल करने के बाद विम्बलडन में भी अपनी रिकॉर्ड को सुधारना चाहेंगे। चोट से जूझने के बाद भी लगातार अच्छा खेलने वाले स्पेन के 36 साल के खिलाड़ी ने कहा, " मैं बिना किसी परेशानी के चल पा रहा हूं। मेरे लिए यही मुख्य मुद्दा है। जब मैं सो कर उठ रहा हूं तो पहले की तरह दर्द महसूस नहीं कर रहा हूं।" फ्रेंच ओपन की महिला एकल चैम्पियन इगा स्वियातेक लगातार 35 मैचों से चली आ रहे जीत के सिलसिले को और लंबा खींचना चाहेगी।

अदिति अशोक केपीएमजी चैम्पियनशिप में 47वें स्थान पर

बेथेस्डा (अमेरिका), 26 जून। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक ने यहां महिला पीजीए चैंपियनशिप के तीसरे दौर के आखिरी नौ होल में वापसी करते हुए तीन बर्डी लगाकरपार 72 का स्कोर बनाया। बेंगलुरु की इस खिलाड़ी का कुल स्कोर अब तीन ओवर है, जिससे वह संयुक्त रूप से 47वें स्थान पर है। भारतीय पुरुष और महिला खिलाड़ियों में सबसे ज्यादा मेजर टूर्नामेंट खेलने वाली अदिति ने इस सत्र में अब तक औसत प्रदर्शन किया है। वह सत्र के एलपीजीए मेरिट सूची में 80वें स्थान पर हैं।

साढ़े तीन बजे से नहीं शुरू होगा भारत-इंग्लैंड का टेस्ट

फैंस के लिए किया समय में बदलाव

लंदन, 26 जून। इंग्लैंड और भारत के बीच रिशेड्यूल टेस्ट सीरीज का 5वां और आखिरी मैच 1 जुलाई से खेला जाना है। पिछले साल कोरोना की वजह से चार मैच के बाद यह सीरीज स्थगित कर दी गई थी। अब दोनों टीमें इस मुकाबले के लिए तैयार हैं। भारतीय टीम इंग्लैंड पहुंच चुकी है और लीसेस्टरशायर के खिलाफ अभ्यास मैच खेल रही है। इसके बाद टीम बर्मिंघम जाएगी। जहां यह टेस्ट मैच खेला जाना है।

इंग्लैंड में कोई भी टेस्ट मैच भारतीय समय अनुसार शाम 3 बजकर 30 मिनट पर शुरू होता है। इंग्लैंड में उस समय 11 बज रहे होते हैं, लेकिन डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक भारत और इंग्लैंड का टेस्ट मैच आधे घंटे पहले शुरू हो जाएगा। यानी भारत में यह मैच 3 बजे से ही लाइव दिखेगा। मैच की समाप्ति का समय 10 बजे होगा, जिसे आधे घंटे बढ़ाया जा सकता है। टीम को एक दिन में 90 ओवर फेंकने होते हैं।

इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने भारतीय फैंस को देखते हुए यह फैसला किया है। लेकिन टी20 मैच की टाइमिंग में कोई बदलाव होने की रिपोर्ट नहीं है। तीन मैच की टी20 सीरीज के दो मैच भारतीय समय अनुसार रात 11 बजे शुरू होंगे। भारत में कोई भी टेस्ट मैच सुबह 9.30 मिनट पर शुरू होता है, लेकिन इंग्लैंड में ओस होने की वजह से मुकाबले की शुरुआत देरी से होती है।

उमरान मलिक ने भारत के लिए किया टी-20 डेब्यू, आयरलैंड के खिलाफ मिला मौका

डब्लिन, 26 जून। आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 में जम्मू कश्मीर के तेज गेंदबाज उमरान मलिक भारत के लिए अपना डेब्यू कर रहे हैं। उमरान को आयरलैंड दौरे पर टीम इंडिया में शामिल किया गया है। इससे पहले साउथ अफ्रीका के खिलाफ पांच टी20 मैचों की घरेलू सीरीज में भी वह स्क्वाड में शामिल थे लेकिन उन्हें प्लेइंग इलेवन में खेलने का मौका नहीं मिला था। उमरान ने हाल ही समाप्त हुए इंडियन प्रीमियर लीग 2022 में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए शानदार प्रदर्शन कर अपनी तेज गति की गेंदबाजी से प्रभावित किया था। बारिश के कारण यह मैच 12-12 ओवर का खेला जायेगा।

मंगोलिया के पश्चिम में गोबी रेगिस्तान में कभी एक फलता-फूलता समृद्ध साम्राज्य था। धार्मिक शिक्षा, कला और व्यापार का केन्द्र रहे इस साम्राज्य के अब सिर्फ अवशेष बचे हैं। खारा खोटो (मंगोलियन भाषा में ब्लैक सिटी) की स्थापना 1032 ईस्वी में हुई थी। यह पश्चिमी शिया राजवंश (1038-1227) की राजधानी था। जल्दी ही यह एक प्रमुख व्यापारिक केन्द्र बन गया। सन् 1226 ईस्वी में इस पर चंगेज़ खान ने कब्ज़ा कर लिया पर उसने इस शहर को तहस नहस नहीं किया, जैसे कि चंगेज़ खान की सेना आमतौर पर अन्य शहरों के साथ करती थी। उल्टे यह शहर मंगोल शासन काल में खूब फला फूला। चंगेज़ खान के पोते, कुबलई खान के समय में यह शहर अपने मूल आकार से तीन गुना बढ़ गया था। मार्को पोलो ने अपने यात्रा वृतांत में "एट्ज़ीना" के नाम से इस शहर का जिक्र किया था। मंगोलों के शासन में स्थानीय टैंगूट लोग 10 सालों तक शांति से रहे। फिर 1372 ईस्वी में मिंग साम्राज्य ने इस पर कब्ज़ा कर लिया। किसी को भी नहीं पता कि इस शहर का पतन क्यों हुआ। स्थानीय कहानियों के अनुसार चालाक मिंग राजाओं ने शहर में पानी के एकमात्र स्रोत, एजिन नदी का मार्ग बदल दिया। यह नदी खारा खोटो शहर के बाहर से बहती थी। इसके बाद मिंग राजाओं की फौज ने शहर को घेर लिया। जनता के पास दो ही विकल्प थे, या तो प्यासे मर जाएं या सैनिकों से लड़ें। कहते हैं कि, मंगोल सेनापति खारा बातोर इस स्थिति से इतना त्रस्त हो गया कि, अपनी पत्नी और बच्चों की हत्या करके उसने आत्महत्या कर ली। एक अन्य कहानी है कि, सेनापति खारा बातोर शहर की चार दीवारी के उत्तरी पश्चिमी कोने को तोड़कर भाग गया। मिंग सैनिकों ने ना केवल शहर के सभी लोगों को मार डाला बल्कि मवेशियों और घोड़ों को भी काट दिया। इसके बाद खारा खोटो उजड़ गया। बीसवीं सदी के आरंभ में रुसी खोजी यात्री, प्योत्र कुज़मिक कोज़लोव के नेतृत्व में हुई मंगोल शिचुआन खोज यात्रा में शहर का पता चला। इस खोज के दौरान टैंगूट भाषा की 2000 किताबें और पांडुलिपियां, तथा एक स्तूप में बौद्ध धर्म की मूर्तियां और लकड़ी की कलाकृतियां मिलीं। यह सारा खजाना सेंट पीटर्सबर्ग भेज दिया गया। बाद में हुई खोजों में कई किताबें रोजमर्रा की वस्तुएं, धार्मिक कलाकृतियां आदि भी मिलीं।

'प्रधानमंत्री अब फौजियों को नो रैंक नो पैंशन का संदेश दे रहे हैं'

कांग्रेस सांसद दीपेन्द्र सिंह हुड्डा ने कहा कि, अग्निपथ योजना के विरोध में राजस्थान के सभी विधानसभा क्षेत्रों में विधायकों की मौजूदगी में होगा धरना प्रदर्शन

जयपुर, 26 जून (का.प्र.)। कांग्रेस अग्निपथ योजना को वापस लेने की मांग करते हुए 27 जून को पूरे देश में विरोध प्रदर्शन करने जा रही है और राजस्थान में भी सभी विधानसभा क्षेत्रों में विधायक/विधायक प्रत्याशी और प्रमुख नेताओं के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन और सभाओं का आयोजन होगा।

इससे पहले रविवार को अग्निपथ योजना को वापस लेने की मांग करते राज्यसभा सांसद और कांग्रेस कार्यसमिति सदस्य दीपेन्द्र सिंह हुड्डा ने केन्द्र की अग्निपथ स्कीम में रजिस्ट्रेशन के मुद्दे पर कहा कि देश के नौजवान इसमें रजिस्ट्रेशन कराएं, हमें कोई ऐतराज नहीं है। हम देश के युवा की आवाज उठा रहे हैं। युवा स्वतंत्र है। जिसको लगता है कि, केन्द्र सरकार की अग्निवीर स्कीम में रजिस्ट्रेशन कराएं तो हमें कोई ऐतराज नहीं है। हालांकि उन्होंने कहा कि शांति पूर्ण विरोध करें। केंद्र सरकार को भी कोई ऐतराज नहीं होना चाहिए कि कोई शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात कहे। सरकार को भी संयम और बड़ा दिल रखना चाहिए।

हुड्डा और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने संयुक्त रूप से संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बहुत से नौजवान इस स्कीम में अपना रजिस्ट्रेशन करवाएंगे। देश में बेरोजगारी का यह आलम है कि बहुत से नौजवान स्वाभाविक तौर पर रजिस्ट्रेशन करवाएंगे। देश में कहीं कोई चपरासी की पोस्ट भी निकलती है, तो पी.एच.डी. तक योग्यता वाले युवा उसमें आवेदन करते हैं। केन्द्र सरकार की आर्थिक नीतियों और सत्ता के कारण देश के युवाओं की ये हालात हैं। ऐसे में उस बात से सरकार को स्कीम की सफलता का अंदाजा नहीं लगाना चाहिए।

> ■ **उन्होंने कहा कि, कांग्रेस पूरे देश भर में सभी विधानसभा क्षेत्रों में विरोध प्रदर्शन करेगी।**

हुड्डा ने कहा केन्द्र सरकार देश के किसी भी छोटे गांव-कस्बे में चली जाए। हम निमंत्रण देते हैं राजस्थान में भी केन्द्र सरकार आए। मोदी अपना हेलिकॉप्टर सुबह 5-6 बजे उतार दें। राजस्थान हरियाणा में प्रैक्टिस करने वाले युवाओं ने रजिस्ट्रेशन करवाया होगा। उनसे पूछ लें क्या यह योजना ठीक है। इससे वो संतुष्ट हैं या नहीं हैं?

हुड्डा ने कहा कि केंद्र सरकार सेना में पेंशन रोकने के लिए अग्निपथ स्कीम लाई है। हरियाणा में रेवाड़ी की वीर भूमि से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वन रैंक, वन पेंशन का नारा दिया, लेकिन अब दिल्ली से नो रैंक नो पेंशन का संदेश फौजियों में दिया है, जो नैगेटिव है। एन.डी.ए. सरकार के रक्षा बजट में पिछले 5 साल में बड़ी कटौती हुई है। साल 2017-18 में रक्षा बजट 17.8 फीसदी था। 2020-21 में यह घटकर 13.9 फीसदी रह गया। इतनी भारी गिरावट तब हुई है, जब चीन हमारे दरवाजे पर दस्तक दे रहा है। कई-कई किलोमीटर अंदर तक चीन की फौज चली गई। जब सरकार और फौज ने खुद देश के सामने यथास्थिति रखी हो। जब पाकिस्तान और चीन दोनों एक होकर टू फ्रंट वॉर की बात करते हों, ऐसे समय में रक्षा बजट में भारी कटौती कौन सी देशभक्ति है।

इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि केन्द्र की अग्निपथ स्कीम में अग्निवीर सैनिकों की भर्ती रोकने और रोल बैक की मांग को लेकर कांग्रेस पार्टी देशभर में 27 जून को धरने प्रदर्शन करेगी। राजस्थान में भी सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक धरना दिया जाएगा। कश्मीर से कन्याकुमारी तक पूरे देश में कांग्रेस नेता-कार्यकर्ता धरना देंगे। नौजवान के हक, राष्ट्र सुरक्षा के हित, देश की फौज को कमजोर नहीं होने देने को लेकर यह धरना होगा। राजस्थान में कांग्रेस ने इसकी बहुत जबरदस्त तैयारी की है। राजस्थान के सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस धरने-प्रदर्शन करेगी।

सपा के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मशीनरी का दुरुपयोग करके रामपुर की जनता की जीत को हार में बदल दिया। उन्होंने रामपुर में भाजपा प्रत्याशी की जीत को लोकतंत्र की हार करार देते हुए कहा "बहुत अच्छी बात है, वह (भाजपा) जीत गए, लेकिन यह जीत नहीं है उनकी। इसी तरह तो उन्होंने उत्तर प्रदेश की सरकार भी बना ली है और मैं शर्म व एहसास दिलाना चाहूंगा उन तमाम ताकतों को, जो लोकतंत्र को कमजोर कर रही हैं।"

शिवसेना के बागी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किसी अन्य पार्टी में विलय नहीं करते, अयोग्यता लागू होती है। आज तक विलय नहीं हुआ, उन्होंने स्वेच्छा से सदस्यता छोड़ी है।

संविधान के तहत, उपाध्यक्ष की अनुपस्थिति में स्पीकर की शक्ति होती है और ऐसे मामलों पर निर्णय ले सकता है। अविश्वास प्रस्ताव विद्रोहियों द्वारा एक अनधिकृत ईमेल पते के माध्यम से भेजा गया था।

महाराष्ट्र में सियासी घटनाक्रम गहराता ही जा रहा है। इस बीच खबर है कि राज्य में सरकार बनाने के लिए भाजपा भी सक्रिय हो गई है। पहले भाजपा नेता व पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और शिवसेना के बागी नेता एकनाथ शिंदे के बीच मुलाकात की खबरें सामने आई थीं। अब खबर है कि शनिवार देर रात असम के मंत्री अशोक सिंघल भी शिवसेना के बागी विधायकों से मिलने गुवाहाटी के रैडिसन ब्लू होटल पहुंचे। इन सबके बीच असली शिवसेना को लेकर भी विवाद खड़ा हो गया है। शिंदे गुट की ओर से बालासाहेब के नाम पर अगल पार्टी का मामला चुनाव आयोग तक पहुंच सकता है।

एकनाथ शिंदे द्वारा ट्वीट किए गए वीडियो में बागी विधायक भरतशेत गोगावाले ने कहा कि मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने 2.5 साल में उन शिवसेना विधायकों के साथ बैठक नहीं की, जो 2019 में विधानसभा चुनाव हार गए थे। इसके विपरीत राज्य के डिप्टी मुख्यमंत्री ने 2019 के विधानसभा चुनाव हारने वाले एन.सी.पी. उम्मीदवारों को धन दिया।

प्रदेश में पिछले छह दिनों से रोज सौ से अधिक नए करोना संक्रमित मिले रहे हैं

राज्य में रविवार को 161 नए संक्रमित मिले, इससे पहले शनिवार को 122 रोगी पाए गए थे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 26 जून। प्रदेश में पिछले छह दिनों से नए करोना संक्रमितों की संख्या सौ से ऊपर बनी हुई है। इस दौरान राज्य में रविवार को भी थोड़ी और वृद्धि के बाद 161 नए संक्रमित मिले हैं। वहीं रिकवरी कम होने से एक्टिव केस बढ़कर साढ़े आठ सौ के पार हो गए हैं।

प्रदेश में नए करोना संक्रमितों की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। इसके चलते रविवार को 13 जिलों में 161 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले शनिवार को 122 रोगी पाए गए थे। इधर राजधानी जयपुर में भी पिछले चौबीस घंटों में नए संक्रमितों की संख्या में लगभग दोगुना वृद्धि हुई है। इस दौरान जिले में 66 नए मरीज सामने आए हैं। इसके अलावा जोधपुर में 24, बीकानेर में 22, अलवर में 12, अजमेर में 10, नागौर में 7, भीलवाड़ा, उदयपुर में 6-6, चूरू में 3, झालावाड़ में 2, बांसवाड़ा, जालौर, चितौड़गढ़ में 1-1 नए संक्रमित मिला है। हालांकि इस बीच 20 जिलों बारां, बाड़मेर, भरतपुर, बूंदी, दौसा, धौलपुर, डूंगरपुर, गंगानगर, हनुमानगढ़, जैसलमेर, झुंझुनूं, करौली, कोटा, पाली, प्रतापगढ़, राजसमंद, सवाई माधोपुर, सीकर, सिरोही और टोंक में कोई भी नया संक्रमित नहीं मिला है। प्रदेश में रविवार को नए संक्रमितों के मुकाबले में रिकवरी कम हुई है। इस दौरान 12 जिलों में 125 संक्रमित ठीक हुए हैं। इसके साथ ही एक्टिव केस बढ़कर 858 हो गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा 328 मामले जयपुर में है। इधर राहत की बात यह रही कि रविवार को करोना से राज्य में किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालांकि, प्रदेश में अब तक इस बीमारी से 9563 लोगों मृत्यु हो चुकी है।

> ■ **राजधानी जयपुर में सबसे ज्यादा 66 नए संक्रमित सामने आए हैं। इनमें मालवीय नगर में 9, जगतपुरा में 8 जबकि मानसरोवर व वैशाली में 6-6 मरीज मिले हैं।**
>
> ■ **प्रदेश में रिकवरी कम होने से एक्टिव केस बढ़कर साढ़े आठ सौ से अधिक हो गए हैं।**

राजधानी जयपुर में पिछले चौबीस घंटों में 26 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 9 नए संक्रमित मालवीय नगर में पाए गए हैं। इसके अलावा जगतपुरा में 8, वैशाली नगर व मानसरोवर में 6-6, सिविल लाइंस व सांगानेर में 5-5, दुर्गापुरा में 4, जवाहर नगर में 3, सोडाला व गोविंद नगर में 2-2, ब्रह्मपुरी, तिलक नगर, ट्रांसपोर्ट नगर, बाइस गोदाम, निर्माण नगर, राजापार्क, लालकोठी, आदर्श नगर, अजमेर रोड, बजाज नगर, बनीपार्क, बापू नगर, बैनाड़ रोड, सी-स्कीम व शास्त्री नगर इलाके में 1-1 नया संक्रमित मिला हैं। वहीं एक संक्रमित का पता सही नही होने पर उसे ट्रेस किया जा रहा है। जिले में पिछले चौबीस घंटों में 64 रोगी ठीक हुए हैं।

अग्निपथ के खिलाफ कांग्रेस ने 20 राज्यों में प्रैस कॉन्फ्रेंस की

कांग्रेस प्रवक्ता शक्ति सिंह गोहिल ने कहा कि, सोमवार को कांग्रेस कार्यकर्ता प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में विरोध प्रदर्शन करेंगे

नई दिल्ली, 26 जून (वार्ता)। कांग्रेस ने अग्निपथ योजना को देश की सुरक्षा के लिए खतरनाक बताते हुए इसे युवकों के साथ धोखा करार दिया और कहा कि यह फैसला सेना का नहीं बल्कि भारतीय जनता पार्टी सरकार के जनविरोधी रवैया का परिणाम है।

कांग्रेस प्रवक्ता शक्तिसिंह गोहिल रविवार को यहाँ पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कांग्रेस इस फैसले का कड़ा विरोध कर देशभर में युवाओं को बता रही है कि सरकार उनके साथ धोखा कर रही है। देश के 20 राज्यों की राजधानियों में आज एक साथ संवाददाता सम्मेलन कर सरकार की इस नीति के खिलाफ युवाओं को जागृत किया जा रहा है और पार्टी प्रवक्ता प्रेस कॉन्फ्रेंस कर युवाओं को जगाने का काम कर रहे है और इसी क्रम में सोमवार को कांग्रेस कार्यकर्ता देश के हर विधानसभा क्षेत्र में अग्निपथ योजना के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेंगे।

> ■ **गोहिल ने कहा कि, अग्निपथ योजना सेना का फैसला नहीं है। यह जबरदस्ती सेना पर थोंपा गया है।**

प्रवक्ता ने कहा की अग्निपथ योजना सेना का फैसला नहीं है, यदि सेना यह निर्णय लेती तो दो साल से चल रही सेना में भर्ती की प्रक्रिया पहले ही रोक दी जाती और युवाओं को नई योजना के तहत सेना में शामिल होने के लिए कहा जाता।

सेना युवकों के साथ धोखा नहीं कर सकती है इसलिए सरकार ने जब देखा कि पूरे देश में इस योजना का विरोध हो रहा है तो उसने सारा जिम्मा सेना पर थोप दिया।

उन्होंने कहा कि पूर्व सी.डी.एस. जनरल बिपिन रावत ने भी कहा था कि सेना में अनुभव महत्वपूर्ण होता है इसलिए एक सैनिक को 58 साल की उम्र में सेवानिवृत्त किया जाना चाहिए लेकिन मोदी सरकार अपने ही द्वारा नियुक्त सी.डी.एस. की भावना के खिलाफ निर्णय ले रही है।

राहुल गांधी ने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

होगा कि सचिन पायलट अपने ऊपर हुए इस हमले का जवाब देते हैं या फिर हमेशा की तरह चुप्पी साध कर धैर्य का परिचय देते हैं।

यहां राजनीतिक जानकारों का कहना है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत राहुल गांधी से ई.डी. की पूछता समाप्त होने के बाद अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी कार्यालय में हुई राहुल गांधी की सभा से पहले ही जयपुर लौट आए थे, जबकि उस दिन पूरे देश के सांसद विधायकों सहित प्रमुख नेताओं को वहां मौजूद रहना था।

इतना ही नहीं इस कार्यक्रम के लिए विशेष तौर पर मुख्यमंत्री एक दिन पहले ही रात को जोधपुर से दिल्ली गए थे। उस घटनाक्रम से पहले ऐसा क्या हुआ कि लगातार चार दिन दिल्ली में सक्रिय रहने वाले मुख्यमंत्री राहुल गांधी का भाषण सुने बिना ही जयपुर लौट आए। उनके लौटने के बाद उसी सभा में राहुल गांधी ने धैर्य की बात करते हुए सचिन पायलट का उदाहरण भी दिया।

ऐसे में शनिवार को सीकर में मुख्यमंत्री ने जिस तरह से सचिन पायलट का नाम लेकर आरोप लगाया है, उसे लेकर कहा जा रहा है कि मुख्यमंत्री ने सचिन पायलट के धैर्य को तोड़ने के लिए तथा राहुल गांधी को गलत साबित करने के लिए ही इस तरह का बयान दिया है।

अब 27 जून को जब सचिन पायलट राजस्थान में अपनी विधानसभा क्षेत्र में होंगे, तो देखना यह होगा कि वे किस भाषा में मुख्यमंत्री की ओर से लगाए गए आरोपों का जवाब देते हैं या फिर राहुल गांधी को सही साबित करते हुए एक बार फिर धैर्य रखते हैं। हालांकि इस बार यह काम इसलिए मुश्किल हो सकता है कि पहली बार नाम लेकर उन्हें मुख्यमंत्री की ओर से आरोपी बताया गया है तो वहीं मुख्यमंत्री के नजदीकी नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल की ओर से उस बयान का समर्थन किया गया है।

इसका मतलब यह भी हो सकता है कि मुख्यमंत्री खेमा इस लड़ाई को खत्म करने के मूड में नहीं है।

2.35 लाख आयकर दाता किसान उठा रहे हैं किसान सम्मान निधि

नई दिल्ली, 26 जून। उत्तर प्रदेश में किसानों की इनकम टैक्स रिटर्न की जांच में पता चला है कि, करीब 2.35 लाख किसान सरकार को धोखा देकर फर्जी तरीके से किसान सम्मान निधि उठा रहे हैं। ये किसान आई.टी.आर. चुकाने वाले हैं मगर मुफ्त के सरकारी छह हजार रुपये सालाना मिल रहे हैं तो छोड़े क्यों जाएं। इसी लोभ ने प्रदेश के 2 लाख 35 हजार किसानों को दागी बना दिया।

वित्तीय वर्ष 2017-18 और 2018-19 के आयकर रिटर्न खंगाले गए तो उत्तर प्रदेश से अब तक कुल 2 लाख 35 हजार किसान ऐसे मिले जिन्होंने इन्कम टैक्स अदा किया और किसान सम्मान निधि भी हासिल की। ऐसा तब किया गया जबकि किसान सम्मान निधि के नियम व शर्तों में यह स्पष्ट किया गया है कि किसान सम्मान निधि उसी किसान को मिलेगी जो भारत का नागरिक होगा, जिसकी खेती होगी और जो आयकरदाता नहीं होगा। अब इन सभी को किसान सम्मान निधि योजना में अपात्र मानते हुए इनसे निधि की अब तक प्राप्त की गई सारी राशि वसूली जा रही है। इन्हें नोटिस जारी किए गए हैं।

बोरिस जॉनसन की तीसरी बार प्रधानमंत्री की कुर्सी पर नजर

लंदन , 26 जून (वार्ता)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने कहा है कि वह कंजरवेटिव सांसदों द्वारा हटाये जाने के खतरे के बीच 2030 में तीसरे कार्यकाल की सेवा पर सक्रिय रुप से विचार कर रहे हैं।

जॉनसन ने रंवाडा के किगाली में राष्ट्रमंडल प्रमुखों की बैठक के अंतिम दिन कहा कि सरकार एकजुट होने और स्तर बढ़ाने की एक विशाल परियोजना पर काम शुरू की है।

अगले चुनाव में क्या वह कंजरवेटिव का नेतृत्व करेंगे के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि हां, मैं जीतूगां, मैं तीसरे कार्यकाल के लिए सक्रिय रुप से सोच रहा हूं , तब क्या हो सकता है। जब मैं इसे प्राप्त करूंगा तो इसकी समीक्षा करूंगा।

स्काई न्यूज के अनुसार प्रधानमंत्री को आशा है कि उनकी रवांडा यात्रा से पूर्वी अफ्रीकी देश सकारात्मक ढंग से प्रभावित होंगे। क्योंकि ब्रिटेन में शरण चाहने वालों को वहां से स्थानांतरित करने की सरकार की विवादास्पद योजना को काफी विरोधों का सामना करना पड़ा था। रविवार को जॉनसन जी 7 सम्मेलन में और मंगलवार से स्पेन में नाटो की बैठक में भाग लेंगे।

'भारत चौथी औद्योगिक क्रांति का भरपूर लाभ उठायेगा'

म्यूनिख, 26 जून। जी-7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए जर्मनी पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को भारतीय समुदाय को संबोधित किया। यहां भारतीयों ने उनका जोरदार स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी ने म्यूनिख में प्रवासी भारतीयों के कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा, "आज 26 जून है जो उस दिन के लिए भी जाना जाता है जब भारत का लोकतंत्र, जो हर भारतीय के डी.एन.ए. में है उसे 47 साल पहले कुचला और दबा दिया गया था। आपातकाल भारत के लोकतंत्र के जीवंत इतिहास पर एक काला धब्बा था।"

> ■ **म्यूनिख (जर्मनी) में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए प्र.मंत्री मोदी ने एमरजेंसी के दिनों को याद करते हुए कहा कि, भारतीय लोकतंत्र हर आपदा पर विजय पाता है।**

जर्मनी के म्यूनिख में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पिछली शताब्दी में, जर्मनी और अन्य देशों ने औद्योगिक क्रांति से लाभ उठाया। भारत उस समय गुलाम था इसलिए लाभ नहीं उठा सकता था। लेकिन अब चौथी औद्योगिक क्रांति में भारत भी पीछे नहीं रहेगा, अब यह दुनिया में अग्रणी है।

मोदी ने कहा कि आज हमारे देश का हर गांव खुले में शौच मुक्त है, बिजली है और 99 गांवों में भी खाना पकाने का स्वच्छ ईंधन है। भारत पिछले 2 साल से 80 करोड़ गरीब लोगों को मुफ्त राशन मुहैया करा रहा है। भारत में अब हमारे पास हर 10 दिन में एक बिलियन डॉलर से बड़े स्टार्टप खड़ा हो रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हम भारतीयों को अपने लोकतंत्र पर गर्व है। आज हम गर्व से कह सकते हैं कि भारत लोकतंत्र की जननी है। संस्कृति, भोजन, कपड़े, संगीत और परंपराओं की विविधता हमारे लोकतंत्र को जीवंत बनाती है। मोदी ने कहा कि भारत ने दिखाया है कि लोकतंत्र परिणाम दे सकता है और दिया भी है। भारत में जलवायु परिवर्तन सिर्फ नीतियों का मामला नहीं है। सतत जलवायु आचरण भारत के लोगों के जीवन का एक हिस्सा बन गया हैं। हमने देश में 10 करोड़ से अधिक शौचालय बनाए हैं। अब लोग देश को स्वच्छ रखना अपना कर्तव्य समझते हैं।

'लोकसभा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

का कहना है कि संगरूर लोकसभा सीट पर हुए उपचुनाव में उन्हें जीत मिली है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी के लिए यह जीत काफी अहम है।

'असम से यहां 40 विधायकों के सिर्फ शव लौटेंगे'

शिवसेना सांसद संजय राउत ने बागी विधायकों के खिलाफ यह बयान दिया और कहा कि, उनके शवों को हम पोस्टमार्टम के लिए विधानसभा भेजेंगे

मुंबई, 26 जून। शिवसेना सांसद संजय राउत ने बागी विधायकों के खिलाफ विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अब यहां 40 विधायकों के सिर्फ शव लौटेंगे, जिसे हम पोस्टमार्टम के लिए विधानसभा भेजेंगे।

एक सभा को संबोधित करते हुए संजय राउत ने कहा, जो 40 लोग वहां हैं वे ज़िंदा लाश हैं। ये मुर्दा हैं। उनके शव यहां आएंगे। उनकी आत्मा मरी हुई है। ये 40 लोग जब उतरेंगे तो मन से ज़िंदा नहीं होंगे। उन्हें मालूम है कि ये जो आग लगी है उस से क्या हो सकता है। आकर दिखाएं वे।

हम नामर्द नहीं इससे पहले भी भड़काऊ बयान देते हुए संजय राउत ने कहा था, आप यहां से गुवाहाटी तक सब कुछ करेंगे और हम अपना गुस्सा भी नहीं निकालेंगे तो कैसा होगा? तो हम क्या नामर्द हैं, हम नामर्द नहीं हैं। उन्होंने कहा था, क्या होगा सत्ता चली जाएगी ज्यादा से ज्यादा और क्या होगा? सत्ता जाती है और सत्ता आती भी है।

बागी विधायकों को सुरक्षा वहीं दूसरी ओर, महाराष्ट्र में बागी विधायकों के खिलाफ शिवसैनिकों के बढ़ते आक्रोश को देखते हुए शिवसेना के 15 बागी विधायकों को केंद्र सरकार ने वाई प्लस कैटेगरी सुरक्षा प्रदान की है। कई जगहों पर शिवसैनिकों ने बागी विधायकों के दफ्तर को निशाना बनाया है। बागी विधायकों ने आरोप लगाया था कि उनके परिवार की सुरक्षा को वापस ले लिया गया है। बागी गुट के नेता एकनाथ शिंदे ने कहा था कि अगर हमारे विधायकों के परिवार को कुछ होता है तो इसके लिए मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे जिम्मेदार होंगे। वहीं, एन.सी.पी. प्रमुख शरद पवार ने कहा कि हमारी पार्टी का पूरा समर्थन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के साथ है। उन्होंने कहा, एकनाथ शिंदे और उनके साथ गुवाहाटी गए अन्य विधायकों ने एक नया गठबंधन बनाने के लिए कहा है, लेकिन एन.सी.पी. और कांग्रेस की नीति हमारे द्वारा बनाई गई गठबंधन सरकार का समर्थन करने के लिए स्पष्ट है। शरद पवार ने कहा, महाराष्ट्र में एम.वी.ए. सरकार है और हम इसका समर्थन जारी रखना चाहते हैं। एकनाथ शिंदे और अन्य विधायक सरकार में एन.सी.पी. के साथ थे। पिछले ढाई सालों में उन्हें कोई समस्या नहीं हुई। ये आज ही क्यों हुई? यह तो बस एक बहाना है, लेकिन हम आखिरी समय तक मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे का समर्थन करेंगे।

> ■ **इस बीच केन्द्र सरकार ने शिवसेना के 15 बागी विधायकों को वाई कैटेगरी की केन्द्रीय सुरक्षा मुहैया कराई है।**
>
> ■ **शरद पवार ने कहा कि, अंत तक हमारा उद्धव ठाकरे को समर्थन जारी रहेगा।**
>
> ■ **शरद पवार ने कहा, महाराष्ट्र में एम.वी.ए. सरकार है और हम इसका समर्थन जारी रखना चाहते हैं। एकनाथ शिंदे और अन्य विधायक सरकार में एन.सी.पी. के साथ थे। पिछले ढाई सालों में उन्हें कोई समस्या नहीं हुई।**

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908